जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 3 अक्टूबर, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान — जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर - 17 अक्टूबर 2026)

प्रगति पथ पर गतिमान राजस्थान

ग्रामीण विकास को मिली नई रफ्तार

3 वर्षों में ₹50,000 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों से मिलेगी गांवों के विकास कार्यों को गति

हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान, खेल प्रतिभाओं को नया मंच

हर ग्राम पंचायत में अटल ज्ञान केंद्र स्थापित, आधुनिक सुविधाओं युक्त ई- लाइब्रेरी देगी शिक्षा को नया आयाम, इंटरनेट से कनेक्ट होंगे अटल ज्ञान केंद्र

₹12,000 करोड़ से अधिक राशि के विद्यालय सुदृढ़ीकरण एवं सुधार की कार्य योजना - कार्य प्रारंभ

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ऊर्जा, पेयजल, सार्वजनिक निर्माण, ग्रामीण विकास एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से हो रहा काया कल्प

₹12,245 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, नागौर, टोंक,अलवर, दौसा, जयपुर, झुंझुनू, खैरथल-तिजारा, कोटपुतली-बहरोड़, सीकर जिले को

36 लाख लाभार्थियों को 400 करोड़ रुपये की DBT की सौगात

₹ 2,636 करोड़ के 929 विकास कार्यों की सौगात

25 सितंबर 2026 | दादिया, जयपुर

उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सलूम्बर,बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर जिलों के

₹924 करोड़ के 1,452 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

26 सितम्बर, 2026 । दशहरा मैदान, प्रतापगढ़

भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर,अलवर, कोटपुतली-बहरोड़ एवं खैरथल-तिजारा जिलों के

₹1,109 करोड़ के 345 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

28 सितम्बर, 2026 | बयाना-भरतपुर | खैरथल-तिजारा

बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, जोधपुर, पाली, फलोदी एवं सिरोही जिलों के

₹2,824 करोड़ के 1,013 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

30 सितम्बर, 2026 | बाछड़ाऊ, चौहटन, बाड़मेर

चूरू, झुंझुनूं एवं सीकर जिलों के

₹1277.07 करोड़ के 83 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

01 अक्टूबर, 2026 | फतेहपुर, सीकर

बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बारां, बूंदी, झालावाड़ एवं कोटा जिलों के

₹3075 करोड़ के 668 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

02 अक्टूबर, 2026 | विद्याधर नगर, जयपुर

राजस्थान संवाद

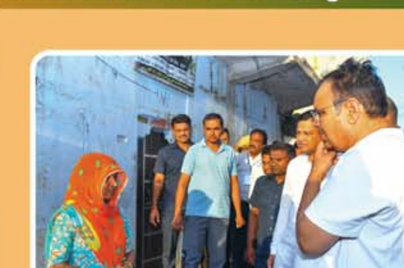

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

शत्रु को क्षमा, विरोधी को सहनशीलता, मित्र को अपना हृदय, बालक को उत्तम दृष्टान्त, पिता को आदर, माता को ऐसा आचरण जिससे वह तुम पर गर्व कर सके, अपने को प्रतिष्ठा और सबको उपहार। –बालफोर

ग्रामीण युवाओं के केरियर निर्माण में अटल ज्ञान केन्द्र एक महत्वपूर्ण पहल

ग्रामीण युवाओं को गॉंव में ही केरियर निर्माण के शहरी युवाओं जैसे ही बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सरकार की अटल ज्ञान केन्द्र स्थापना की पहल इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि ग्रामीण युवा गॉंव में ही रहकर प्रतियोगी परीक्षा की आवश्यक सभी तैयारियां बेहतर तरीके से गॉंव में ही कर सकते हैं। इसके लिए सरकार द्वारा 14403 पंचायत मुख्यालय पर अटल ज्ञान केन्द्र स्थापित कर रही है। राज्य सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रदेश में 628 अटल ज्ञान केन्द्र तैयार भी हो चुके हैं। अटल ज्ञान केन्द्र की खास बात यह है कि यह युवाओं के केरियर निर्माण के साथ ही ई–मित्र सेवाएं भी उपलब्ध होने से गॉंव, ग्रामीण, किसान और युवाओं के लिए समान रुप से लाभकारी सिद्ध होगा। अटल ज्ञान केन्द्र की परिकल्पना इस तरह से तैयार की गई है जिससे शहरों में उपलब्ध होने वाली केरियर सेवाओं जैसी ही बेहतर सुविधाएं ग्रामीण युवाओं को मिल सकेगी।

पंचायत मुख्यालय पर बन रहे अटल ज्ञान केन्द्र की खास बात यह है कि 12 लाख 50 हजार रुपए की लागत से तैयार होने वाले इन ज्ञान केन्द्रों में प्रत्येक केन्द्र पर 4 कम्प्यूटर, आधुनिक ई–लाइब्रेरी की सुविधाओं के साथ ही हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही युवाओं को केरियर काउंसलिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाना है। ग्रामीणों को ई–मित्र सेवाएं भी यहां उपलब्ध हो सकेगी। अटल ज्ञान केन्द्र इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते हैं कि आज शहरों में भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए युवा शहरों में गली–मौहल्लों में बनी लाइब्रेरी को अपना अध्ययन केन्द्र बना रहे हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शहरों में पलायन कर इन लाइब्रेरियों की और रुख करते हैं। अब जब गांव में ही युवाओं को अत्याधुनिक ई–लाइब्रेरी सुविधा और इंटरनेट सुविधा की सहज उपलब्ध हो सकगी तो ग्रामीण युवा भी शहरी युवाओं की तरह प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यक तैयारियां आसानी से कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें शहरों में जाना नहीं पड़ेगा। राज्य सरकार की यह पहल इस मायने में और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है कि ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने का अवसर सरकारी सुविधा से गॉंव में ही उपलब्ध हो सकेगा। ग्रामीण युवाओं के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए शहरों में जाना, किराये पर मकान लेना और फिर लाइब्रेरी की फीस अदा कर तैयारी करने में श्रम, समय और खर्च की बचत हो सकेगी। वैसे भी आज इंटरनेट पर आवश्यक सभी जानकारी उपलब्ध होती है। देखा जाए तो आज इंटरनेट ज्ञानार्जन का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। कहने को कुछ भी कहो पर आज के युवाओं की इंटरनेट पर निर्भरता अधिक हो गई है। फिर अब आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस का दौर आ गया है। जब गॉंव में ही युवाओं के बेहतर इंटरनेट सेवाएं, ई–लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध होगी और केरियर काउंसलिंग की सुविधा मिल सकती है तो फिर ग्रामीण युवा केरियर की दौड में आगे ही रहेंगे, इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए। सबसे खास बात यह है कि ग्रामीण युवाओं को रोजगार के लिए आवश्यक गाइडेंस व तैयारियों के लिए जरुरी बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी तो फिर शहरी युवाओं और ग्रामीण युवाओं के बीच की खाईं आसानी से पट सकेगी।

अटल ज्ञान केन्द्र स्थापित करने के पीछे जो सोच है वह अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाता है। सरकार ने ज्ञान केन्द्र स्थापना का निर्णय कर लिया है। 628 केन्द्र बनकर भी तैयार हो गए हैं। सुपूर्ण रुपरेखा भी तैयार है ऐसे में क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों का दायित्व हो जाता है कि सभी पंचायत मुख्यालय पर अटल ज्ञान केन्द्र के सरकार के सपने को निर्धारित समय सीमा में पूरा करे। इसके साथ ही कार्य की गुणवत्ता, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं स्तरीय सुनिश्चित करनी होगी ताकि सरकार की ग्रामीण युवाओं के भविष्य से जुड़ी इस पावन योजना का प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन हो सके।

अटल ज्ञान केन्द्र स्थापित करने के पीछे जो सोच है वह अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाता है। सरकार ने ज्ञान केन्द्र स्थापना का निर्णय कर लिया है। 628 केन्द्र बनकर भी तैयार हो गए हैं। सुपूर्ण रुपरेखा भी तैयार है ऐसे में क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों का दायित्व हो जाता है कि सभी पंचायत मुख्यालय पर अटल ज्ञान केन्द्र के सरकार के सपने को निर्धारित समय सीमा में पूरा करे। इसके साथ ही कार्य की गुणवत्ता, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं स्तरीय सुनिश्चित करनी होगी ताकि सरकार की ग्रामीण युवाओं के भविष्य से जुड़ी इस पावन योजना का प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन हो सके। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ग्रामीण युवाओं पर केन्द्रित इस योजना को मूर्त रुप देने पर जोर देते रहे हैं। सरकार की मंशा भी स्पष्ट है। अब ग्रामीणों और युवाओं को भी आगे आना होगा ताकि उनके यहां अटल ज्ञान केन्द्र की तय समय पर स्थापना हो और आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएं। युवाओं को भी सरकार की इस सुविधा का लाभ उठाने की सकारात्मक पहल करनी होगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 3 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत–2083, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 1:30 तक, वारियान योग दिन 3:21 तक, बव करण प्रातः 8:00 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज अष्टमी का श्राद्ध, कालाष्टमी है। आज महालक्ष्मी व्रत समाप्त होंगे। आज अष्टमी तिथि का क्षय हुआ है। आज शुक्र वक्री दिन 12:45 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ 7:52 से 9:20 तक, चर 12:16 से 1:44 तक, लाभ अमृत 1:44 से 4:40 तक।

राहुकाल– 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:08

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
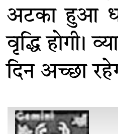
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
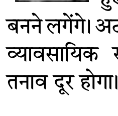
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। मानसिक तनाव दूर होगा।

कर्क
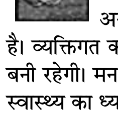
घर–परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
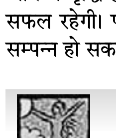
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
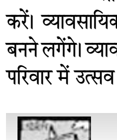
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
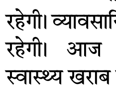
आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक
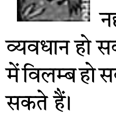
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु
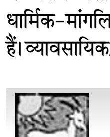
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
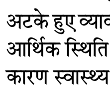
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन
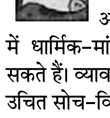
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

राज्य विश्वविद्यालयों का संकट : सरकार या शिक्षण संस्थान कौन जिम्मेदार?

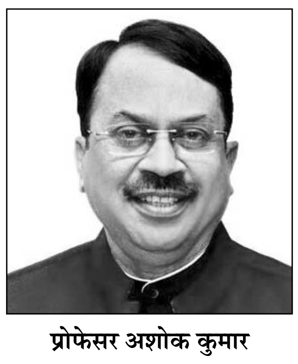

प्रोफेसर अशोक कुमार

उच्च शिक्षण संस्थान किसी भी प्रगतिशील, लोकतांत्रिक और विकासशील राष्ट्र की बौद्धिक रीढ़ होते हैं। विश्वविद्यालय केवल उपाधियां (डिग्रियां) बांटने वाले औपचारिक केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे ज्ञान के मौलिक सृजन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक चेतना और समाज को दिशा देने वाले प्रबुद्ध नेतृत्व के उद्गम स्थल हैं। आधुनिक ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा की भूमिका केवल रोजगार पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।

किंतु आज भारत के अधिकांश राज्य विश्वविद्यालय एक अभूतपूर्व और बहुआयामी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। यह संकट दोहरा है–एक ओर जहाँ शीर्ष नेतृत्व और प्राध्यापकों की नियुक्तियों में नियमों की अनदेखी, भाई–भतीजावाद और शैक्षणिक मानकों की उपेक्षा ने संस्थागत शुचिता को गहरा आघात पहुँचाया है, वहीं दूसरी ओर सरकारों द्वारा विश्वविद्यालयों को वित्तीय रूप से असहाय छोड़कर स्ववित्तपोषण की अंधी दौड़ में धकेल दिया गया है। जब कोई विश्वविद्यालय अपनी उत्तरजीविता के लिए छात्रों की फीस और राजस्व संग्रह पर निर्भर हो जाता है, तो सबसे पहली आहुति शैक्षणिक गुणवत्ता, मेरिट और संस्थागत अनुशासन की दी जाती है।

किसी भी विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक वातावरण और उसकी प्रतिष्ठा का निर्धारण उसके शीर्ष नेतृत्व–विशेषकर कुलपति से होता है। कुलपति विश्वविद्यालय का शैक्षणिक और प्रशासनिक अगुआ होता है। यदि शीर्ष पद पर ही ऐसा व्यक्ति आसीन हो जाए जो योग्यता, सत्यनिष्ठा या अनुभव के स्थापित मानकों को पूरा नहीं करता, तो समूची संस्था का पराभव तय है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों में कुलपति के पद हेतु अत्यंत कड़े और स्पष्ट मानक निर्धारित किए गए हैं:–सत्यनिष्ठा एवं नैतिकताः कुलपति पद पर केवल उसी व्यक्ति का चयन होना चाहिए जो उच्चतम स्तर की क्षमता, नैतिक शुचिता, निष्कलंक छवि और संस्थागत प्रतिबद्धता रखता हो।

विशिष्ट शिक्षाविदः उम्मीदवार का संपूर्ण शैक्षणिक करियर उत्कृष्ट होना चाहिए तथा उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उसका योगदान प्रमाणित होना चाहिए।

10 वर्ष का वास्तविक प्रोफेसर अनुभवः विश्वविद्यालय प्रणाली में प्रोफेसर के रूप में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है। इस संबंध में स्थापित विधिक सिद्धांत यह है कि यह अनुभव वास्तविक कार्य अनुभव होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरदान के. गढ़वी बनाम गुजरात राज्य (2022) तथा अन्य मामलों में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि यूजीसी द्वारा उच्च शिक्षा के मानकों के निर्धारण हेतु बनाए गए नियम राज्यों पर भी पूर्णतः बाध्यकारी हैं। सर्च–कम–सिलेक्शन कमेटी द्वारा बिना किसी राजनीतिक अथवा बाह्य हस्तक्षेप के, पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया से ही योग्यतम व्यक्तियों का चयन किया जाना चाहिए। जब भी इन स्थापित विधिक मानकों से समझौता किया जाता है, तो विश्वविद्यालय ज्ञान का केंद्र बनने के बजाय प्रशासनिक विसंगतियों और विवादों का अखाड़ा बन जाते हैं।

कानूनी और नीतिगत पहलुओं से आगे जब हम विश्वविद्यालयों के व्यावहारिक संचालन को देखते हैं, तो एक भयावह प्रशासनिक विवशता सामने आती है। अधिकांश राज्य सरकारों ने उच्च शिक्षा के बजट में भारी कटौती की है और नियमित अनुदान को सीमित कर दिया है। इसके चलते कुलपतियों और प्रशासनिक अधिकारियों के सामने जो विवशता खड़ी होती है, वह शैक्षणिक गुणवत्ता की नींव हिला देती है।

एक कुलपति के रूप में मेरा प्रशासनिक अनुभव इस जमीनी संकट की परतें खोलता है:–जब किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से छात्रों का चयन किया जाता है, तो एक बुनियादी कटऑफ (जैसे न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक) तय करना गुणवत्ता की पहली शर्त होती है। किंतु जब परीक्षा परिणाम आते हैं, तो यह कड़वी सच्चाई सामने आती है कि 30 प्रतिशत का न्यूनतम पैमाना रखने पर 50 से अधिक सीटें खाली रह जाती हैं।

यहाँ विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष एक गंभीर धर्मसंकट पैदा होता है:–यदि 30 प्रतिशत के मानक पर अडिग रहा जाए, तो आधी सीटें खाली रहेंगी। सीटें खाली रहने का सीधा अर्थ है–छात्रों से मिलने वाली फीस में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी। क्योंकि सरकार से मिलने वाला अनुदान सीमित है और उससे वेतन व अनिवार्य खर्च पूरे नहीं हो सकते, अतः फीस न आने पर शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन का संकट खड़ा हो जाएगा।

अंततः संस्थान के वित्तीय अस्तित्व को बचाने के लिए प्रवेश के न्यूनतम अंक घटाकर 20 प्रतिशत या उससे भी नीचे करने पड़ते हैं। यह सवाल अपने आप में गहरा और चिंताजनक है कि जिस छात्र ने प्रवेश परीक्षा में बमुश्किल 20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों, वह उच्च शिक्षा और शोध के स्तर को किस दिशा में ले जाएगा?

यही विवशता कक्षाओं में उपस्थिति और परीक्षा प्रणाली में भी दिखाई देती है। नियमों के अनुसार परीक्षा में बैठने के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होती है। परंतु जब इसे कड़ाई से लागू किया जाता है, तो स्थिति यह बनती है कि 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशते छात्र परीक्षा से वंचित हो सकते हैं। इसका सीधा वित्तीय प्रभाव यह होता है कि छात्र परीक्षा फॉर्म नहीं भरेंगे, जिससे विश्वविद्यालय को मिलने वाला भारी परीक्षा शुल्क रुक जाएगा। वित्तीय कमी के भय से प्रशासन को अंततः नियमों में ढील देनी पड़ती है। यह पूरी व्यवस्था राज्य विश्वविद्यालयों को एक ऐसे दुष्चक्र में धकेल देती है जहाँः बजट की कमी, सीटें भरने की मजबूरी मेरिट से समझौता, कमजोर नींव वाले छात्र, अध्यापन का गिरता स्तर, डिग्री का अवमूल्यन! इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय एक बौद्धिक संस्थान न रहकर केवल फीस संग्रह और डिग्री वितरण केंद्रबनकर रह जाते हैं। अक्सर विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक पतन के लिए केवल शिक्षकों और कुलपतियों को कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। किंतु गहन विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि यहसरकार और शिक्षण संस्थान–दोनों की साझा विफलता है:

सरकार राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली की मुख्य संरक्षक है। उसकी प्राथमिक जिम्मेदारियां हैं:–सरकार का दायित्वः विश्वविद्यालयों के लिए पर्याप्त वित्तीय बजट का आवंटन करना, नए शैक्षणिक पदों की समय पर स्वीकृति देना तथा आधुनिक भवनों, पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं का निर्माण कराना।

संस्थान एवं शिक्षक का दायित्वः सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी भौतिक, तकनीकी एवं वित्तीय संसाधनों का शत–प्रतिशत सदुपयोग करना और उनका समुचित रखरखाव सुनिश्चित करना।

सरकार का दायित्वः राष्ट्रीय शिक्षा नीतिजैसी व्यापक नीतिगत रूपरेखा और दिशा–निर्देश तैयार करना, जिससे उच्च शिक्षा के मानक एकरूप रहें।

संस्थान एवं शिक्षक का दायित्वः उन दिशा–निर्देशों के आधार पर छात्रों के लिए आधुनिक, व्यावहारिक, उद्योग–उन्मुख और कौशल–आधारित पाठ्यक्रम का निर्माण करना तथा उसे समय–समय पर अद्यतन (अपडेट) करते रहना।

कक्षा शिक्षणः–

सरकार का दायित्वः शिक्षकों की दक्षता और क्षमता संवर्धन के लिए नियमित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं आधुनिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराना।

संस्थान एवं शिक्षक का दायित्वः समय–सारिणी के अनुसार कक्षाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित करना, नवाचारी शिक्षण पद्धितयों को अपनाना और विद्यार्थियों को केवल रटाने के बजाय उनका समग्र मार्गदर्शन करना।

परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए स्पष्ट एवं प्रभावी नियामक नियम निर्धारित करना। निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध और नकल–मुक्त परीक्षा आयोजित करना तथा छात्रों के वास्तविक ज्ञान व विश्लेषणात्मक क्षमता का सही मूल्यांकन करना। शत–प्रतिशत आवर्ती अनुदानःजब तक सरकार शिक्षकों और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के वेतन और पेंशन का पूरा दायित्व स्वयं नहीं उठाएगी, तब तक कोई भी प्रशासन गुणवत्ता से समझौता करने से नहीं बच सकता।

नियमित और पारदर्शी नियुक्तियांः वर्षों तक स्थायी शिक्षकों की भर्ती न करना और विश्वविद्यालय को तदर्थ या अतिथि संकाय के भरोसे छोड़ देना शिक्षण की गुणवत्ता को नष्ट करता है।

आधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, हाई–स्पीड इंटरनेट और अनुसंधान उपकरण उपलब्ध कराना सरकार का विधिक और लोकतांत्रिक कर्तव्य है। विश्वविद्यालयों को राजनीतिक प्रयोगशाला बनाने या उनके निर्णयों में अवांछित हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए। संसाधन उपलब्ध होने के बाद भी शिक्षण की वास्तविक गुणवत्ता कक्षा के भीतर शिक्षक और संस्थान के आचरण पर निर्भर करती है:–

नियमितता और अनुशासनः समय–सारणी के अनुसार नियमित कक्षाओं, प्रैक्टिकल्स और ट्ययूटोरियल्स का संचालन सुनिश्चित करना संस्थान की पहली जिम्मेदारी है।

समसामयिक पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धतिः केवल पारंपरिक व्याख्यानों तक सीमित न रहकर प्रोजेक्ट–आधारित अध्ययन, शोध–उन्मुख शिक्षण और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना आवश्यक है।

नकल–मुक्त, निष्पक्ष और समयबद्ध परीक्षा आयोजित करना जिससे मेधावी छात्रों के साथ न्याय हो सके। अकादमिक सत्यनिष्ठाः शिक्षकों को करियर एडवांसमेंट के लिए केवल औपचारिकता निभाने या फर्जी पत्रिकाओं में शोधपत्र छापने के बजाय वास्तविक एवं अर्थपूर्ण शोध पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यदि राज्य विश्वविद्यालयों को इस पतन से उबारकर पुनः उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करना है, तो निम्नलिखित दीर्घकालिक और दृढ़ नीतिगत कदम उठाने होंगे:–

स्ववित्तपोषण मॉडल की विदाईः उच्च शिक्षा कोई विशुद्ध व्यावसायिक उत्पाद नहीं है जिसे बाजार के लाभ–हानि के तराजू पर तौला जाए। सरकारों को राज्य विश्वविद्यालयों के सभी अनिवार्य प्रशासनिक व शैक्षणिक खर्चों की पूर्ण गारंटी लेनी चाहिए, ताकि कुलपति राजस्व की चिंता किए बिना 30 प्रतिशत या उससे अधिक का कड़ा मेरिट कटऑफ और 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम निर्भीकता से लागू कर सकें। कुलपति से लेकर सहायक प्राध्यापक तक की नियुक्तियों में यूजीसी के मानकों का अक्षरशः पालन हो। किसी भी प्रकार की काल्पनिक पदोन्नति या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चयन को कठोरता से रोका जाए।

परिणाम–आधारित जवाबदेहीः आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठको केवल कागजी औपचारिकताओं तक सीमित न रखकर वास्तविक मूल्यांकन का साधन बनाया जाए। विद्यार्थियों से प्राप्त गोपनीय फीडबैक को शिक्षण सुधार की ठोस प्रक्रिया से जोड़ा जाए।

अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहनः राज्य विश्वविद्यालयों के लिए राज्य स्तरीय अनुसंधान कोष का गठन किया जाए, जिससे संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए वित्तीय बाधाओं का सामना न करना पड़े।

निष्कर्ष– उच्च शिक्षा पर किया जाने वाला व्यय सरकार के लिए कोई आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में किया जाने वाला सबसे सुरक्षित और दूरगामी निवेश है। जब तक राज्य सरकारें विश्वविद्यालयों को वित्तीय रूप से स्वावलंबी बनने के नाम पर असहाय छोड़ती रहेंगी और केवल सीमित बजट देकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ती रहेंगी, तब तक कोई भी कुलपति चाहकर भी कड़े शैक्षणिक मानक लागू नहीं कर पाएगा।

शैक्षणिक गुणवत्ता और वित्तीय लाचारी कभी साथ–साथ नहीं चल सकते। विश्वविद्यालयों को अपनी गरिमा, अनुशासन और बौद्धिक श्रेष्ठता पुनः प्राप्त करने के लिए वित्तीय सुरक्षा, पूर्ण प्रशासनिक स्वायत्तता और नैतिक नेतृत्व की आवश्यकता है। समय की मांग है कि नीति–निर्माता इस जमीनी संकट को पहचानें और उच्च शिक्षा को बाजार की विवशताओं से मुक्त कर राष्ट्र निर्माण के एक सशक्त माध्यम के रूप में पुनर्स्थापित करें।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली की इतनी तीव्र आलोचना क्यों?

महावीर सिंह

मतदाता सूचिया शुद्ध होनी चाहिए, इस से कोई इनकार नहीं कर सकता। वैध मतदाता का नाम छुटे नहीं,मतदाता बनने की वैध शर्तों में जो नहीं आए उनका नाम मतदाता सूचियों में रहे नहीं इस बात से हर कोई सहमत है। मुख्य रूप से सारा झगड़ा, आलोचनाएं निर्वाचक नामावलियों को आदिनांक करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया को लेकर है। इस पर आगे विचार करेंगे।

ऐसा नहीं है कि चुनाव आयोग के आयुक्तों की उनके काम के लिए पहले आलोचना नहीं होती थी है पर पूर्व की आलोचनाओं और अब जो आलोचनाएं है उनमें रात और दिन का अंतर है। अब आलोचनाएं है सीधे–सीधे वोटर्स के नाम जोड़ने, हटाने के लिए संबंध में है। इसके लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया बहुत से, मेरे जैसे, सामान्य बुद्धि के लोगों की समझ से बाहर है। प्रक्रिया अत्यंत उलझन भरी है।

पहले के चुनाव आयुक्तों पर सबसे पड़ा आरोप होता था कि वे सत्तापक्ष के करीबी है और इसी आधार पर उनकी नियुक्ति हुई है जैसे नवीन चावला की आलोचना का आधार था कि वे कांग्रेस पार्टी की मुखिया के नजदीकी थे। इसी प्रकार टी एन शेषन की आलोचना भी राजीव गांधी का नजदीकी मानकर होती थी। जेम्स माइकल लिंगदोह की आलोचना सोनिया गांधी के सहधर्मी होने कारण हुई। पहले के अधिकांश आयुक्तों की निर्वाचक नामावलियों को लेकर शायद ही कोई आलोचना हुई हो।

पहले की आलोचनाएं आचार संहिता, सभी दलों को चुनाव लड़ने के लिए, लेवल प्लेइंग फील्ड देने बाबत, किसी पार्टी विशेष को फेवर करने के लिए चुनाव तिथियों की घोषणा आदि में पक्षपात की होती थी।

अब सही या गलत, अब आलोचनाएं (जिनका चुनाव आयोग में अभी तक दो टूक शब्दों में सीधे–सीधे खंडन नहीं किया है) निर्वाचक नामावलियां किसी विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए किसी विशेष के पक्ष की सहूलियत के अनुसार तैयार करने या मैनिपुलेट किए जाने की हो रही है। अगर ऐसा सिद्ध हो तो यह हमारे लोकतंत्र पर आघात है।

यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट के 2023 के निर्णय से पूर्व सरकार ही चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करती थी और किसी भी अन्य संस्था या किसी कमेटी का कोई दखल नहीं होता था।

चुनाव आयोग में आयुक्तों की नियुक्ति कैसे हो इस संबंध में अनूप बरनवाल बनाम भारत सरकार में 02 मार्च 2023 को एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया। इस फैसले का सार था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक उच्च स्तरीय कमेटी की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा की जाना चाहिए। इसी निर्णय में यह भी कहा गया जब तक संसद इस संबंध में कानून बनाए तब तक के लिए कमेटी गठित की जिसमें प्रधान मंत्री, संसद में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश को रखा गया।

इस फैसले को प्रभावहीन करने के लिए 2023 में ही संसद ने कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार कमेटी गठित कर दी जिस में प्रधान मंत्री संसद में विपक्ष के नेता और प्रधान मंत्री द्वारा नामित एक मंत्री को रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आत्मा थी स्वतंत्र कमेटी का गठन जो इस कानून से समाप्त हो गई। कुल मिलाकर अब भी जिसे सरकार चाहे वही चुनाव आयुक्त नियुक्त होंगे। संसद में विपक्ष के नेता को इस कमेटी में रखना पूर्णतः महत्वहीन कर दिया गया है।

संसद के इस कानून को डाक्टर जया ठाकुर बनाम भारत सरकार, लोक प्रहरी बनाम भारत सरकार आदि ने चैलेंज किया हुआ है। वर्तमान में लम्बे अर्से से यह मामला, महज सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ के गठन के संबंध में पेंडिंग है। 2026 सितम्बर में भी चुनाव आयोग की वर्तमान आलोचनाओं के बाद कई नई रिट याचिकाएं भी दायर हुई है।

आओ अब एक अत्यंत गम्भीर प्रश्न पर विचार करें। हमारे संविधान के अनुसार संवैधानिक पदों पर बैठे राष्ट्रपति और राज्यपालों को अपराधिक मामलों और उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाहियों से उन्मुक्त रखा गया है अर्थात जब तक वे पद पर है उनके खिलाफ कोई अपराधिक मामला जारी नहीं रखा जा सकता और न कोई नया मामला शुरू किया जा सकता। यह उन्मुक्ति उनके पदासीन रहने तक है। गिरफ्तारी और कारावास से भी उन्मुक्ति है। यह प्रावधान संविधान की धारा 361(2) और 361(3) में उल्लेखित है। यह संवैधानिक हस्तियां उनके द्वारा किए गए कृत्यों के प्रति अदालतों में भी जवाबदेह नहीं है अर्थात भारत के राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपालों को उनके कार्यकाल के दौरान आपराधिक कृत्यों और कानूनी कार्यवाही से पूर्ण उन्मुक्ति प्राप्त है। यह प्रावधान संविधान की धारा 361(2) और 361(3) में उल्लेखित हैं।

यह भी की पद से हटने के बाद उनके खिलाफ सामान्य व्यक्ति की तरह चलाई जा सकती है। इसके अलावा संसद और विधान सभा सदस्यों को भी संसद में दिए भाषण व मतदान के लिए पूर्ण उन्मुक्ति है। अब जरा विचार करें कि चुनाव आयुक्तों को राष्ट्रपति, राज्यपालों से भी ज्यादा उन्मुक्ति का कोई जायज आधार है क्या?

केंद्र सरकार ने संसद के जरिए एक कानून बनवाया 2023 में (मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) अधिनियम 2023 और इसकी धारा 16 के अनुसार चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान लिए गए निर्णयों या किए गए कार्यों के संबंध में दीवानी और अपराधिक कार्यवाहियों से पूर्ण इम्युनिटी दी गई है अर्थात उनके विरुद्ध न तो कोई कार्यवाही शुरू की जा सकती, न चालू रखी जा सकती? पद छोड़ने के बाद भी उनके आधिकारिक निर्णयों कर्तव्यों के संबंध में यह प्रतिरक्षा दी हुई है। यह कानून सुप्रीमकोर्ट में चुनौतिधीन है।

अब यक्ष प्रश्न यह है कि सीईसी व अन्य चुनाव आयुक्तों को उपरोक्त प्रकार की उन्मुक्ति का विचार आया कहां से?? चुनाव आयोग के अंदर से, या केंद्र सरकार के विधि विभाग से या किसी अन्य व्यक्ति से?? इस प्रशन का उतर आए बिना, चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों को सही प्रकार से नहीं समझा जा सकेगा।

आइए, अब मुख्य बात पर विचार करे कि मतदान सूचियों के शुद्धि कारण के लिए ऐसी क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है जिसको लेकर इतना बवाल हो रहा है?

(1) निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने हटाने का अधिकार कानून के अनुसार केवल व केवल इलेक्ट्रॉल रजिस्ट्रेशन अधिकारी को है तो नाम जोड़ने और हटाने के काम पर अंतिम निर्णय आयोग के विभाग में कैसे केंद्रित हुआ??

कुछ जगहों से अनुरोध करते थे और उन द्वारा अनुशंसित नाम नहीं जुड़े या हटे नहीं।

(2) निर्वाचक नामावली में नाम जुड़वाने के फार्म 6 में बिना संसद के अनुमोदन के, निर्वाचक द्वारा नाम जुड़वाने के लिए या न हटाने के लिए, अतिरिक्त सूचनाएं प्रदान करने के लिए संलग्न/एनेक्सचर कैसे जुड़ा? इस से ज्यादा गम्भीर बात यह कि अब, आलोचनाओं के बाद इसे वापस क्यों ले लिया?? निर्वाचक नामावलियों को आदिनांक करने का काम लगातार होता रहा है। फिर लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी क्या है और कैसे लोग इस से त्रस्त है?? मोटामोटी इसको यो समझ सकते है:– एक राम सिंह के पिता का नाम मनी राम है। एनुम्रेटर या स्वयं राम सिंह या कोई भी मनी राम को यों लिख सकता है:– मनी राम, मनिराम, मणी राम आदी आदि। इसी प्रकार माने एक नाम महावीर तो इसे किसी की भी गलती से महाबीर लिखा जा सकता है। इस प्रकार की त्रुटियों की वजह से पुरानी निर्वाचक नामावलियों से नामों से मैपिंग नहीं होगी। इस कारण जो व्यक्ति वैध वोटर की अन्य सारी शर्तें पूरी करता है, उसका नाम हटाए जा सकते है या नहीं जोड़ा जा सकता है।

इसी प्रकार, जिस आधार निर्वाचक नामावली से मैपिंग की जानी है, उसके तैयार करने के समय बहुत से गरीब या दूसरे लोग भी रोटी मजदूरी के लिए, या अपने दूसरे कामों के लिए, अपने मूल निवास पर नहीं थे तो उनका नाम उस आधार निर्वाचक नामावली में नहीं होगा। इस से भी मैपिंग में उस व्यक्ति या उसके परिवार वालों को परेशानी होगी जो अपना नाम अब जुड़वाना चाहते है या यथावत रखना चाहते है।

मैपिंग के लिए एक आधार 15 व 55 साल की उम्र का रखा है। इस से परेशानियां खड़ी हुई है।50,60 साल से बड़ी उम्र वाले बहुत से लोग ऐसे होंगे जिनके पास उम्र का कोई लिखित प्रमाण नहीं या जब आधार नामावली बनी तब किसी भी प्रकार की त्रुटि से उम्र लिखवाने में त्रुटि हुई तो भी मैपिंग नहीं होगी।

मोटे रूप में, आम आदमी इसको यों समझ सकता है कि यदि आपके बैंक खाते आदि में और आपके आधार कार्ड की स्पेलिंग में अंतर है तो आप बैंक से कोई लेंन दें नहीं कर सकते या जिस भी अन्य दस्तावेज से जुड़ा है उसका उपयोग नहीं के सकेंगे।

उपर, मतदाता के सामने, मैपिंग से उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों को सबसे उचित, तीव्र समाधान स्थानीय स्तर पर केवल व केवल ही कर सकता है, का सॉफ्टवेयर नहीं।इस सॉफ्ट वेयर का आयोग में निर्वाचक नामावलियों से संबंधी दूसरे बहुत से कामों में उपयोग हो सकता है। यदि चुनाव आयोग नें राजनीतिक पार्टियों, इस बात पर काम करने वाले विभिन्न अन्य संगठनों को सुनकर उनकी आशंकाओं का उचित समाधान नहीं किया तो आयोग की प्रतिष्ठा को और बहुत बड़ा आघात लगेगा। हमारे लोकतंत्र के लिए यह अत्यंत ही अशुभ होगा।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 63 प्रभात जयपुर, शनिवार 3 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

यूक्रेन ने रूस की और ईरान ने अमेरिका की सैन्य शक्ति की सीमाएं उजागर कर दीं

रूस के शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए अपने जोशीले भाषण में पुतिन ने खुद माना कि यूक्रेन में रूस भारी परेशानी में फंस गया है

- एक तरफ यूक्रेन काबू में नहीं आ रहा है, उसने रूस में अंदरूनी क्षेत्रों तक हमले किए हैं, वहीं नाटो देश भी धमकी दे रहे हैं, रूस के तटवर्ती क्षेत्र कलिनिनग्राद को घेरने की।
- पुतिन ने अपने संबोधन में माना कि रूस के तेल क्षेत्रों व निर्यात ढांचों पर हमले से रूस की जीडीपी एक प्रतिशत तक घटी है और ब्लैक सी के बेड़े पर यूक्रेन के हमले से 100 जहाजों का नुकसान हुआ है। हालात ऐसे हैं कि इस युद्ध से रूस की अर्थव्यवस्था व आम जनता बुरी तरह त्रस्त है।
- हालांकि, रूस अभी भी यूक्रेन पर जोरदार हमले कर रहा है, लेकिन रूस की जनता युद्ध से त्रस्त हो चुकी है और यही हाल यूक्रेन का भी है, यूक्रेन की जनता और नेता सभी चाहते हैं कि अब युद्ध खत्म हो जाए।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। रूस स्पष्ट रूप से एक बेहद मुश्किल स्थिति में फंस गया है और खुद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए इसे स्वीकार किया है।

रूसी राष्ट्रपति ने एक बार फिर पश्चिम पर परमाणु हमले की अपनी परिचित धमकी दी। उन्होंने कहा कि यदि रूस के छोटे से अलग-थलग क्षेत्र कलिनिनग्राद पर हमला किया गया या पश्चिमी शक्तियों ने उसे चारों ओर से घेरकर उसकी नाकेबंदी करने की कोशिश की, तो रूस जवाब देगा। कलिनिनग्राद चारों ओर से नाटो के सदस्य देशों से घिरा है और इसके पश्चिम में बाल्टिक सागर है। नाटो ने हाल में बाल्टिक सागर में कुछ सैन्य अभ्यास भी किए हैं और कलिनिनग्राद एक तटीय क्षेत्र है।

कलिनिनग्राद के उत्तर में लिथुआनिया, दक्षिण में पोलैंड और पश्चिम में बाल्टिक सागर है। शिक्षाविदों को दिया गया पुतिन का भाषण पश्चिमी मीडिया में व्यापक रूप से प्रकाशित हुआ है। उनका भाषण बेहद जोशीला था, लेकिन जाने-अनजाने उनके भाषण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व हॉकी कप्तान परगट सिंह पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष बने

चंडीगढ़, 02 अक्टूबर। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब में संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान और विधायक परगट सिंह को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) का नया

- पद्मश्री से सम्मानित पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान जालंधर कैंट से विधायक हैं।

अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह लेंगे।

पद्मश्री से सम्मानित और खेल की दुनिया से राजनीति में आए परगट सिंह जालंधर कैंट से विधायक हैं और अपनी बेबाक छवि के लिए जाने जाते हैं। आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी समीकरणों को देखते हुए हाईकमान ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया है। माना जा रहा है कि उनके अध्यक्ष बनने से राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश आएगा और गुटबाजी से जूझ रही कांग्रेस को एक मजबूत और जमीनी नेता का नेतृत्व मिलेगा।

पंजाब में कांग्रेस की आंतरिक उठापटक के बीच अपनी ताकत बढ़ा रही है भाजपा

पंचकुला में भाजपा की दो दिवसीय मीटिंग में पार्टी ने 13 दिवसीय नशा मुक्त पंजाब यात्रा की समीक्षा की। पार्टी ने नशा मुक्त पंजाब को ही अपनी थीम बनाया है

- इसी बीच नशा मुक्त पंजाब यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अमित शाह ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ से बात की, जिससे अटकलें लग रही हैं कि पार्टी उन्हें चुनाव से पहले बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है।
- कांग्रेस में भारी उठापटक जारी है। प्रदेश अध्यक्ष वड़िंग ने आनन-फानन में इस्तीफा दे दिया है और कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया है, क्योंकि पार्टी ने उन्हें हटाने की तैयारी कर ली थी।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। पंजाब में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी मुकाबला शुक्रवार को और तेज हो गया। कांग्रेस को अपने प्रदेश संगठन के शीर्ष स्तर पर खुले आम मतभेद झेलना पड़ा, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रचार अभियान की तैयारियों को लेकर दो दिवसीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक पूरी की।

करीब साढ़े चार साल तक पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नेतृत्व करने वाले अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा राहुल गांधी को सौंप दिया। इसके बाद उन्होंने नवनियुक्त एआईसीसी पंजाब प्रभारी सचिन पायलट की ओर इशारा किया। वड़िंग ने कहा कि उन्हें राजनीति का लंबा अनुभव है, इस आधार पर उन्हें लगा कि पायलट ने तय कर लिया था कि अब उन्हें पद से हटाने का समय आ गया है। वड़िग ने स्वीकार किया कि उनके पास इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है, लेकिन बदलाव के पीछे कोई दूसरा विशिष्ट मुद्दा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि पायलट की नियुक्ति के बाद बधाई देने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैंने जियो हॉटस्टार के वाइस चेयरमैन उदय शंकर को फोन कर काम मांगा था'

भाजपा नेता और एक्टर स्मृति ईरानी ने बताया कि 2024 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद बेरोजगार होने पर उन्होंने टीवी पर लौटने का फैसला किया था

- स्मृति ईरानी ने कहा, मेरे फोन से उदय शंकर हैरान थे, लेकिन मेरे लिए काम मांगना कदापि अटपटा या शर्मिंदगी भरा कदम नहीं था।
- इसके बाद स्मृति ईरानी ने ''क्योंकि सास भी कभी बहू थी'' के दूसरे सीज़न से ''तुलसी'' के किरदार में वापसी की, इसी रोल ने उन्हें देश भर में प्रसिद्धि और राजनीति में पहचान दिलाई थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। अभिनेत्री स्मृति ईरानी ने बताया कि 2024 में अमेठी से चुनाव हारने के बाद उन्होंने काम मांगने के लिए उदय शंकर को फोन किया था। इस बातचीत के बाद उनके टीवी पर लौटने का रास्ता बना। उन्होंने अपने करियर की नई शुरुआत करने और टीवी सैट पर काम करने की ज़रूरतों के अनुसार खुद को ढालने के बारे में भी बात की।

अभिनेत्री और राजनेता स्मृति ईरानी ने अपने करियर के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। राजनीति में कई साल बिताने के बाद उन्होंने दोबारा काम मांगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से हारने के बाद पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने मनोरंजन की दुनिया में लौटने का फैसला किया। किसी ऑफर का इंतजार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी व शास्त्री को पुष्पांजलि दी

जयपुर, 2 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सचिवालय परिसर में आयोजित राम

- सचिवालय परिसर में मुख्यमंत्री ने ''रामधुन कार्यक्रम'' में भजन सुने।

धुन कार्यक्रम में ''वैष्णव जन तो तेने कहिये'' और ''रघुपति राघव राजा राम'' सहित अन्य भजनों का श्रवण किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जेएलएन मार्ग स्थित गांधी सर्किल पर राष्ट्रिपता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान स्कूलों की छात्राओं ने राम धुन की प्रस्तुति दी।

'हमले के दौरान मैं हनुमान चालीसा पढ़ रहा था'

फ्लाई दुबई के पायलट स्मित मच्छार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताया कि संकट के समय वे हनुमान चालीसा पढ़ते हैं

- दुबई के अस्पताल में भर्ती गंभीर रूप से घायल स्मित मच्छार से प्र.मंत्री ने फोन पर बात की और उनके साहस की प्रशंसा की।
- स्मित मच्छार प्र.मंत्री से बात करते हुए भावुक हो गए और बोले आप मेरे सबसे बड़े आदर्श हैं, आपने मुझे फोन करके मेरी हिम्मत बढ़ाई, उस पर मैं बेहद गर्व महसूस कर रहा हूँ।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। कैप्टन स्मित मच्छार, जिन पर फ्लाई दुबई एयर लाइन्स की दुबई-तेल अवीव उड़ान में उनके ओमानी सह-पायलट ने चाकू से हमला किया था, ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वीडियो कॉल पर बातचीत की और बताया कि वे उस भयावह घटना के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। हमले को याद करते हुए बहादुर पायलट ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्हें एहसास हो गया था कि उन्हें उठना है और एक्शन लेना है, वरना उनकी जान चली जाती।

शुक्रवार को हुई बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पायलट के साहस, सूझबूझ और संयम की सराहना की और कहा कि पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा है।

बुधवार को हमले के दौरान 39 वर्षीय पायलट गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद हमलावर से भिड़ गए और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल रहे। इससे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को हस्तक्षेप करने का मौका मिला और एक बड़ी त्रासदी टल गई।

सैकड़ों लोगों की जान बचाने में मदद करने वाले उनके साहसिक प्रयासों के लिए देश और विदेश में उनकी प्रशंसा की जा रही है।

मच्छार का फिलहाल युनाईटेड अरब एमीरेट्स (यूएई) में इलाज चल रहा है। घटना के बाद 174 यात्रियों और आठ चालक दल के सदस्यों को लेकर उड़ान सऊदी अरब के तबुक में उतरी थी, जहां उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक दिन बाद उन्हें यूएई ले जाया गया।

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान वह भावुक हो गए और कहा कि यह उनके लिए बेहद खास क्षण था।

प्रधानमंत्री मोदी से उन्होंने कहा, ''आप मेरे सबसे बड़े आदर्श हैं और मुझे बहुत, बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि आपने इस तरह फोन करके मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे इतनी चोटें लगी थीं, लेकिन मैंने खुद से कहा कि मुझे उठकर एक्शन लेना होगा। उस समय मैं अपनी ज़िंदगी के लिए लड़ रहा था। मैं गिर गया था, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं नहीं उठा तो मैं मर जाऊंगा।''

उन्होंने कहा, ''मैं 17 साल से अधिक समय से विमान उड़ा रहा हूं और पिछले 11 वर्षों से कैप्टन हूं, इसलिए आंखें बंद होने के बावजूद मैं समझ सकता था कि विमान में क्या हो रहा है। मुझे पता था कि मुझे आखिरी कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने हाई कोर्ट में केविएट दायर किया

जयपुर, 2 अक्टूबर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में हैड कांस्टेबल से सीआई पद तक की पदोन्नितयों से जुड़े मामले में हाईकोर्ट के 30 सितंबर के फैसले के बाद राज्य सरकार ने खंडपीठ में केविएट दायर की है। केविएट में कहा है कि यदि इस मामले में हाईकोर्ट

- हैड कांस्टेबल से सी आई पद तक की पदोन्नतियों के संदर्भ में केविएट लगाई गई।

की एकलपीठ के आदेश को किसी भी व्यक्ति की ओर से चुनौती दी जाए तो उसमें कोई भी आदेश देने से पहले राज्य सरकार का भी पक्ष सुना जाए।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में कई सालों से अटकी हुई हैड कांस्टेबल से सीआई तक के पद पर होने वाली पदोन्नितयों का रास्ता साफ करते हुए इन पर लगी रोक हटा दी थी। वहीं पदोन्नित प्रक्रिया को चुनौती देने वाली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली पुलिस ने 1100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को डिटेन किया

ये गिरफ्तारियाँ एसआईआर के कथित फर्ज़ीवाड़े के खिलाफ चीफ इलैक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में की गई है

- गिरफ्तार होने वालों में भारी तादाद जैनरेशन ज़ी के युवाओं व छात्र नेताओं की है।
- माकपा की वरिष्ठ नेता बृंदा करात, आप पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, आतिशी, एनएसयूआई के विनोद जाखड़ डिटेन किए जाने वाले प्रदर्शनकारियों में शामिल हैं।
- प्रदर्शन स्थल व उसके आस-पास के क्षेत्रों में इंटरनैट सेवाएं भी बंद कर दी गईं।
- छात्र संगठन आइसा के कार्यकर्ताओं ने लड़कियों पर बल प्रयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 1100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इनमें सी पी आई (एम) नेता बृन्दा करात, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज, संजीव झा और आतिशी के साथ-साथ, कुछ छात्र संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल थे।

राजनीतिक दलों और आइसा, एसएफआई, एनएसयूआई तथा अन्य छात्र संगठनों के सदस्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे मतदाता सूची के स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और बडी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने का विरोध कर रहे हैं।

भारद्वाज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद, उन्हें और झा को हिरासत में लिया गया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आंदोलन जारी रखने और जंतर-मंतर पहुंचने की अपील की।

पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि एसएफआई के करीब 700 लोगों ने जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश की। उन्हें अशोक रोड गोलचक्कर के पास रोक दिया गया और उनमें से बहुत से लोगों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आम आदमी पार्टी के नेताओं, आइसा, एसएफआई और अन्य छात्र संगठनों के सदस्यों सहित करीब 700 प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर और उसके आसपास से हिरासत में लिया गया।

प्रदर्शन स्थल और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं।

एसएफआई की महासचिव आइशी घोष ने कहा कि डीवाईएफआई और एसएफआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

घोष ने कहा, दिल्ली पुलिस राजधानी में अपराधों को रोक नहीं पा रही है, लेकिन जब ज्ञानेश कुमार जैसे किसी व्यक्ति की सुरक्षा की बात आती है, तो वे सड़कों पर उतर आते हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह लोकतंत्र नहीं है। अगर पुलिस को लगता है कि हमें हिरासत में लेकर वे आंदोलन रोक सकते हैं, तो हम उन्हें बताना चाहते हैं कि यह तो सिर्फ शुरुआत है।

''आइसा'' के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि हिरासत में लेने के दौरान, पुलिस ने महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया।

जंतर-मंतर के पास हिरासत में लिए जा रहे संगठन के एक सदस्य ने कहा, आप चाहे जितना लाठीचार्ज करें या हममें से चाहे जितने लोगों को जेल में डालें, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा।

''सीपीआई (एमएल) लिबरेशन'' से जुड़े इस छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई का उद्देश्य लोगों को चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाने से रोकना था।

एनएसयूआई के अनेक कार्यकर्ताओं को भी प्रदर्शन स्थल से हिरासत में लिया गया। इनमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी शामिल थे।

जाखड़ को, संगठन के कार्यालय से जंतर-मंतर की ओर निकाले गए पैदल मार्च के दौरान हिरासत में लिया गया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि एनएसयूआई के बहुत से कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया और मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई।

जाखड़ ने लिखा, जनता के वोट की आवाज को किसी भी ताकत के बल पर दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि संगठन का लोकतंत्र के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शनकारियों को फिरोज़ शाह रोड पर बैरिकेड पार करते हुए भी देखा गया।

एक वीडियो संदेश में भारद्वाज ने कहा कि पुलिस ने उन्हें बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व के सबसे ऊंचे ब्रिज पर 100 किमी स्पीड से ट्रेन दौड़ी

जम्मू, 02 अक्टूबर। भारतीय रेल ने आज एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रेलवे ने 1178 फीट की ऊंचाई पर स्थित विश्व के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज पर वंदे भारत एक्सप्रेस को 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफलतापूर्वक क्रॉस कराया। इतना ही नहीं, वंदे भारत एक्सप्रेस ने अंजी ब्रिज को

- भारतीय रेल ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

भी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से क्रॉस किया। ये भारतीय रेल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इस पर एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा, ''भारत के इंजीनियरिंग गौरव पर 100 किमी/घंटा की रफ्तार।'' रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय रेल ने उत्तर रेलवे जोन के कटरा-बनिहाल सेक्शन पर ट्रेनों की स्पीड 100 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाई गई। उन्होंने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ने चिनाब और अंजी ब्रिज को 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड स पार किया।

गांधीजी-शास्त्री जी को पुष्पाजंलि

पावटा। राष्ट्रिपता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बुधवार को पावटा स्थित कांठोस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांठोस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर पीसीसी सचिव जगदीश मीणा, नगरपालिका चेयरमैन मीना सैनी, वाइस चेयरमैन सोमवती मीणा, जिला कांग्रेस महासचिव अजय सैनी, जिला कांग्रस कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र गोयल, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश शर्मा, पार्षद रिजवान कुरैशी, रिंकू कांसोटिया, बी.एल. आर्य, राजकुमार सोनी, मक्खन आर्य, अशोक सैनी सहित कांठोस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सद्भाव के विचारों तथा लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि दोनों महापुरुषों के आदर्श आज भी समाज और देश को सही दिशा देने में प्रेरणास्त्रोत हैं।

बहड़ के पत्थर खनन क्षेत्र में सेल्फी लेने के दौरान पानी में डूबा किशोर, मौत

निवाई। बरौनी थाना क्षेत्र के गांव बहड़ में गुरूवार की शाम करीब 6:30 बजे पत्थर खनन क्षेत्र में सेल्फी लेने के दौरान एक किशोर असंतुलित होकर खदान में गिर गया। जिसकी गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

बरोनी थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि विशाल चावला (18) पुत्र लालाराम खटीक निवासी माताजी रोड शिवाड़ अपने दोस्तों के साथ गांव बहड़ में घूमने आया था। जो पत्थर खनन क्षेत्र में सेल्फी लेने के दौरान असंतुलित होकर खदान में गिर गया। जिसकी गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। उसके साथियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर बरौनी थाना पुलिस मय जाप्ते के मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ व एनडीआरएफ टीम को घटना की सूचना दी। खनन क्षेत्र में देर शाम अंधेरा अधिक होने से रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं हो सका। शुक्रवार को सुबह करीब 7:30 बजे पुलिस ने ठाामीणों की मदद से किशोर के शव को

बरौनी थाना क्षेत्र के गांव बहड़ में पत्थर खनन क्षेत्र में सेल्फी लेने के दौरान किशोर की असंतुलित होकर खदान में गिरने से मौत हो गई।

पानी में से बाहर निकाला। इस दौरान ठाामीणों ने अवैध खनन को बंद करने, खान क्षेत्र व चरागाह में हो रहे गहरे गढडों के चारों ओर तारबंदी करके रास्तों को बंद करने एवं मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलवाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिसकी सूचना पर तहसीलदार सृष्टि जैन ने घटनास्थल पर पहुँचकर मृतक के परिजनों एवं ठाामीणों की मांगे सुनीं एवं समझाइश की। उन्होंने ठाामीणों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध करवाने एवं घटनास्थल पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करवाने, अवैध खनन क्षेत्र के चारों ओर तारबंदी करवाने एवं खनन स्थल की ओर जाने वाले

- ग्रामीणों का मांगों को लेकर विरोध ,तहसीलदार के आश्वासन पर शांतिपूर्ण निपटा मामला

रास्तों को रोकने, अवैध खनन की जांच करवाकर दोषी पाए जाने वाले संबंधित कार्मिकों एवं अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। जिस पर ठाामीणों एवं प्रशासन में 4 घंटे के बाद करीब दोपहर 12 बजे सहमति बनी। जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उप जिला अस्पताल निवाई में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार ओमप्रकाश जाटव व पटवारी रामेश मीणा सहित कई कर्मचारी व पुलिस के जवान मौजूद थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम का पूर्व सरपंच से संवाद

टोंक। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राजस्थान के बेस्ट सरपंच अवॉर्ड से सम्मानित जिले की आवां पंचायत के प्रशासक (पूर्व सरपंच) दिव्यांश एम भारद्वाज से संवाद किया। भारद्वाज अजमेर संभाग से एक मात्र सरपंच हैं जिनसे मुख्यमंत्री ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की। इस दौरान जिला परिषद के सभागार में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पंचायती राज जन प्रतिनिधि सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम में निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, टोंक कलेक्टर टीना डाबी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार मीणा,अतिरिक्त कलक्टर विनोद कुमार मीना, कई सरपंच और जनप्रतिनिधि मौजूद थे । मुख्यमंत्री ने दिव्यांश से पूछा कि बालिका शिक्षा के लिए क्या काम किया ? भारद्वाज ने कहा कि छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग वातानुकूलित लाइब्रेरी बनाई, जिसमें पढ़कर दो छात्र-छात्राएं आरएएस बने। बच्चों की हौसला अफजाई के लिए हर वर्ष प्रगति की उडान योजना में टॉपर बच्चो को किसी पर्यटक स्थल की निशुल्क हवाई यात्रा करवाई जाती है।

सार-समाचार

दूदू में कांग्रेस के स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विवाद

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय के मोजमाबाद रोड स्थित एक निजी गार्डन में गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जन्मदिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डोटासरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी पंचायत राज चुनाव को लेकर एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया। डोटासरा ने कहा कि जिस प्रकार नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को पराजित किया है, उसी प्रकार आगामी पंचायत राज चुनाव में भी कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का काम करें। उन्होंने भाजपा सरकार के कार्यकाल को लेकर विभिन्न मुद्दों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने वाली पार्टी बताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत राज चुनाव में पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरने तथा पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बात कही। इससे पूर्व डोटासरा के जयपुर से नागौर जाने के दौरान दूदू पुलिया के नीचे कांठोस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत के दौरान कांठोस के दो गुटों के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद की स्थिति भी बनी। इसके बाद डोटासरा को कार्यक्रम स्थल निजी गार्डन तक ले जाया गया। कार्यक्रम स्थल पर मंच साझा करने को लेकर कांठोस के दो गुटों के बीच हंगामा हुआ। प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने हस्तक्षेप कर कार्यकर्ताओं को शांत कराया और कार्यक्रम को आगे शुरू करवाया। कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली तथा पूर्व मंत्री एवं विधायक बाबूलाल नागर ने भी संबोधित किया। दोनों नेताओं ने आगामी पंचायत राज चुनाव में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी के लिए कार्य करने का आव्हान किया । कार्यक्रम में दूदू-फागी विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित पार्षद, नगर पालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा आगामी पंचायत राज चुनाव में टिकट की दौड़ में शामिल कई संभावित उम्मीदवार मौजूद रहे।

155 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति किट

दौसा (निसं.)। भांकरी रोड स्थित कैप्टन छुट्टनलाल मीणा टाउन हॉल में शुक्रवार को रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम राज्य स्तरीय कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ा हुआ था। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों में नवनियुक्त 155 कार्मिकों को नियुक्ति किट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित नवनियुक्त कार्मिकों एवं युवाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का प्रेरणादायी उद्बोधन सुना और संवाद कार्यक्रम देखा। इस दौरान युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त कार्मिकों ने नई जिम्मेदारी मिलने पर अपनी खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर युवाओं से अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए समाज और प्रदेश के विकास में योगदान देने का आव्हान किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद सिंह, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार, रोजगार विभाग के सहायक निदेशक श्याम सुंदर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं नवनियुक्त कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वीप प्रभारी डॉ. रामवीर चौधरी ने किया

136 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली । निकटवर्ती सरुण्ड थाना पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ अपनी लगातार जारी प्रभावी कार्यवाही के तहत एक बडी सफलता हांसिल की है। पुलिस ने महात्मा गांधी जयंती (शुष्क दिवस) पर अवैध रूप से शराब बेचने की फिराक में खड़े आरोपी सुमेर (38) पुत्र रमेश यादव निवासी खुरदिया, थाना पाटन को 136 पव्वे देशी सादा मदिरा घुंघरू शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर नारेहड़ा शराब ठेके के पास संदिग्ध शख्स को तिरपाल के नीचे प्लास्टिक के कट्टे में कुछ सामान छुपाकर खड़े पाये जाने पर उसने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद टीम ने उसे घेरकर दबोच लिया। पुलिस टीम द्वारा जब उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे की विधिवत तलाशी ली गई, तो उसमें से 136 पव्वे देशी सादा मदिरा घुंघरू शराब बरामद हुई। शुष्क दिवस पर इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब रखने के संबंध में आरोपी कोई वैध लाईसेंस या दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने पूरी खेप को जप्त कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि शुष्क दिवस के दिन इतनी भारी मात्रा में अवैध शराब कहाँ से लाई गई थी और इसे कहाँ सप्लाई किया जाना था। मामले में अनुसंधान जारी है।

खैरथल में 34 नवनियुक्तों को मिला नियुक्ति पत्र

खैरथल। राज्य स्तरीय रोजगार उत्सव के तहत शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संबोधन को सुना गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों में नवनियुक्त 34 कार्मिकों को मुख्यमंत्री का संदेश पत्र एवं वेलकम किट प्रदान कर स्वागत किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने नवनियुक्तों को बधाई देते हुए कहा कि सरकारी सेवा जनसेवा का अवसर है। पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता से दायित्व निभाएं। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऐश्वर्यम प्रजापति, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट सहित अधिकारी मौजूद रहे।

जन्मशताब्दी महोत्सव मनाया

राजगढ़ । अखिल विश्व गायत्री परिवार की वंदनीय माता भगवती देवी के जन्मशताब्दी महोत्सव पर माचाडी रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ, राजगढ में नई पीढ़ी नई दिशा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बेहतर संस्कारों का निर्माण एवं नशा मुक्ति के साथ अन्य प्रेरणादाई संदेश दिए। कार्यक्रम में जय दुर्गा स्कूल, भारती विद्यापीठ, एस.डी. स्कूल, श्रुति विद्यापीठ, केदारनाथ धामनी, लक्ष्मी बाल विद्या मंदिर, राव एजुकेशन एकेडमी, एम आई स्कूल , ब्राइट फ्यूचर सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यशाला में विद्यार्थियों को संस्कार, व्यक्तित्व निर्माण, स्वास्थ्य, अनुशासन, नशामुक्ति एवं आध्यात्मिक जीवन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। डॉ. वैशाली गुप्ता ने विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र के महत्व एवं उसके आध्यात्मिक तथा सकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी दी । चेल्सी खंडेलवाल ने शरीर भगवान का मंदिर है विषय पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं उचित वेशभूषा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमारी वेशभूषा और व्यक्तित्व हमारे संस्कारों एवं सोच की भी पहचान कराते हैं। मदन निर्वाण ने संस्कारों के महत्व पर प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए कहा कि बाल्यावस्था में मिले अच्छे संस्कार जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। वहीं अलवर से आए मुकेश ने गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री परिवार की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। सतीश बड़ाया ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए नशामुक्त जीवन के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर अलवर से आए चरण सिंह, ज्ञानेंद्र, दिनेश जी, राधारमण जी, राजेंद्र सेठी राज जी शर्मा, हेमराज जी शर्मा, नवल जी सहित गायत्री परिवार के अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्याऊ व वाटर कूलर का लोकार्पण

मनोहरपुर । ग्राम भावपुरा (नाडा की ढाणी) में गुलाबचन्द मीणा, पुत्र लालूराम मीणा की पुण्य स्मृति में निर्मित प्याऊ एवं वाटर कूलर का लोकार्पण शुक्रवार को गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने फीता काटकर प्याऊ एवं वाटर कूलर का लोकार्पण किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री केसर लाल मीणा, सदस्य राजस्व मंडल, अजमेर, अध्यक्ष एवं प्रेरणा स्त्रोत डॉ. हर सहाय मीणा, कार्यकारी निदेशक, आरएफसी, जयपुर तथा विशिष्ट अतिथि सुमन मीणा, वर्तमान पंचायत समिति सदस्य एवं पूर्व सरपंच, मनोता (जमवारामगढ) रहे।

सार-समाचार

विद्यार्थियों ने दिया 'सेवा मेरा योगदान' का संदेश

चौमूं / कालाडेरा । कालाडेरा कस्बे में स्थित सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में विकसित भारत जन सेवा अभियान, रोवर-रेंजर्स, एनसीसी, एनएसएस एवं गांधी अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तथा विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर मीरा सिंह की अगुवाई एवं अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर मीरा सिंह सहित संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर मीरा सिंह ने कहा कि गांधी और शास्त्री का जीवन सेवा, सादगी, सत्य, अनुशासन और राष्ट्रिनष्ठा का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती को केवल स्मरण का दिवस बनाने के बजाय सेवा, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना ही महापुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। विद्यार्थी अपने छोटे-छोटे प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव रख सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सेवा को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने का आ ान किया। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर ज्योति अरूण ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों महापुरुषों ने अपने आचरण से देश को सत्य, अहिंसा, सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके विचारों को व्यवहार में उतारने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं सेवा अभियान चलाया गया। संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने श्रमदान करते हुए परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने में सहभागिता निभाई। इस दौरान सेवा, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में एनसीसी, रोवर-रेंजर्स एवं एनएसएस के विद्यार्थी डॉ. सुरेंद्र मीणा, डॉ. अनीता ज्याणी एवं डॉ. राजेन्द्र गौलाडा के नेतृत्व में भवानी निकेतन, जयपुर में आयोजित 'सपनों की उड़ान-सशक्त युवा संवाद' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बस से रवाना हुए। विद्यार्थियों ने इस युवा संवाद को अपने व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर बताया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मानप्रकाश मीणा, डॉ. बीसी जाट, डॉ. नीतू यादव, डॉ. चित्रा व्यास, डॉ. सुरेश जाट, डॉ. रणजीत जगरिया, डॉ. ममता गंगवाल, सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्यामसुंदर एवं परशुराम शर्मा सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार ने गांधी और शास्त्री के योगदान को नमन करते हुए 2 अक्टूबर के इस अवसर को सेवा, स्वच्छता, सामाजिक सरोकार और युवा सहभागिता के नाम समर्पित किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ. शिखा पाटनी ने किया।

सरपंच ही गांव की उम्मीद का पहला केंद्र

खैरथल । राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के ठााम स्वराज के सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश के पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। गांधी जयंती के मौके पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से खैरथल-तिजारा जिले के जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े और मुख्यमंत्री का विकास का रोडमैप सुना जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, पवन यादव सहित पंचायतीराज विभाग के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों से सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया । अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गांव के व्यक्ति की समस्या और उसकी उम्मीद का पहला केंद्र सरपंच होता है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सबसे छोटी, लेकिन सबसे मजबूत इकाई है। गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है। अपने सरपंच कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों को सेवा भावना से काम करने के लिए प्रेरित किया और कहा गांव मजबूत होंगे तो राजस्थान मजबूत होगा। ठााम पंचायतों में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी से विकास कार्यों को और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं, किसानों, महिलाओं, गरीब एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना, ग्रामीण आवास, सड़कों, पेयजल, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया और वन स्टेट वन इलेक्शन के संकल्प की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी।

पेंशनरों की विभिन्न समस्याएं उठाई

सांभरझील, (निसं)। राजस्थान पेंशनर समाज की त्रैमासिक बैठक शुक्रवार को कोष कार्यालय में जिला अध्यक्ष डॉ. नंदलाल भारद्वाज की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिले की विभिन्न उप शाखाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पेंशनरों की समस्याएं उठाई तथा उनके शीघ्र समाधान की मांग की। पदाधिकारियों ने समस्याओं से संबंधित ज्ञापन जिला अध्यक्ष को सौंपा। डॉ. भारद्वाज ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि अधिकांश पेंशन संबंधी समस्याओं का समाधान अब ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने प्राप्त प्रकरणों को जिला महामंत्री डॉ. ज्ञानप्रकाश दायमा को सौंपते हुए संबंधित विभागों और पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला स्तरीय वार्षिक अधिवेशन सांभर, फुलेरा और नारायणा उप शाखाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिला महामंत्री डॉ. ज्ञान प्रकाश दायमा ने पिछली बैठक की कार्यवाही और प्रस्ताव पढ्रकर सुनाए। बस्सी के अध्यक्ष मिठ्ठनलाल शर्मा, चाकसू के अध्यक्ष महावीर प्रसाद गुप्ता और बगरू के नवल किशोर लोखंडा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार रखे।

महात्मा गांधी जयंती पर स्कूल, पार्क में रामधुन गूंजी

पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य अहिंसा का मार्ग पूरे विश्व को दिखलाया

टोंक। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती और विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिलेभर में उनके प्रिय भजन, रामधुन एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इनमें भाग लिया। जिला मुख्यालय के गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। इसी क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला मुख्यालय स्थित गांधी पार्क में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, वहीं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए सर्व धर्म प्रार्थना सभा रामधुनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने देश के दोनों महान सपूतों को नमन करते हुए कहा कि महात्मा गांधी सत्य अहिंसा का मार्ग पूरी विश्व को दिखलाया तथा उन्होंने छुआछूत, असमानता और समाज की अन्य बुराइयों के खिलाफ लडाई लडी और स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद कुमार मीना, नगर परिषद सभापति मंयक गोयल, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट समेत जिला कांग्रेस कमेठी से जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान, उपसभापति फरजाना सईद, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, अकबर खान, सुनील बंसल, विकास विजयवर्गीय, इम्तियाज़ खान, पार्षद कल्याण महावर, फरीदा बी, अशोक महावर, सरपंच शंकर कच्छावा, रामदयाल गुनावत आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित की है। इसी प्रकार भाजपा पार्टी से पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सद्भाव के संदेशों को स्मरण किया गया।

गांधी जयंती पर गूंजा सत्य, अहिंसा का संदेश

पावटा। राजकीय महाविद्यालय पावटा में शुक्रवार को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य रजनीश कुमार ने की। प्राचार्य रजनीश कुमार ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, सत्याठाह एवं स्वच्छता के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आव्हान किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री के सरल जीवन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं देशभक्ति को याद करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के बाद प्राचार्य, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की। इस अवसर पर राजेंद्र वर्मा, चतुर्भुज यादव, डॉ. मोईन खान, डॉ. शिवशंकर सैन, डॉ. अशोक यादव, बाबूलाल मीणा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सांभर साल्ट्स में निविदा प्रक्रिया का विरोध

सांभरझील (निसं)। सांभर साल्ट लिमिटेड व हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड की तरफ से बाह्य ठेकेदारों हेतु नई निविदा प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने का विरोध करते हुए निविदा प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने तथा स्थापित परिपाटी के अनुसार केवल वर्तमान पेन वर्कर्स एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ही आवंटन किए जाने हेतु विधिक अभ्यावेदन सचिव,भारी उद्योग व सार्वजनिक उपक्रम के नई दिल्ली स्थित कार्यालय सहित अनेक अधिकारियों को प्रस्तुत किया गया है। सांभर साल्ट्स कर्मचारी संघ ने इस मामले में खड़ा विरोध करते हुए सीएमडी के जयपुर स्थित हेड ऑफिस वह स्थानीय अधिकारियों को भी इसकी प्रति भिजवाकर इस पर गंभीरता से विचार कर निर्णय लिए जाने की आवाज उठाई गई है। मांग रखी गई है कि स्थापित परिपाटी के अनुसार केवल वर्तमान पेन वर्कर्स एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ही आवंटन किए जाने हेतु विधिक प्रकिया अपनाई।

सीएम ने युवाओं से संवाद कर 143 कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सौंपे

भरतपुर (निसं)। विकसित भारत जनसेवा अभियान के तहत सपनों की उड़ान-सशक्त युवा संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश भर के 4091 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान कर संवाद किया। कलक्ट्रेट सभागार में वीसी के माध्यम से आयोजित लाइव समारोह में जिले में नव नियुक्त कार्मिकों ने भाग लेकर मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना तथा नियुक्ति पत्र प्राप्त किए। इस अवसर पर जिले के 143 कार्मिकों को नियुक्ति पत्र किट प्रदान किए गए। नियुक्ति पाने वालों में चिकित्सा विभाग, आयुर्वेद, उच्च शिखा, पशुपालन, राजस्व, कौशल विकास, यूनानी चिकित्सा विभाग, आयोजना विभाग एवं प्रशासनिक विभाग के कार्मिक शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए 2029 तक देश को नशामुक्त करने की शपथ दिलाई । इस अवसर अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, संयुक्त निदेशक पशुपालन डॉ. मनोज

विकसित भारत जनसेवा अभियान के तहत सीएम ने 4091 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

कुमार, उप निदेशक डॉ. मनीष शर्मा, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा सहित विभिन्न विभागों के अधिकरी एवं जनप्रतिनिधि उपथित रहे। इसके अलावा सेवा संकल्प अभियान-जनसेवा ही प्रभु सेवा के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को आयोजित समारोह में पंचायतीराज जनप्रतिनिधि सम्मेलन में संवाद कर ग्राम प्रशासकों से विकास कार्यों एवं किए गए नवाचारों के बारे में जानकारी ली।

दौसा में महात्मा गांधी व शास्त्री जयंती पर प्रभात फेरी निकाली

लोक कलाकारों ने रामधुनी सहित 'हर मजहब जिसको प्यारा, वो इंसान चाहिए, 'राम है तू, रहीम है..सहित विभिन्न भजनों की प्रस्तुति दी

दौसा (निसं.)। राष्ट्रिपता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित गांधी सर्किल पर प्रभात फेरी, रामधुनी एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, धर्मगुरुओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन ने सहभागिता कर गांधीजी एवं शास्त्रीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा, पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित एवं नगर परिषद सभापति रेखा गुर्जर ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सूत की माला पहनाई तथा गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत पीजी कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों से विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी से हुई। प्रभात फेरी गांधी सर्किल पहुंची, जहां विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कला जत्था टीम एवं लोक कलाकारों ने 'हर मजहब जिसको प्यारा, वो इंसान

दौसा में गांधी की प्रतिमा पर जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, नगर परिषद सभापति रेखा गुर्जर ने पुष्पांजलि अर्पित की।

चाहिए.', 'राम है तू, रहीम है.' सहित विभिन्न भजनों एवं रामधुनी की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु भी उपस्थित रहे। धर्मगुरुओं ने अपने उद्बोधन में आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए कहा कि प्राणी मात्र के प्रति दया, समाज के कल्याण तथा एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव सभी में होना चाहिए। जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी के मूलमंत्र को जीवन में उतारने का आव्हान किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी संजू मीणा, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी रामराज मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

प्रॉपर्टी-यूएसडीटी में भारी मुनाफे का झांसा देकर 100 करोड़ रु. ठगने वाले गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 1.25 करोड़ रु. की मर्सिडीज और ट्रायम्फ बाइक जब्त

जयपुर (कासं)। राजधानी में प्रॉपर्टी और क्रिप्टोकरेंसी-यूएसडीटी में निवेश के नाम पर भारी मुनाफे का झांसा देकर करीब 100 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का सोडाला थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में 2000-2000 रुपए के इनामी मुख्य आरोपी मोहित कालोया (27) और उसके रिश्तेदार सहयोगी घनश्याम कांदेल उर्फ कर्डेल (35) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की रकम से खरीदी गई करीब 1.25 करोड़ रुपए कीमत की मर्सिडीज कार और ट्रायम्फ स्ट्रीट ट्रिपल बाइक जब्त की है। आरोपियों की 1 करोड़ रुपए की बैंक एफडी फ्रीज कराई गई है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा ने बताया कि परिवादी ऋषि मेहता ने सोडाला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मेसर्स ईजी वे होम्स कंपनी संचालित करने वाले मोहित कालोया और घनश्याम कांदेल ने प्रॉपर्टी और क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश करवाने तथा कम समय में मोटा मुनाफा देने का झांसा दिया। आरोपियों ने परिवादी से चेक के जरिए 1 करोड़ 55 लाख रुपए और 4 करोड़ रुपए नकद लिए। भुगतान का समय 1 जनवरी 2026 को आने पर दोनों आरोपियों ने मोबाइल बंद कर दिए और फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जयपुर पुलिस ने 100 करोड़ रुपए की ठगी के आरोपियों को गिरफ्तार कर लग्जरी कार जब्त की।

- **पुलिस ने बदमाशों के बैंक खाते में पड़ी एक करोड़ रुपए की एफ.डी. फ्रीज करवाई**

गुड़गांव से मुख्य आरोपी गिरफ्तार

इस मामले की जांच के लिए एसीपी जेठू सिंह के नेतृत्व में थानाधिकारी मनोज बेरवाल, एसआई जयकुमार, एएसआई महादेव प्रसाद तथा कांस्टेबल इरफान और जयपाल की टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से मुख्य आरोपी मोहित कालोया को गुड़गांव से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सह-आरोपी घनश्याम कांदेल को चितवाड़ी, सामोद से गिरफ्तार किया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने फर्जी डिजिटल कॉइन/क्रिप्टो वेबसाइटें बना रखी थीं। इन वेबसाइटों के जरिए लोगों को डिजिटल कॉइन और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने पर भारी रिटर्न का लालच दिया जाता था। निवेशकों से रकम लेने के बाद आरोपी कंपनी और वेबसाइट बंद कर फरार हो जाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

आरोपियों कई थानों में दर्ज हैं ठगी के मामले

अनुसंधान में सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ जयपुर के अलग-अलग थानों में करोड़ों रुपए की ठगी के मामले दर्ज है। पुलिस के अनुसार अब तक की जांच में गिरोह की ओर से करीब 100 करोड़ रुपए की ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में ठगी की अन्य वारदातों, निवेशकों, गिरोह और रकम के लेन-देन के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

फार्मा कंपनी के एमआर से लूट

जयपुर । मालवीय नगर इलाके में देर रात बेखौफ बदमाशों ने वारदात को अंजाम देते हुए एक फार्मा कंपनी के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एम.आर.) पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले एमआर की बाइक को टक्कर मारकर गिराया, फिर डंडे व सरियों से पीटकर उनका बैग और मोबाइल छीनकर फरार हो गए। हमले में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को परिजनों ने सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया है। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने पर्चा बयान और घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरों की तलाश शुरु कर दी है।

एएसआई गंगासहाय के बताए अनुसार पीड़ित सचिन अरोड़ा (45) कुंभा मार्ग, प्रताप नगर के निवासी हैं और एक फार्मा कंपनी में एमआर के पद पर कार्यरत हैं। बीते मंगलवार 30 सितंबर की रात करीब 12 बजे सचिन ऑफिस का काम निपटाकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मालवीय नगर सेक्टर-3 के पास पीछे से दो मोटरसाइकिलों पर आए 5 नकाबपोश बदमाशों ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सचिन सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद लूट के इरादे से आए बदमाशों ने सड़क पर ही सचिन पर डंडों और लोहे के सरियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बुरी तरह से लहूलुहान करने के बाद आरोपी उनका बैग और मोबाइल लूटकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकले। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने जब घायल सचिन को देखा तो परिजनों को सूचित किया।

सार-समाचार

राजस्थान विवि. में गरिमामय वृद्धावस्था पर सात दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

जयपुर । अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर राजस्थान विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने शिल्पी मेमोरियल ट्रस्ट और मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान के सहयोग से 'एजिंग विद डिग्निटी: लर्निंग, रिसर्च एंड फील्ड एक्सपीरियंस' विषय पर सात दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने की। विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. मोनिका राव ने बताया कि विभाग वर्ष 2016 से वृद्धावस्था के अध्ययन और शोध में सक्रिय है। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को चार वृद्धाश्रमों से जोड़कर युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच संवाद बढ़ाया जाएगा। कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने बुजुर्गों को परिवार, समाज और संस्कृति की जीवंत स्मृति बताते हुए उनके सम्मान, सहभागिता, स्वायत्तता, सुरक्षा और सार्थकता पर जोर दिया। उन्होंने स्वस्थ वृद्धावस्था विषयक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने की पहल को स्वीकृति दी। विशिष्ट अतिथि समाजशास्त्री एवं लेखिका प्रो. ऋतु सारस्वत ने पीढ़ियों के बीच संवाद को अकेलेपन और अवसाद कम करने में महत्वपूर्ण बताया। पी.सी. जैन ने वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग के लिए 'टाइम बैंक' की अवधारणा समझाई। वृद्धावस्था अध्ययन में योगदान के लिए राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की प्रो. ऋतु सारस्वत, राजस्थान विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. शुभा दुबे और इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर के डॉ. हरचंद को 'रिसर्च एक्सीलेंस एंड सर्विस टू सोसाइटी अवार्ड' प्रदान किया गया। जरा-विज्ञान संबंधी शोध को प्रोत्साहन देने के लिए डॉ. मोनिका राव को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कुलपति और डॉ. राव ने शिल्पी मेमोरियल ट्रस्ट के रामजस तथा मानव सेवा ट्रस्ट के कौशल सत्यार्थी को सम्मानित किया। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान के दस वर्ष पूरे होने पर विवरणिका का विमोचन किया गया। डॉ. संदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राहगीर से आईफोन लूटने वाला गिरफ्तार

जयपुर । आदर्श नगर थाना पुलिस ने जनता कॉलोनी में राहगीर से मारपीट कर आईफोन लूटने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी जुनैद कुरैशी (30) निवासी अमृतपुरी, घाटगेट के कब्जे से लूटा गया एप्पल आईफोन और वारदात में प्रयुक्त सफेद रंग की एक्टिवा स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी स्मैक के नशे का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए लूट व छीना-झपटी की वारदातें करता था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जनता कॉलोनी निवासी दीपक कुमार शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह खाना खाने के बाद घर के बाहर गली में टहल रहा था। इसी दौरान स्कूटी सवार आरोपी ने पीछे से गर्दन के पास जोरदार मुक्का मारा। अचानक हमले से संतुलन बिगड़ने पर आरोपी उसका आईफोन छीनकर अंधेरी गलियों में फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर थानाधिकारी छगन डांगी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसके आधार पर आरोपी जुनैद कुरैशी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी लूट और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। आदर्श नगर और महिला थाना जयपुर उत्तर में उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

आईएएस मालावत ने अर्पित की पुष्पांजलि

जयपुर । समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) के निदेशक वासुदेव मालावत ने गांधी जयंती पर आईसीडीएस निदेशालय, जयपुर में महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने गांधीजी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के सिद्धांतों को अपनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के तहत मालावत ने स्वयं झाड़ू लगाकर श्रमदान किया। उनकी प्रेरणा से अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कार्यालय के कक्षों, गलियारों और परिसर में सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे में स्वच्छता अभियान

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान-2026 चलाया गया। 'स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम पर आयोजित अभियान का समापन गांधी जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर स्वच्छता शपथ एवं पौधारोपण के साथ हुआ। महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने कार्यस्थल और आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा अभियानों में सक्रिय भागीदारी का आव्हान किया। अभियान के दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे के चारों मंडलों, कारखानों, स्टेशनों, कार्यालयों और रेलवे कॉलोनियों में सफाई एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें कचरा पृथक्करण, कम्पोस्टिंग, प्लास्टिक मुक्त परिसर, स्वच्छ स्टेशन एवं रेलगाड़ी, पर्यटन व विरासत स्थलों की सफाई तथा सफाई मित्रों की सुरक्षा और सम्मान पर जोर दिया गया। 1 से 15 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़े में स्टेशनों, बेस किचन, पेंट्री, प्रतीक्षालयों और रेलवे ट्रैक की गहन सफाई के साथ अनावश्यक पोस्टर-बैनर व गुटखा के दाग हटाए जाएंगे। 2 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष अभियान 6.0 में साइबर स्वच्छता, ई-कचरे का संग्रहण, पृथक्करण एवं नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा।

अवैध हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । हरमाड़ा थाना पुलिस ने क्राइम ब्रांच के साथ संयुक्त कार्रवाही करते हुए चेन स्नेचिंग टीम की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी अलराशिद उर्फ दामा चांदपोल निवासी से अवैध हथियार खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। सीएसटी ने आरोपी और जब्त किए गए अवैध हथियारों को हरमाड़ा पुलिस के हवाले किया।

पीएम-सेतु योजना लागू करने में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ा

11 आई.टी.आई. क्लस्टर के लिए आरएफपी जारी, भिवाड़ी क्लस्टर का निवेश प्लान मंजूर

जयपुर । पीएम-सेतु योजना के तहत राजस्थान में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। योजना में पांच आईटीआई के एक क्लस्टर में एक हब और चार स्पोक आईटीआई शामिल हैं। प्रत्येक क्लस्टर पर पांच वर्षों में करीब 241 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है, जिसमें केन्द्र का 50 प्रतिशत, राज्य का अधिकतम 33 प्रतिशत और उद्योग का न्यूनतम 17 प्रतिशत योगदान होगा। एंकर उद्योग भागीदार की एसपीवी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य संचालन समिति ने जनवरी 2026 में आठ क्लस्टर मंजूर किए थे। इनमें भिवाड़ी, जयपुर, बालोतरा, भरतपुर, कोटा, बीकानेर, जोधपुर और बांसवाड़ा शामिल हैं। भिवाड़ी क्लस्टर के रणनीतिक निवेश प्लान को 7 सितंबर को राष्ट्रीय संचालन समिति ने मंजूरी दी। केन्द्र, राज्य सरकार और निवेशक के बीच शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट भी हुआ और राजस्थान, देश का पहला राज्य बना जिसने यह समझौता किया। एसपीवी के 5 अक्टूबर तक कंपनी के रूप में पंजीकृत होने की उम्मीद है। गत 29 सितंबर को भीलवाड़ा, पाली, जयपुर, बालोतरा, बांसवाड़ा, जोधपुर, कोटा, भरतपुर और बीकानेर के 9 क्लस्टर के लिए आरएफपी जारी किए गए। इसके बाद 2 अक्टूबर को सीकर और कोटपूतली क्लस्टर के लिए भी आरएफपी जारी कर दिए गए। इस प्रकार अब कुल 11 क्लस्टर के लिए आरएफपी प्रक्रिया में हैं। योजना के तहत एंकर उद्योग भागीदारों की भागीदारी से आईटीआई में आधुनिक प्रशिक्षण, उद्योग आधारित कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

- **इस योजना में राजस्थान पहला ऐसा राज्य है, जिसने शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट किया है**

10 हजार के हर्जाने व पौधारोपण की शर्त पर जवाब की अनुमति

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सफाई कर्मचारी को हटाने से जुड़े मामले में नगर निगम को 10 हजार रुपए के हर्जाने के साथ ही 25 छायादार पौधे लगाने की शर्त पर जवाब पेश करने की अनुमति दी है। अदालत ने हर्जाना राशि तीन सप्ताह में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में जमा कराने को कहा है। इस राशि का उपयोग एसोसिएशन पांच साल से कम अनुभव वाले युवा वकीलों के लिए कानूनी किताबें खरीदने के लिए करेगी। इसके साथ ही अदालत ने निगम को सार्वजनिक स्थानों पर लगाने जाने वाले इन पौधों की तस्वीरें और इनकी देखभाल करने की अंडरटेकिंग पेश करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश साहुल कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में निगम आयुक्त अदालत में पेश हुए। अदालत ने कहा कि याचिका में ढाई साल से जवाब पेश नहीं होने के कारण उन्हें बुलाया गया है। इस पर आयुक्त ने कहा कि मामले से जुड़ा तथ्यात्मक रिकॉर्ड निगम के वकील को मुहैया करा दिया गया था। इसके साथ ही समय पर जवाब पेश नहीं करने पर आयुक्त की ओर से माफी मांगी और सुनवाई के दौरान जवाब पेश करने की अनुमति मांगी।

स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक जरूरतमंदों को 17 अक्टूबर तक बिना रिप्लेसमेंट रक्त देगा

जयपुर । राष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक एवं रक्तदान परिसंघ की ओर से रक्तदाता प्रेरक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत ब्लड बैंक ने 17 अक्टूबर तक जरूरतमंद मरीजों को बिना रिप्लेसमेंट रक्त उपलब्ध कराने की घोषणा की।

ब्लड बैंक के चेयरमैन डॉ. एस.एस. अग्रवाल का 51 किलो फूलों की माला से नागरिक अभिनंदन किया गया। उन्होंने बताया कि 1995 में स्थापित ब्लड बैंक के माध्यम से अब तक 5 हजार से अधिक शिविरों में करीब 4 लाख यूनिट रक्त एकत्रित और 12 लाख से अधिक यूनिट वितरित की गई हैं। करीब 4.5 लाख लोग रक्तदान कर चुके हैं। राजस्थान में स्वैच्छिक रक्तदान करीब 5 से बढ़कर 85 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने 'स्वस्थ माताएं, स्वस्थ राष्ट्र' अभियान के तहत अधिक रक्तदान शिविर लगाने का आव्हान किया। समारोह में नवनिर्वाचित महापौर सुनील कोठारी का भी नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, गोपाल शर्मा, के.एल. जैन, एस.एस. भंडारी, ओ.पी. अग्रवाल, डॉ. अनुराग अग्रवाल, ध्रुवदास अग्रवाल, गोपाल गुप्ता, जसवीर सिंह, डॉ. वीरेंद्र सिंह, अजयपाल सिंह, सुभाष सिंघी, शैलेन्द्र भार्गव, नीरज गर्ग, पूर्व महापौर निर्मल नाहटा, पूर्व उप महापौर पुनीत कर्नावट और पंकज जोशी मौजूद रहे। रक्तदान के लिए प्रेरित करने पर दौलत सैनी, राजेश गोयल, ध्यान सिंह गोठवाल, डॉ. मनीष गोयल, डॉ. राखी गुप्ता, डॉ. शरद राठौड़, अजेंद्र सिंह, गजेन्द्र शर्मा, डॉ. दिव्येश चौहान, ज्योत्सना नवलखा, कमल जैन कंदोई, मधुरिमा शर्मा, कुमार चंदानी, राहुल शर्मा, पी.सी. मोदी, आर.के. शर्मा, संजय बियानी, शरद खंडेलवाल, ज्योति खंडेलवाल और कमल जैन को सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक एवं रक्तदान परिसंघ की ओर से आयोजित रक्तदाता प्रेरक सम्मान समारोह में महापौर सुनील कोठारी का सम्मान किया गया।

वकीलों-परिजनों ने दूसरे दिन भी किया उग्र प्रदर्शन

होटल में युवक की संदिग्ध मौत का मामला

जयपुर । बजाज नगर थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में युवक प्रकाश खींची की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मामले में हत्या का आरोप लगाते हुए परिजनों और वकीलों ने शुक्रवार को दूसरे दिन भी जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने बजाज नगर थाने का घेराव करने के साथ टोंक रोड पर चक्काजाम कर दिया, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात ठप रहा और 4 किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें लग गईं। देर शाम विधायक कुलदीप धनखड़ के आश्वासन और 25 लाख रुपये मुआवजा, डेयरी बूथ तथा संविदा नौकरी की मांग पर सहमति बनने के बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया। मामले में लापरवाही बरतने पर देर शाम बजाज नगर थानाधिकारी रामधन को हटाकर मुनेंद्र सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शुक्रवार दोपहर मृतक की पत्नी सोनिया खींची, मां और परिजन न्याय की मांग को लेकर बजाज नगर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। कार्रवाई में देरी से आक्रोशित अधिवक्ताओं और परिजनों ने थाने के भीतर घुसकर नारेबाजी व हंगामा किया। इसके बाद प्रदर्शनकारी टोंक रोड पर मुख्य सड़क के बीचों-बीच बैठ गए, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद परिजनों को सड़क से हटाकर वापस थाने के बाहर लाया गया। विराटनगर के मेड निवासी मृतक प्रकाश खींची (32) के वकील भाई और परिजनों ने पुलिस थ्योरी पर सवाल खड़े किए हैं। वकीलों के अनुसार 30 सितंबर को मृतक के भाई के मोबाइल पर प्रकाश खींची की चोट के निशान वाली तस्वीर और सुसाइड नोट भेजा था। होटल प्रबंधन ने पहले पूछताछ में प्रकाश के चेक-आउट करने की बात कही, लेकिन बाद में उसी कमरे से शव बरामद हुआ। मृतक के हाथ में कैनुला लगा था और ड्रिप चढ़ रही थी, जो हत्या की आशंका को गहराता है। एडिशनल डीसीपी ईस्ट पारस ने बताया कि विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ और पुलिस प्रशासन की प्रदर्शनकारियों के साथ हुई वार्ता में सहमति बनी, जिसके बाद धरना खत्म हुआ। पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। परिवार के भरण-पोषण के लिए डेयरी बूथ आवंटित होगा।

वोट चोरी के विरोध में आप का प्रदर्शन

जयपुर। लोकतंत्र, संविधान एवं प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी राजस्थान की ओर स जयपुर के शहीद स्मारक पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में आप राजस्थान के सह-प्रभारी डॉ.नीतू मान, महेश खींची, सत्यवान राणा,

प्रदेश महासचिव संगठन विश्वेंद्र सिंह, प्रदेश सचिव जुगल किशोर शर्मा, नवीन पालीवाल और जयपुर जिला अध्यक्ष अमित दधीचि, जिला प्रभारी अर्चित गुप्ता सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। वक्ताओं ने देशभर में चल रही एस आई आर प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि 13 करोड़ से अधिक नामों के ड्राफ्ट मतदाता सूची से बाहर होने की रिपोर्ट ने लोकतंत्र और मताधिकार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। पार्टी ने इसे 'वोट चोरी' बताते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग की। डॉ. नीतू मान ने सवाल उठाया कि यदि एस आई आर पूरी तरह निष्पक्ष प्रक्रिया है, तो इससे राजनीतिक लाभ केवल बीजेपी को ही क्यों मिलता दिखाई दे रहा है?

शादी के 10 दिन बाद लाखों के गहने लेकर फरार हुई दुल्हन

जयपुर । करधनी क्षेत्र में शादी के नाम पर ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक लुटेरी दुल्हन शादी के महज 10 दिन बाद ससुराल में रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात समेटकर रफूचक्कर हो गई। बिचौलियों ने शादी कराने के एवज में दूल्हा पक्ष से 10 लाख से अधिक रुपये ऐंठे थे। दुल्हन के भागने के बाद जब परिजनों ने दलालों से जवाब मांगा, तो उन्होंने झूठे केस में फंसाने की धमकियां देना शुरू कर दिया। अब पीड़ित पक्ष की ओर से कोर्ट के जरिए लुटेरी दुल्हन और दलालों के गिरोह के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

एएसआई सुरेश कुमार के अनुसार क्षेत्र निवासी पीड़ित के भाई की शादी के लिए लंबे समय से रिश्ते की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात दलालों से हुई। दलालों ने शादी कराने का झांसा दिया और जनवरी 2026 में एक युवती से मिलाया। रिश्ता तय होने के एवज में आरोपियों ने 3 लाख 18 हजार रुपये ऑनलाइन और 7 लाख रुपये नकद, यानी कुल 10 लाख 18 हजार रुपये वसूल लिए। रकम ऐंठने के बाद दलालों ने फरवरी 2026 में करधनी स्थित एक मैरिज गार्डन में धूमधाम से शादी करवाई। शादी के बाद दुल्हन करीब 10 दिन तक ससुराल में रही। इसके बाद एक दिन मौका पाकर अलमारी में रखे लाखों रुपये के कीमती सोने-चांदी के आभूषण लेकर अचानक गायब हो गई। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। दुल्हन के अचानक गायब होने पर जब पीड़ित परिवार ने रिश्ता कराने वाले दलालों से संपर्क किया, तो उन्होंने परिजनों के साथ गाली-गलौज की और उल्टे संगीन केसों में फंसाने की धमकियां देने लगे। दलालों के रवैये और ठगी से परेशान होकर दूल्हे के भाई ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

लिव-इन में रही साली ने रेप केस में फंसाने की धमकी देकर जीजा से 30 लाख रु. मांगे

जयपुर (कासं)। राजधानी में 4 साल तक लिव-इन-रिलेशनशिप में रहने के बाद जीजा को ब्लैकमेल कर 30 लाख रुपये ऐंठने की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी साली ने अपने जीजा को बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने और समाज में बदनाम करने की धमकी देकर दबाव बनाया। प्रताड़ना से तंग आकर पीड़ित जीजा ने कोर्ट की शरण ली, जिसके आदेश पर पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पुलिस के अनुसार पीड़ित युवक की मुलाकात अपनी ही साली से हुई थी, जिसके बाद वर्ष 2022 से दोनों आपसी सहमति से लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहे थे। करीब चार साल तक साथ रहने के बाद वर्ष 2026 में दोनों के बीच अनबन हुई और साली उससे अलग रहने लगी।

अलग होते ही युवती ने जीजा से 30 लाख रुपये की मोटी रकम की मांग शुरू कर दी। जब पीड़ित ने इतने रुपये देने से इनकार कर दिया, तो आरोपी युवती ने उस पर रेप का झूठा केस दर्ज कराने और परिवार व समाज में बदनाम करने की धमकियां देना शुरू कर दिया।

ब्लैकमेलिंग के इस दबाव में आकर पीड़ित ने पहले 2 लाख रुपये दे दिए। इसके बावजूद युवती का मन नहीं भरा और वह बाकी बचे 28 लाख रुपये के लिए लगातार फोन कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगी।

युवती की लगातार मिल रही धमकियों और टॉर्चर से परेशान होकर पीड़ित युवक ने आखिरकार न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट के सख्त रुख के बाद पुलिस ने शुक्रवार शाम ब्लैकमेलर साली के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब पूरे मामले के कॉल रिकॉर्ड्स और वित्तीय लेन-देन के साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

रिहायशी कॉलोनी में 30 फीट रोड पर बना दी 5 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग

जयपुर (कासं)। जगतपुरा जोन के प्रताप नगर सेक्टर-17 स्थित रिहायशी कॉलोनी में 30 फीट सड़क पर पांच मंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्लॉट नंबर 174/126 पर आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक कॉम्पलेक्स बनाया जा रहा है। यह इमारत जीरो सेटबैक पर तय नियम-कायदों की धज्जियां उडाकर बनाई जा रही है। इस संबंध में नगर निगम के जगतपुरा जोन के बिल्डिंग शाखा के कनिष्ठ अभियंता को शिकायतें भी दी गईं, लेकिन वे यहां कार्रवाई करने से बच रहे है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि यह भूखंड आवासीय है, लेकिन मकान मालिक ने जमीन का भू-रूपांतरण करवाए बिना ही कमर्शियल बिल्डिंग बना दी। मुख्य सड़क पर निर्माण सामग्री डालकर रास्ता भी अवरूद्ध कर रखा है।

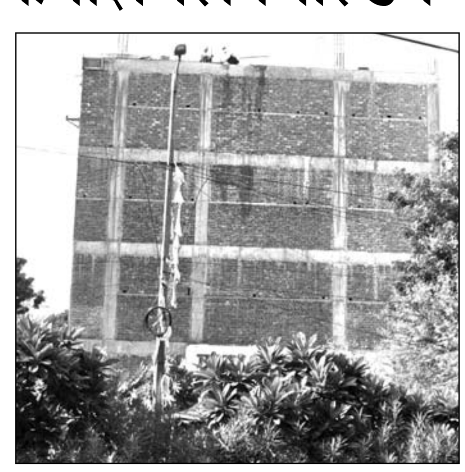

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर - 17 अक्टूबर 2026)

युवाओं का विश्वास - महिलाओं का उत्थान

नारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद 2026

युवा शक्ति को अवसर, राजस्थान को नई उड़ान

रोजगार एवं भर्ती

- 1.93 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी
- 1.18 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन
- 70,031 नए पदों पर भर्ती की तैयारी
- निजी क्षेत्र में 5 लाख से अधिक युवाओं को मिला रोजगार

स्टार्टअप एवं नवाचार

- स्टार्टअप निवेश ₹250 करोड़ से बढ़कर ₹1,054 करोड़

पारदर्शी भर्ती

- पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए पेपर लीक के 597 आरोपियों की गिरफ्तारी और 166 एफआईआर दर्ज
- 410 भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

सशक्त नारी • सशक्त समाज • सशक्त राजस्थान

NHM की 60 एम्बुलेंस का लोकार्पण	लखपति दीदियों को स्कूटी वितरण	PMMVY: लाभार्थियों को DBT
9 आर्टिकुलेटिंग वॉटर टावर का लोकार्पण	185 ऑटो टिपर का लोकार्पण	MNUSPY के तहत ₹1.90 करोड़ के चेक वितरण

PMAY: पूर्ण आवासों की चाबी व DBT

CM मातृत्व पोषण योजना में 29,222 लाभार्थियों को ₹8.79 करोड़ DBT

समर्थ महिला- समृद्ध राजस्थान

मातृ स्वास्थ्य एवं महिला सुरक्षा

- PMMVY में 13.59 लाख गर्भवती महिलाओं को ₹668 करोड़ हस्तांतरित
- 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड, 600 कालिका यूनिट सक्रिय; 2,216 पद स्वीकृत

महिला सशक्तिकरण

- 20 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी, 25,000 महिलाएं बनीं सोलर दीदी
- 76,045 महिलाओं को ₹565 करोड़ का ऋण, ऋण सीमा ₹1.50 लाख
- ₹450 में रसोई गैस सिलेंडर, 68 लाख परिवारों को 6.11 करोड़ रिफिल पर ₹1,196 करोड़ सब्सिडी
- मुख्यमंत्री एकल नारी पेंशन योजना में 18.92 लाख महिलाओं को ₹8,866 करोड़ पेंशन

बालिका कल्याण

- लाडो प्रोत्साहन योजना में ₹1.50 लाख तक सहायता, 9.43 लाख बालिकाएं लाभान्वित
- 45,986 छात्राओं को स्कूटी एवं 13.85 लाख बालिकाओं को साइकिल

3 अक्टूबर 2026 | प्रातः 11:00 बजे | यूनिवर्सिटी कॉमर्स कॉलेज, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

पुष्कर के होकरा गांव में खेतों और बोरवेल मशीनों से उपकरण चोरी

कई खेतों में हुई चोरी की घटना के बाद किसानों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है

पुष्कर/अजमेर, (निसं)। पुष्कर थाना क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम होकरा में बीती रात अज्ञात चोरों ने खेतों और बोरवेलों को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर बोरवेल मशीनों में लगी करीब 12 से 13 मीटर कॉपर केबल, सोलर उपकरण, ट्रांसफॉर्मर से जुड़े सामान और बोरवेल मोटरों के उपकरण चोरी कर ले गए। इसके अलावा खेतों में खड़े ट्रैक्टरों की टंकियों से डीजल भी निकाल लिया गया। एक साथ कई खेतों में हुई चोरी की घटना के बाद किसानों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

चोरी की घटना के बाद पीड़ित किसान मामला दर्ज कराने पुष्कर थाना पहुंचे।

■ **चोर बोरवेल मशीनों में लगी कॉपर केबल, सोलर उपकरण, ट्रांसफॉर्मर से जुड़े सामान और बोरवेल मोटरों के उपकरण ले गए**

जानकारी के अनुसार, चोरी की वारदात का पता शुक्रवार सुबह उस समय चला, जब किसान अपने खेतों पर खेती और सिंचाई का काम करने पहुंचे। खेतों में पहुंचने पर किसानों ने देखा कि बोरवेल मशीनों से कॉपर केबल काटकर निकाल ली गई है और कई उपकरण गायब हैं। खेतों में सामान अस्त-व्यस्त मिलने के बाद किसानों ने आसपास के अन्य खेतों में भी जांच की, जहां कई जगह चोरी होने की बात सामने आई। ग्रामीणों के अनुसार, चोरों ने केवल कॉपर केबल ही नहीं चुराई, बल्कि बोरवेल और खेतों में लगे अन्य महंगे उपकरणों को भी निशाना बनाया। बदमाश सोलर सेट, ट्रांसफॉर्मर के उपकरण और बोरवेल मोटरों से जुड़े सामान लेकर फरार हो गए। एक ही रात में कई खेतों को निशाना बनाए जाने से ग्रामीणों को आशंका है कि वारदात में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। बोरवेल की कॉपर केबल और आवश्यक उपकरण चोरी होने के कारण किसानों के सामने सिंचाई की समस्या खड़ी हो गई है। किसानों का कहना है कि खेतों में खड़ी फसलों को समय पर पानी नहीं मिल पाया तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। चोरी हुए उपकरणों को दोबारा लगवाने और बोरवेल को चालू कराने में किसानों को अतिरिक्त आर्थिक भार भी उठाना पड़ेगा।

एक साथ कई खेतों में चोरी की घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि खेत आबादी क्षेत्र से दूर होने के कारण रात के समय यहां निगरानी कम रहती है। इसी का फायदा उठाकर चोर आसानी से खेतों में पहुंचकर बोरवेल और सोलर उपकरणों को निशाना बना रहे हैं। ग्रामीणों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने पर पुष्कर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने चोरी से जुड़े साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के क्षेत्र की जानकारी भी ली। पीड़ित किसानों की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही पूर्व में इस तरह की वारदातों में शामिल रहे संदिग्धों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि चोरी की वारदात में स्थानीय लोगों की भूमिका है या बाहर से आया कोई गिरोह इसमें शामिल है।

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से होकरा गांव और आसपास के कृषि क्षेत्रों में रात के समय नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेतों में लगे बोरवेल, सोलर सिस्टम और अन्य कृषि उपकरण महंगे होते हैं और इनके चोरी होने से सीधे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरी का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है।

एसी कोच बस डिवाईडर पर चढ़ी, बाल-बाल बचे यात्री

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सवारियों से भरी एसी कोच बस के अनियंत्रित होकर डिवाईडर पर चढ़ गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं पहुंची।

जानकारी के अनुसार यात्रियों से भरी एसी कोच बस गुजरात की ओर से जयपुर जा रही थी, बस में सवार यात्री गुजरात में सरदार पटेल की स्मृति में बने स्टेचू ऑफ यूनिटी से वापस लौट रहे थे कि बस कैथून थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अचानक से अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे के डिवाईडर से टकरा गई। संभावना जताई जा रही है कि चालक को झपकी आ जाने से बस अनियंत्रित हो गई।

■ **कैथून थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा**

कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार ने बताया कि दुर्घटना मंडाना से कैथून के बीच दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुई है। दुर्घटना में कोई हताहत भी नहीं हुआ है, बस को घटनास्थल से वापस एक्सप्रेस-वे पर लाया गया, जिसके लिए क्रेन की मदद ली गई, जिसके बाद बस वापस जयपुर की तरफ रवाना की गई।

महिला टीचर से अभद्र व्यवहार करने पर व्याख्याता सस्पेंड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले में एक स्कूल के व्याख्याता को महिला टीचर के साथ अभद्र व्यवहार करने और परेशान करने के मामले में सस्पेंड किया गया है। पीड़िता की शिकायत के बाद शिकायत समिति ने जांच में दोषी पाया। शिक्षक को अब निलंबन अवधि के दौरान बारां उपस्थिति देनी है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजस्थान, बीकानेर की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक, शिक्षक पर महिला व्याख्याता के साथ जबरदस्ती नजदीकी बढ़ाने, अकेले मिलने का प्रयास करने और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए थे। मामले में कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न संबंधी आंतरिक शिकायत समिति की ओर से जांच की गई। जांच के दौरान पीड़ित व्याख्याता की शिकायत और कक्षा 10 की छात्राओं के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप प्रमाणित पाए गए।

आदेश के अनुसार, शिक्षक का आचरण शिक्षक की गरिमा के विपरीत है और इसे घोर दुराचरण की श्रेणी में माना गया और उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान व्याख्याता का मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक-बारां रहेगा और उसे नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा।

मामले को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक प्रतिभा सिंह ने बताया कि निदेशालय से सस्पेंड करने का ऑर्डर आया है। आगे की कार्रवाई के लिए इसकी सूचना मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) ऑफिस को दे दी गई है।

महिला के मुंह पर स्प्रे कर घर से आभूषण और नगदी चुराई

जोधपुर, (कासं)। झंवर थाना क्षेत्र के दईपड़ा खींचियान गांव में घर में अकेली महिला को स्प्रे कर बेहोश करने के बाद सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़िता वरजू कंवर पत्नी सुजानसिंह ने पुलिस को रिपोर्ट दी है।

रिपोर्ट के अनुसार 29 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे वह घर पर अकेली थी। तब दो महिलाएं घर के गेट पर आई। महिला के बाहर आने पर दोनों ने उसके मुंह पर स्प्रे कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। करीब एक घंटे बाद होश आने पर उसने देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ था। पीड़िता ने अपने देवर को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद घर में रखे आभूषण और नकदी गायब मिले। रिपोर्ट में करीब दो तोला सोने के कानों के आभूषण, आधा तोला सोने का मांदलिया, आधा तोला सोने की अंगूठी, करीब 30 तोला चांदी की पायल तथा 2 लाख 27 हजार रुपये नकद चोरी होने की बात कही गई है। झंवर थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच उपनिरीक्षक मनोज कुमार मीणा को सौंपी है। पुलिस मामले में संदिग्ध महिलाओं की तलाश और घटना की जांच कर रही है।

दौसा के बालाहेडा ग्राम के पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के खिलाफ कार्रवाई

दौसा, (निसं)। जिले की बालाहेड़ा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के खिलाफ 2014 से 2019 तक के कार्यकाल में वित्तीय अनियमितता और फर्जी बिल से भुगतान आदि मामलों को लेकर ग्रामीण विकास विभाग ने कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार 22 सितंबर 2026 को एक प्रकरण में जांच अधिकारी पंचायत समिति बेजूपाड़ा द्वारा जिला कलैक्टर दौसा को दी गई जांच रिपोर्ट में पूर्व सरपंच सीताराम मीणा को 2014 से 18 और 2019-20 की अवधि में जांच में वर्णित 171 कार्यों में वित्तीय अनियमितता कर राजकोष को किए गए 1701633 रूपये के नुकसान के लिए दोषी और जिम्मेदार माना है। इसके अलावा ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित कराए गए विभिन्न सीसी/ इंटरलॉकिंग सड़को के निर्माण कार्य की कम्प्रेसिव स्ट्रेंथ रिपोर्ट के बिना उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में पूर्व सरपंच सीताराम मीणा और संबंधित तकनीकी अधिकारी को भी दोषी माना है। एक अन्य मामला जिसमें पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के कार्यकाल में ग्राम पंचायत द्वारा निजी खातेदारी जमीन में गैर मुमकिन ग्रेवल सड़क का निर्माण कर वित्तीय अनियमितता और राजकोष के दुरुपयोग किया गया था।

■ **2014 से 2019 तक के कार्यकाल में वित्तीय अनियमितता और फर्जी बिल से भुगतान आदि मामले में ग्रामीण विकास विभाग ने कार्रवाई की**

प्रार्थी भवानी सिंह मीणा की शिकायत पर की गई जांच के उपरांत दोषी पाए जाने पर नरेगा आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने दिनांक 10 फरवरी 2026 को 739115 रुपए की वसूली करने और एफआईआर दर्ज करवाकर सरपंच सीताराम मीणा के विरुद्ध धारा 38 की कार्रवाई के निर्देश दिए। नरेगा आयुक्त ने संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करने और विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए थे। इसके अलावा दो अलग अलग शिकायतों पर हुई जांच के में दोषी पाए जाने पर पंचायती राज विभाग से संबंधित योजनाओं और निर्माण कार्यों में अनियमितता को लेकर 3930447 रूपये और 1175453 रूपये की वसूली, दोषी कार्मिकों और पूर्व सरपंच सीताराम मीणा से करने के निर्देश दिए गए। पूर्व सरपंच सीताराम मीणा केवल घोटालों तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि वनखंड पाटोली गगवाना के बालाहेडा वन क्षेत्र में 5 बीघा जमीन पर अतिक्रमण का भी मामला सामने आया है।जनवरी 2024 में वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटावाने के बावजूद उक्त भूमि पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के कब्जे में ही हैं।

धोखे से नगदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी एवं अम्बामाता थाना पुलिस ने धोखे से नगदी हड़पने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पूनम घावरी पत्नी कुलदीप निवासी एफसीआई गोदाम के पिछे चंदेरिया चित्तौड़गढ़ हॉल न्यू शिव नगर सेक्टर 3 ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 28 सितंबर को मेरे मोबाइल पर आए मैसेज पर क्लिक किया तो बदमाश ने कुछ समय बाद खाते से दो टुकड़ों में 1 लाख 24 हजार रूपये निकाला लिए। इसी तरह अम्बामाता थाना पुलिस ने हॉस्पीटल संचालक डॉ. प्रज्ञा गर्ग की रिपोर्ट पर आरोपी राकेश कौल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

29 हजार के कर्ज के बदले पिता-पुत्र से वर्षों तक काम कराने का आरोप

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद उपखंड के रामसर गांव में कर्ज के बदले लंबे समय तक श्रम करवाने का मामला सामने आया है। प्रशासन एवं राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास के प्रयासों से किशनगढ़ निवासी श्रमिक शिवराज भील को कार्यस्थल से मुक्त कराया गया। इसके बाद उसे उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट नसीराबाद कल्पित शिवरान के समक्ष प्रस्तुत कर बयान दर्ज करवाए गए। प्रशासन ने मामले की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और अंतिम रिपोर्ट के बाद ही कानूनी स्थिति स्पष्ट होगी।

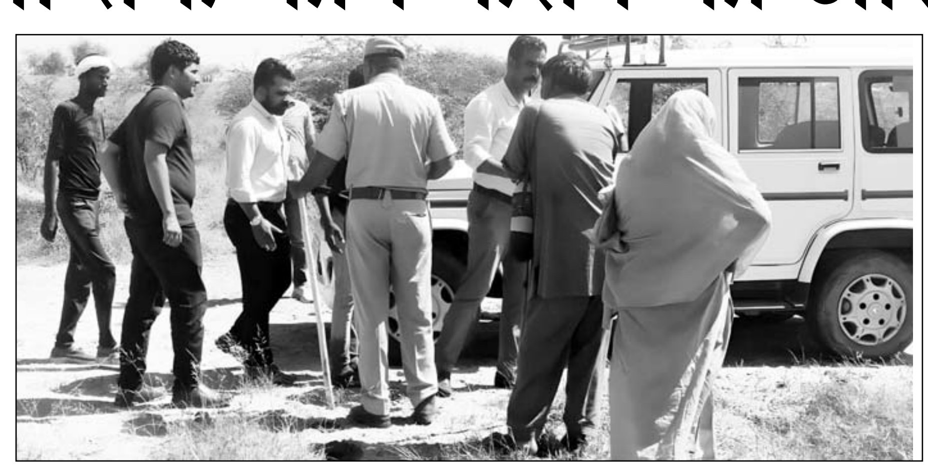

प्रशासन एवं राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास के प्रयासों से किशनगढ़ निवासी श्रमिक शिवराज भील को कार्यस्थल से मुक्त कराया गया।

श्रमिक ने प्रशासन को दिए बयान में बताया कि उसने वर्ष 2024 में इलाज के लिए 29 हजार रुपये का कर्ज लिया था। इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए उसके बेटे को काम पर रखा गया। उसके अनुसार बेटे से प्रतिदिन करीब 17 घंटे तक 40 से 45 भैंसों की देखभाल और चराने का काम कराया जाता था। काम के बदले मिलने वाली राशि कर्ज की कटौती के रूप में बताई जाती थी। श्रमिक ने बयान में बेटे के साथ कथित रूप से मारपीट और गाली-गलौज किए जाने की बात भी कही है। कुछ समय बाद बेटा वहां से निकल गया, लेकिन उसके अनुसार बाद में उसे दोबारा काम पर लगाया गया।

शिवराज के अनुसार बाद में बेटे के स्थान पर उससे स्वयं काम करवाया जाने लगा। उसने बताया कि करीब एक वर्ष तक प्रतिदिन लगभग 17 घंटे काम करने के बावजूद उसे केवल 1,000 से 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे। सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यों के लिए जाने पर रोक लगाए जाने की बात भी उसने प्रशासन को बताई। श्रमिक के अनुसार जब वह वहां से निकलकर अपने पिता के पास पहुंचा तो उस पर 75 हजार रुपये बकाया होने की बात कही गई और दोबारा काम पर आने का दबाव बनाया गया। उसने धमकी दिए जाने तथा उसके और उसके बेटे के अंगूठे लेकर करार तैयार किए जाने की बात भी प्रशासन को बताई है। श्रमिक ने रामसर निवासी तैयब खत्री का नाम कथित रूप से मालिक के तौर पर बताया है। हालांकि, लगाए गए आरोप फिलहाल जांच के अधीन हैं।

बंधित श्रम पद्धित उन्मूलन अधिनियम, 1976 का उद्देश्य बंधुआ मजदूरी व्यवस्था को समाप्त करना तथा आर्थिक एवं शारीरिक शोषण से प्रभावित लोगों को कानूनी संरक्षण देना है। कर्ज या अग्रिम राशि के बदले किसी व्यक्ति से उसकी स्वतंत्रता प्रभावित करने वाली बाध्यकारी श्रम व्यवस्था कराना कानून के दायरे में आ सकता है। ऐसे मामलों में श्रमिक की पहचान, मुक्ति, संरक्षण, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होती है। प्रशासन की जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि प्रकरण में बंधुआ मजदूरी संबंधी कानूनी प्रावधान लागू होते हैं या नहीं। फिलहाल उपखंड प्रशासन की ओर से शिवराज को औपचारिक रूप से बंधुआ श्रमिक घोषित नहीं किया गया है। प्रशासन द्वारा बयान एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

■ **श्रमिक ने बताया कि वर्ष 2024 में इलाज के लिए 29 हजार रुपये का कर्ज लिया था, इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए बेटे को काम पर रखा गया था**

सूरत-उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस उदयपुर पहुंची

उदयपुर, (निसं)। गुजरात और राजस्थान के बीच रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भारतीय रेलवे ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने शुक्रवार को सूरत में आयोजित समारोह में सूरत-उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसी कार्यक्रम में वीसी से वलसाड़-सूरत दैनिक का भी शुभांरभ किया गया। दोनों नई रेल सेवाओं से गुजरात के प्रमुख शहरों और उदयपुर के बीच आवागमन को नया विकल्प मिलेगा। उद्घाटन के दौरान वलसाड़ से रवाना हुई ट्रेन नवागरी रेलवे स्टोशन पहुंची, यहां केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए हरी झण्डी दिखाई।

सूरत-उदयपुर वंदेभारत एक्सप्रेस को ट्रेन संख्या 26903/26904 के रूप में संचालित किया जायेगा। ट्रेन संख्या 26904 उदयपुर-सूरत वंदेभारत एक्सप्रेस उदयपुर से 3 अक्टूबर को दोपहर 15.35 बजे रवाना होकर 23 बजे सूरत पहुंचेगी। सूरत से यह ट्रेन संख्या 26903 के रूप में 4 अक्टूबर को सूरत से सुबह 6.10 बजे प्रस्तान कर दोपहर 13.40 बजे उदयपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। इस ट्रेन का ठहराव जावर, डूंगरपुर, शामलाजी रोड़, असारवा, गांधीनगर, आणंद, बडोदरा और भरूच में होगा।

गौरतलब है कि उदयपुर राजस्थान का प्रमुख पर्यटन शहर और गुजरात से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। सूरत, बडोदरा, अहमदाबाद क्षैत्र और दक्षिणी गुजरात से उदयपुर आने वाले यात्रियों के लिए वंदेभारत एक तीव्र और आधुनिक रेल विकल्प उपलब्ध करायेगी।

झुंझुनूं की ऐतिहासिक तुलस्यान बावड़ी में स्वच्छता अभियान चलाया

गांधी-शास्त्री जयंती पर कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने श्रमदान किया

झुंझुनूं, (निसं)। गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को राणी सती रोड स्थित ऐतिहासिक तुलस्यान बावड़ी में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता और विरासत संरक्षण का संदेश दिया गया।

'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत जिला प्रशासन, नगर परिषद एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग सहित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, ट्रस्टियों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बावड़ी परिसर में सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। ऐतिहासिक जल धरोहर के संरक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान तुलस्यान चैरिटी ट्रस्ट के डॉ. डीएन तुलस्यान सहित ट्रस्टियों ने जिला प्रशासन के समक्ष बावड़ी के भव्य कायाकल्प एवं जीर्णोद्धार का प्रस्ताव रखा। ट्रस्टियों ने बताया कि प्रशासन एवं राज्य सरकार का सहयोग मिलने पर भामाशाहों के माध्यम से तुलस्यान बावड़ी का जीर्णोद्धार कराया जा सकता है। बावड़ी को उसके ऐतिहासिक स्वरूप के अनुरूप विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जाने की बात रखी गई। इस पर जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने जल्द बैठक आयोजित कर बावड़ी के पुनर्निर्माण एवं संरक्षण की रूपरेखा पर चर्चा करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आकांक्षा मोदी उर्फ बावड़ी बाईसा, पूर्व जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, नगर परिषद सभापति अब्दुल्ला अगवान, उपसभापति वीरेंद्र डारा, पर्यटन विभाग के उप निदेशक देवेंद्र सिंह, पीआरओ हिमांशु सिंह सैनी सहित पार्षद, ट्रस्टी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम ने स्वच्छता के साथ झुंझुनूं की प्राचीन जल धरोहरों के संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि ऐतिहासिक बावड़ियां क्षेत्र की स्थापत्य, जल प्रबंधन एवं सांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण पहचान हैं। इनके संरक्षण के लिए प्रशासन, भामाशाहों और आमजन की सामूहिक भागीदारी जरूरी है।

प्रशासन के अधिकारियों और नागरिकों ने बावड़ी में सफाई की।

■ **कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बावड़ी परिसर में सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया**

पुष्कर में तीन विदेशी महिलाएं वीजा नियमों के उल्लंघन पर पकड़ी गई

पुष्कर, (कासं)। विदेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने और वीजा नियमों के उल्लंघन की सूचना पर एफआरओ क्षेत्राधिकार में पुलिस एवं संबंधित टीमों ने पुष्कर के विभिन्न होटलों में जांच की। जांच के दौरान तीन विदेशी महिलाओं के नियमों के विपरीत भारत में रहने की जानकारी सामने आई। इसके बाद तीनों को भारत से निर्वासन की कार्रवाई पूरी होने तक अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया।

■ **तीनों को भारत से निर्वासन की कार्रवाई पूरी होने तक अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेजा**

प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 सितंबर को कार्यालय एवं पुष्कर यूनिट की टीम ने सूत्र से मिली सूचना के आधार पर पुष्कर स्थित होटल श्री पैलेस की जांच की। होटल में विदेशी महिला के ठहरने की जानकारी सामने आने पर संचालक से उसके दस्तावेज मांगे गए, लेकिन संचालक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। होटल रजिस्टर की जांच में भी विदेशी महिला का विवरण दर्ज नहीं मिला। टीम ने महिला कांस्टेबल की मौजूदगी में विदेशी महिला के कमरे की जांच की और दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ की। महिला ने पासपोर्ट एवं वीजा की मूल प्रति उपलब्ध नहीं होने की बात कही, लेकिन मोबाइल में उनकी प्रतियां होने की जानकारी दी। मोबाइल से प्राप्त दस्तावेजों को ऑनलाइन पोर्टल पर जांचने के बाद महिला की पहचान एवं यात्रा संबंधी जानकारी सत्यापित की गई। जांच में सामने आया कि विदेशी महिला ने 6 मार्च 2025 को भारत में प्रवेश किया था। उसके वीजा की 90 दिन की वैधता समाप्त हो चुकी थी और वह इसके बावजूद गुरुग्राम/दिल्ली क्षेत्र में अवैध रूप से ओवरस्टे कर रही थी। जांच के अनुसार महिला करीब चार-पांच दिन पहले पुष्कर के उक्त होटल में आकर ठहरी थी और वह एक वर्ष से अधिक समय से भारत में निर्धारित अवधि से अधिक रह रही थी। इसी दौरान थाईलैंड की नागरिकाओं द्वारा भारत-नेपाल सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किए जाने संबंधी स्टेट स्पेशल ब्रांच, जयपुर से मिले अलर्ट के आधार पर भी जांच की गई। 29 सितंबर को होटल चैकिंग के दौरान पुष्कर के नाला क्षेत्र स्थित होटल मूमल रिसोर्ट में दो थाईलैंड की नागरिकाओं के ठहरने की जानकारी मिली। टीम ने दोनों विदेशी महिलाओं के दस्तावेजों की जांच की और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उनकी जानकारी ट्रैक की। जांच में दोनों के भारत-नेपाल सीमा के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने की जानकारी सामने आई।

विदेशी नागरिकाओं द्वारा वीजा नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद गृह विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से उन्हें उनके देश भेजे जाने तक डिटेंशन सेंटर में रखने के आदेश जारी किए गए। आदेश की पालना में 1 अक्टूबर 2026 को तीनों विदेशी महिलाओं को पुलिस गार्ड के साथ अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया। अधिकारियों के अनुसार आगामी दिनों में भी पुष्कर क्षेत्र के होटल और गेस्ट हाउस की लगातार जांच की जाएगी। वीजा नियमों का उल्लंघन करने या निर्धारित अवधि से अधिक समय तक भारत में रहने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान कर उनके निर्वासन और ब्लैकलिस्ट किए जाने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध रूप से ओवरस्टे करने वाले विदेशी नागरिकों को ठहराने अथवा उन्हें सहयोग देने वाले होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अलवर के टहला क्षेत्र में सरिस्का की एनओसी के बिना बंजर भूमि पर बन गए होटल

जिस बंजर और गैर मुमकिन पहाड़ की जमीन को वन क्षेत्र के संरक्षण के दायरे में होना चाहिए, वहां होटल खड़े हो गए

- होटल संचालक ने 0.50 हेक्टेयर गैर मुमकिन पहाड़ की जमीन पर अतिक्रमण किया
- गांव राजडोली में सरिस्का की एनओसी के बिना बंजर भूमि पर होटल बनाया, सिवायचक जमीन पर भी कब्जा किया
- गांव खोह में भी वन विभाग की भूमि पर कब्जा कर होटल चलाया जा रहा है, इन सभी ने सरिस्का से कोई एनओसी नहीं ली है

अलवर, (निसं)। अलवर में डीम्ड फॉरेस्ट की जमीन को लेकर नियम-कायदों के बीच एक बड़ा 'खेल' सामने आया है। अलवर के टहला क्षेत्र में जिस बंजर और गैर मुमकिन पहाड़ की जमीन को वन क्षेत्र के संरक्षण के दायरे में होना चाहिए, वहां होटल खड़े हो गए।

राजगढ़ क्षेत्र की टहला तहसील के गांव राजडोली में सरिस्का की एनओसी के बिना बंजर भूमि पर होटल बना दिया गया। साथ ही सिवायचक जमीन पर भी कब्जा है। इसी तहसील के ग्राम तालाब में पहाड़ियों के बीचों-बीच होटल चल रहा है। होटल संचालक ने 0.50 हेक्टेयर गैर मुमकिन पहाड़ की जमीन पर अतिक्रमण किया हुआ है। यह जमीन डीम्ड फॉरेस्ट के चलते वन विभाग के नाम होनी चाहिए थी, लेकिन यहां कब्जा है। गांव कूंडला में भी 0.75 हेक्टेयर जमीन बंजर है, जिस पर होटल चल रहा है। इसी जमीन के खसरा नंबर 44 के कुल रकबा 12.90 हेक्टेयर में से 0.25 हेक्टेयर पर अतिक्रमण है, जो गैर मुमकिन पहाड़ व सिवायचक है। गांव खोह में भी वन विभाग की भूमि पर कब्जा कर होटल चलाया जा रहा है। इन सभी ने सरिस्का से कोई एनओसी नहीं ली है।

डीम्ड फॉरेस्ट लैंड में गैर मुमकिन पहाड़, गैर मुमकिन राडा, गैर मुमकिन बीहड़, बंजर बीड़, रूंद वाली जमीनें आती हैं। सुप्रीम कोर्ट से लेकर एनजीटी व कपूर कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक इन जमीनों पर वन विभाग का हक है। इसे जंगल के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने टी.एन. गोडावर्मन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक आदेश में स्पष्ट किया था कि वन (फॉरेस्ट) शब्द का अर्थ उसके शब्दकोश के अनुसार लिया जाना चाहिए। इसके दायरे में वे सभी जमीनें आएंगी जिनमें जंगल के गुण हैं, भले ही वे सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हों या निजी स्वामित्व वाली हों। राज्यों को ऐसे डीम्ड वनों की पहचान के लिए विशेषज्ञ समितियां बनाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद कपूर कमेटी का गठन हुआ और इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट अलग-अलग जगहों पर प्रस्तुत की है।

सीमा मीणा, एसडीएम राजगढ़ अलवर का कहना है कि राजगढ़ के जिन गांवों में डीम्ड फॉरेस्ट की भूमि या सरकारी जमीन पर कब्जे हुए हैं, उन पर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। जल्द ही जमीन खाली कराई जाएगी।

राजलदेसर में झाड़ियों व कचरे में मिला नवजात, लोगों ने बचाया

- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नवजात को अस्पताल पहुंचाया

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में शुक्रवार सुबह भावनदेसर रोड स्थित वार्ड संख्या 26-27 के पास झाड़ियों व कचरे के ढेर में नवजात शिशु मिलने से सनसनी फैल गई। सड़क से गुजर रहे राहगीरों को सुबह झाड़ियों की ओर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। लोगों ने पास जाकर देखा तो कचरे और झाड़ियों के बीच नवजात शिशु पड़ा हुआ था। यह देखकर मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पार्षद सुभाष वाल्मीकि, पूर्व पार्षद मिर्जाराम मेघवाल, पूर्व पार्षद ताराचंद वाल्मीकि तथा पन्नालाल पंवार ठेकेदार मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा नवजात को तत्काल राजलदेसर चिकित्सालय पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने नवजात की जांच कर उपचार शुरू किया। एएसआई रोशनलाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में नवजात की हालत ठीक बताई जा रही है। बच्चे के शरीर पर चोट के कुछ निशान भी पाए गए हैं। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। बेहतर उपचार और आवश्यक जांच के लिए नवजात को हायर सेंटर भेजा जा रहा है। झाड़ियों और कचरे के बीच नवजात को छोड़े जाने की घटना सामने आने के बाद कस्बे में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर नवजात को यहां छोड़ने वाले व्यक्ति का पता लगाने तथा घटना की पूरी सच्चाई सामने लाने की मांग की है। लोगों के अनुसार राजलदेसर में इस प्रकार की घटना पहली बार सामने आई है। घटना से लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। समय रहते नवजात के रोने की आवाज लोगों तक पहुंचने और उसे अस्पताल पहुंचाए जाने से उसका उपचार संभव हो सका।

खदान के पानी में डूबने से युवक की मौत

टोंक, (निसं)। निवाई के बहड़ गांव में खनन वाली जगह पर बने गहरे गड्ढे के पानी में डूबने से 18 साल के युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार युवक राहुल खटीक गुरुवार शाम को दोस्तों के साथ घूमने बहड गांव आया था। वह खनन से बनी खाई जहां गहरा पानी भरा हुआ था, जहां वह सेल्फी लेते समय उसका पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गया। हादसे के बाद दोस्तों ने पास की चौकी पुलिस को सूचना दी। बाद में शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने काफी कोशिश के बाद राहुल का शव पानी से बाहर निकाला तथा ग्रामीणों की सूचना के बाद बरौनी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के देर से पहुंचने पर नाराजगी जताई। जिसके बाद उपखंड अधिकारी गंभीर सिंह की समझाईश के बाद और मुआवजे के भरोसे के बाद ग्रामीण शव उठाने को राजी हुए। ग्रामीणों ने बताया कि युवक राहुल के पिता की छह साल पहले मौत हो चुकी है, अब उसकी अचानक मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी अब छोटे भाई पर आ गई है। हादसे से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

चूरू सांसद राहुल कस्वां न्यूयॉर्क जाएंगे

दिल्ली। चूरू सांसद राहुल कस्वां तीन अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क रवाना होंगे। 5 से 11 अक्टूबर तक प्रस्तावित आधिकारिक दौरे में भारतीय संसद सदस्यों का प्रथम दल शामिल होगा, जिसमें चूरू सांसद राहुल कस्वां भी हिस्सा लेंगे। दौरे के दौरान भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेगा। कार्यक्रम के तहत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ संवाद, संयुक्त राष्ट्र राजनयिक जीवनसाथी क्लब के वर्ष 2026-27 के उद्घाटन समारोह, यूनिसेफ के साथ संवाद तथा संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद निरोधक कार्यालय के साथ बैठक प्रस्तावित है। अंतरराष्ट्रीय कपास दिवस पर आयोजित कार्यक्रम, फ्रांस के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत जेरोम बोनाफोंट के साथ संवाद, सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट पर चर्चा, हिंदी दिवस समारोह तथा रवांडा के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत मार्टिन के. नगोगा के साथ बैठक आदि कार्यक्रमों में प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

जोधपुर में निजी बस में पीछे से घुसा ट्रोला, बड़ा हादसा टला

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती झंवर पुलिस थाना क्षेत्र के लूणवास खारा गांव के समीप गुरूवार की देर रात एक ट्रक ट्रोला निजी बस के पीछे से घुस गया। हादसे के बाद ट्रोला के केबिन में भीषण आग लग गई। समय रहते चालक उतर कर भाग गया। निजी बस में सवारियां भरी थी और यह बालोतरा से जोधपुर की तरफ आ रही थी। सवारियां चोटिल होने से बच गई। देर रात बाद में बस में बैठी सवारियों को अन्य साधन से भिजवाया गया। दोपहर तक पुलिस में किसी प्रकार की रिपोर्ट नहीं दी गई है।

झंवर थानाधिकारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि गुरूवार की रात में लूणवास खारा गांव के पास में एक ट्रक ट्रोला में आग की सूचना मिलने पर वे वहां पहुंचे थे। मौका पड़ताल से पता लगा कि ट्रक ट्रोला में टाइल्स भरी थी। यह ट्रोला अपने से आगे चल रही एक निजी बस के पीछे से घुस गया था, जिसके बाद उसके केबिन में आग लग गई। आग से केबिन और आगे के टायर जल गए। बाद में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड और शास्त्रीनगर दमकल स्टेशन से गाड़ियों ने पहुंच कर आग पर काबू पाया। थानाधिकारी प्रहलाद सिंह के अनुसार निजी बस बालोतरा से जोधपुर की तरफ आ रही थी। उसके आगे संभवत: कोई अन्य साधन आने पर चालक करणाराम ने अचानक से ब्रेक लगाया तब ट्रक ट्रोला पीछे से घुस गया। बस में सवारियां भी थी, मगर वे चोटिल होने से बच गई। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है, ट्रक ट्रोला का चालक बाद में फरार हो गया।

28 किलो डोडा-पोस्त जब्त

जोधपुर, (निसं)। जिला पश्चिम की स्पेशल टीम और कुड़ी पुलिस ने फिटकासनी गांव में डोडा-पोस्त के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोप के पास से 35 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया गया। टीम प्रभारी एसआई महादेव प्रसाद को मुखबिरी सूचना मिली कि सुनील के पास सेमादक पदार्थ बरामद हो सकता है।

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,
Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2026-27/8232 Date :- 02/10/2026

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 10-12-2026 for Establishment and Upgradation of 1. Dept. of Neurosurgery, Total Approx. Cost Rs. 31,10,00,000.00, 2. Dept. of Urology, Total Approx. Cost Rs. 9,00,00,000.00 on Turn Key Basis along with Medical Equipment at Existing Building of RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in. UBN: CMS2627GLOB00063-64

Raj.Samwad/C/26/11197 Principal & Controller

मकान से जेवर व नगदी चुराई

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में सूने मकान का चोर ताला तोड़कर जेवरात व नगदी चुरा ले गए। अन्यत्र सायरा कस्बे में सूने मकान से चोर बाइक व जेवरात चुरा ले गए।

पीड़ित राजेन्द्र दवे पुत्र मनोहरलाल दवे निवासी मीरा नगर के सूने मकान का चोर 12 सितंबर को ताला तोड़ कर चांदी के बर्तन, चार गिलास, 4 जोड़ी पायल, 25 हजार रूपये नगदी चुरा ले गए। घटना वाले दिन पीड़ित शास्त्री सर्कल बैंक गए थे। वापस लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा होकर जेवरात व नगदी गायब थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इसी तरह सायरा थाना क्षैत्र देवड़ों का गुडा सेमड़ गांव निवासी प्रतापसिंह के सूने मकान का चोर दो माह पूर्व ताला तोड़ कर चांदी की दो पायल जोड़ी, दो अंगूठियां चुरा ले गए।

हथियार सहित आरोपी को पकड़ा

बून्दी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थल पर धारदार तलवार लहराते हुए आरोपी को गिरफ्तार एक धारदार तलवार को जब्त किया।

एसपी अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने चित्तौड़ रोड पर तलवार लहराते हुए कुणाल सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इन्ह3ोंने बताया कि 2 अवटूबर को गश्त के दौरान एएसआई जितेंद्र सिंह को चित्तौड़ रोड पर तानसेन राईस मिल के पास एक व्यक्ति हाथ में तलवार लहराते हुये दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे घेर कर आरोपी कुणाल सिंह को तलवार को कब्जे में रखने पर गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड-तारानगर (राजस्थान) 331304

exennphed trn@rediffmail.com, eetar.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक-1217-1228 दिनांक-30.09.2026

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS (Short term notice)

Offline tenders are hereby invited on behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan for the following works from eligible enlisted Contractor/ Firm as per Rules. Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIT exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in,http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Online Tenders are to be submitted on web site. Tender fee shall be submitted through e-GRAS only in respective budget head and bid security as per Annexure. Offline Tendar website submitted Last Date & time For submission Up to 08-10-2026 (02:00 PM) and

Sr. NO.	NIT No.	UBN No.
1	52/2026-27	PHE2627GSOB06262
2	53/2026-27	PHE2627GSOB06263
3	54/2026-27	PHE2627WSOB06264
4	55/2026-27	PHE2627WSOB06266
5	56/2026-27	PHE2627WSOB06267
6	57/2026-27	PHE2627WSOB06268

SAVE WATER - SAVE LIFE

DIPR/C/______/2026

Executive Engineer,
PHED Division Taranagar
Contact: 98871-81073

युवक की मौत के मामले में तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

- पुलिस-प्रशासन से सहमति के बाद परिजनों ने शव उठाया

जोधपुर, (कासं)। उदयमंदिर आसन क्षेत्र में पुलिस की दबिश के दौरान मकान की छत से कूदकर हुई सद्दाम की मौत के मामले में करीब 24 घंटे से चला आ रहा गतिरोध गुरुवार देर रात समाप्त हो गया। मृतक के परिजनों और पुलिस-प्रशासन के बीच देर रात हुई बातचीत के बाद सहमति बनी, जिसके पश्चात परिजनों ने धरना समाप्त कर शव उठाने पर सहमति दे दी। मामले में नागौरी गेट थाने के तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है।

मृतक सद्दाम के भाई अनीश की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर कांस्टेबल रायचंद सहित अन्य के खिलाफ हत्या, साजिश और लज्जा भंग सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। शव उठाने को लेकर सहमति बनने के बाद देर रात मेडिकल बोर्ड का गठन कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजन शव को लेकर रवाना हुए।

जानकारी के अनुसार घटना के बाद मृतक के परिजन और समाज के लोग कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए थे। परिजनों की मांग थी कि घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मामले को लेकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत की। करीब 24 घंटे चले गतिरोध के बाद देर रात दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी। समझौते के तहत पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और प्रकरण दर्ज किए जाने के साथ ही पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर से विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर दिया।

ट्रेन की चपेट से युवती की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के सांगरिया स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर पटरी पार कर रही एक युवती ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता की तरफ से विवेक विहार थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि मूलत: रोहिचाकलां लूणी हाल रामदेव कॉलोनी सांगरिया की रहने वाली 24 साल की प्रियंका पुत्र हराराम मेघवाल सांगरिया रेलवे स्टेशन पर क्रॉसिंग से पटरी पार कर रही थी। तब अचानक ट्रेन की चपेट में आ गई।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, पिकअप बरामद

- आरोपी चोरी की पिकअप को बेचने की फिराक में घूम रहा था

बून्दी, (निसं)। संत निरंकारी भवन के पास देवपुरा से चोरी की गई बोलेरो पिकअप चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए चोरी के आरोपी युसुफ खान को गिरफ्तार कर चोरी गई पिकअप को सदर थाना पुलिस ने बरामद किया है।

बून्दी पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान में सदर थानाधिकारी भंवरसिंह नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने संत निरंकारी भवन के पास देवपुरा से चुराई गई बोलेरो पिकअप चोरी के आरोपी युसुफ खान को गिरफ्तार कर चोरी गई पिकअप को सदर थना पुलिस ने बरामद किया। एक मीनार मस्जिद के पास छावनी थाना गुमानपुरा कोटा निवासी आरोपी युसुफ खान चोरी गई पिकअप को हुलिया बदल कर बेचने की फिराक में घूम रहा था।

उन्होंने बताया कि फरियादी लक्ष्मण लाल राठौर निवासी तेलीपाडा हाल संत निरंकारी भवन के सामने बून्दी ने सदर थाना में रिपोर्ट करवाते हुए बताया था कि 16 सितम्बर की शाम को प्रार्थी के ड्राइवर धर्मराज गुर्जर ने बोलेरो पिकअप को अपने गोदाम के बाहर संत निरंकारी भवन के सामने लक्ष्य मेडिकल के पीछे देव नगरी देवपुरा बून्दी में खड़ी करके अपने घर पर चला गया था जो, 17 सितंबर की सुबह गोदाम के बाहर पिकअप गाड़ी नहीं मिली।

सादुलपुर में धानोठी बड़ी गांव के सरकारी स्कूल में शिक्षकों के पांच पद रिक्त

- विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा
- सात दिन में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी

विद्यालय में रिक्त पड़े शिक्षकों के पदों को भरने की मांग को लेकर विद्यार्थियों ने रैली निकाली।

सादुलपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत धानोठी बड़ी में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में लंबे समय से महत्वपूर्ण शैक्षणिक पद रिक्त पड़े हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई निरंतर प्रभावित हो रही है। इसको लेकर शुक्रवार को छात्र-छात्राएं ग्रामीणों, अभिभावकों के साथ सड़क पर उतर आए तथा कृषि उपज मंडी राजगढ़ से हाथों में तिरंगा व स्लोगन लिखी तख़्ती लेकर बस स्टैंड, नंद प्लाजा, सांखू चौराहा होते हुए अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां के.डी. शर्मा को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के मार्फत शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा तथा सात दिवस में मांग पूरी नही होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन में बताया गया कि विद्यालय में विज्ञान (वरिष्ठ अध्यापक), संस्कृत (वरिष्ठ अध्यापक), हिंदी (वरिष्ठ अध्यापक), पुस्तकालय अध्यक्ष तथा उप प्रधानाचार्य पद लंबे समय से रिक्त हैं। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यही विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमुख माध्यम है। ग्रामवासी, अभिभावक एवं विद्यार्थियों ने मांग की है कि ज्ञापन प्राप्त होने की तिथि से 7 दिन के भीतर रिक्त पदों को भरने की आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा सुचारू रूप से संचालित हो सके। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि 7 दिवस की निर्धारित अवधि में समाधान हेतु प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो ग्रामवासी, अभिभावक एवं विद्यार्थी कानून एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए धरना-प्रदर्शन तथा अन्य वैधानिक कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे।

ज्ञापन देने वालों में कुलदीप, नरेश, आरजू, सारिका, सुष्मिता, शर्मिला, पिंकी, आईना, शाहीन, कोमल, अंतिम, प्रीति, हिंदू, किरण, पूजा, मुक्ता, पीयूष, निकिता, खुशी, प्रीति, भूमिका, सिमरन सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी अक्टूबर, 2026

296 आवासीय/ व्यावसायिक एवं अन्य भूखण्ड

88 व्यावसायिक भूखण्ड
- 12 दीनदयाल नगर, जयपुर
- 11 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर
- 08 कृष्णा सिटी, जयपुर
- 05 रियासत निर्वाणा (निजी खातेदारी) योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/3497
- 05 यमुना विहार जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/3622
- 04 चेतन विहार जयपुर
- 04 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर
- 04 संतोष विला ब्लॉक-बी योजना, जयपुर
- 04 द रियासत रेजीडेन्सी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033
- 03 खुशी संसार योजना जयपुर
- 02 गनक एनक्लेव योजना, जयपुर
- 02 हरित विहार योजना जयपुर
- 02 श्रीनाथ एनक्लेव तहसील-बस्सी जयपुर
- 02 दी रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
- 02 दी ग्रेटर जगतपुरा योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2024/2926
- 02 हनुमान नगर-एच जयपुर
- 01 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर
- 01 अनिरूद्ध एनक्लेव योजना जयपुर
- 01 डायमण्ड सिटी योजना जयपुर
- 01 गोल्डन रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2595
- 01 गोविंदम आश्रम योजना, जयपुर
- 01 गोविंदपुरा करधनी डी-ब्लॉक स्कीम, जयपुर
- 01 हनुमान वाटिका - ए-1 योजना, जयपुर
- 01 संस्थानिक योजना ग्राम-दहमी कलां, जयपुर
- 01 कन्हैया कुंज, जयपुर
- 01 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर
- 01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
- 01 रामचन्द्रपुरा योजना तह. सांगानेर ERCP योजना, जयपुर
- 01 शौर्य नगर योजना, जयपुर
- 01 सिंवार सिटी योजना, जयपुर
- 01 टाईम्स ईस्टेट फेज-II, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2024/3671
- 01 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1799

106 मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - बुरथल जयपुर
- 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सिरोली जयपुर
- 05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - कानडवास जयपुर
- 04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - गोनेर जयपुर
- 05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अभयपुरा जयपुर
- 04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खटवाड़ा जयपुर
- 14 रिंग रोड परियोजना ग्राम - मुहाना जयपुर
- 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - पीपला जयपुर
- 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - लक्ष्मीपुरा जयपुर
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - गंवारजाटन जयपुर
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सुरजपुरा जयपुर
- 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अचरावाला जयपुर
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - लखेसरा जयपुर
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - हिंगोनिया जयपुर
- 03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - चिमनपुरा जयपुर
- 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - दादिया जयपुर
- 18 रिंग रोड परियोजना ग्राम - बदनपुरा जयपुर
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - मनोरियावाला जयपुर
- 14 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सीतारामपुरा जयपुर
- 02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खेडीगोकुलपुरा जयपुर
- 01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - प्रहलादपुरा जयपुर
- 04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - शिवदासपुरा जयपुर
- 06 रिंग रोड परियोजना ग्राम - श्यामपुरा बुहारिया, जयपुर
- 05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अजयराजपुरा जयपुर
- 05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खेतापुरा जयपुर

67 आवासीय भूखण्ड
- 04 विप्र विहार योजना जयपुर
- 04 स्वर्ण विहार योजना जयपुर
- 06 यस विहार जयपुर
- 01 अटल योजना, जयपुर
- 01 बगरू ग्रीन योजना जयपुर
- 02 आनन्द विहार जयपुर
- 01 पत्रकार कॉलोनी जयपुर
- 01 बीलवा योजना जयपुर
- 02 आनन्द लोक-1 जयपुर
- 01 पटेल नगर योजना जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2588
- 32 अभिनव विहार विस्तार जयपुर
- 06 दीनदयाल नगर योजना जयपुर
- 02 अनुपम विहार जयपुर
- 02 कल्पना नगर योजना जयपुर
- 01 फ्लेटेड हाउसिंग योजना मनोहरपुरा, जयपुर
- 01 ग्राम हरगुन की नागल उर्फ चारनवाला योजना तह.सांगानेर, जयपुर

02 ग्रुप हाउसिंग
- 01 अनन्तपुरा ग्रुप हाउसिंग योजना, जयपुर
- 01 संस्थानिक योजना ग्राम - दहमीकलां जयपुर

रेस्टोरेंट/कैफे
- 01 निलय कुंज फेज-II, जयपुर

09 गोदाम
- 01 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर
- 08 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर

03 सर्विस यार्ड भूखण्ड
- 03 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर

09 निर्मित दुकान
- 05 अण्डरपास (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर) जयपुर
- 04 विद्याधर नगर शॉपिंग सेन्टर, सेक्टर-1, जयपुर

08 दुकान भूखण्ड
- 02 ऑटो मोबाईल शॉप ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर
- 03 विद्याधर नगर शॉपिंग सेन्टर सेक्टर-8 जयपुर
- 03 आनन्द विहार योजना, जयपुर

03 संस्थानिक भूखण्ड
- 01 बसन्त कुंज योजना, जयपुर
- 02 रामचन्द्रपुरा योजना जगतपुरा, जयपुर

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें:
0141-2570678, 2569696, Ex.-7021, 7226, 1128

नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट
www.jda.rajasthan.gov.in
RERA Website : http://rera.rajasthan.gov.in

राज.संवाद/सी/26/11200

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004

''सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान'' अभियान आज से

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में 'सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान 3 से 16 अक्टूबर तक आयोजित होगा।

खोया पाया

मेरा प्लाट 1392, मूर्ति कला विहार जोन 17 रोजडा जयपुर का आवंटन पत्र एवं अन्य दस्तावेज कहीं खो गये है, रमेश चंद शर्मा- 9784892676

मेरे प्लॉट नंबर 13/1075 मालवीय नगर जयपुर का RHB द्वारा जारी ओरिजिनल पजेशन लेटर दिनांक 03/02/2026 को कहीं गुम हो गया है जिसे मिले सूचित करें। राजेश झालानी- 9928001459

नाम परिवर्तन

मैंने अपनी पुत्री का नाम स्वरांजलि गुप्ता से बदलकर स्वरांजलि अग्रवाल पुत्री विष्णु कुमार गुप्ता निवासी465, बान्दरी का नासिक, सुभाष चौक जयपुर रख लिया है, भविष्य में उसे SWARANJALI AGARWAL के नाम से पहचाना जावें।

मैं खुशी शेखावत पुत्री लॉंस हवलदार हुक्म सिंह (No.3008201W) Unit 6 Rajput मेरे पिताजी के सेवा रिकार्ड में मेरा नाम Khusi Shekhawat गलत दर्ज है मेरा सही नाम Khushi Shekhawat है द्वारा शपथ पत्र 15.09.2026 जयपुर

मैने अपना नाम पुष्कर मल गुप्ता से बदलकर पुष्कर गुप्ता पुत्र श्री बसंती लाल गुप्ता निवासी A-13, जय जवानकॉलोनी, टोंक रोड, दुर्गापुरा, रख लिया है। भविष्य में सभी रिकॉर्ड और पत्राचार में मुझे केवल पुष्कर गुप्ता के नाम से ही जाना और संबोधित किया जाएगा। 9828020015

I, Mamta Sharma, wife of Rajesh Kumar Sharma, resident of 184, , Paschim Vihar Colony, Vaishali Nagar, Jaipur, Rajasthan-302021, have changed my son's name is OJASS BOHERA to OJASS BOHRA, I Ought to by Known by this Name.

I army no 16015695N Ex NK/TS Jairam singh resident of vpo bhuranpura teh. shrimadhopur district sikar that i want to change name of my dependent from RAMCHANDRA NITHARWAL to RAMCHANDRA vide affidavit dated 25 sept 2026 before sub divisional magistrate jaipur city south

I have changed my name Suman Kumari Soni to Navita Verma for all legal and future purpose. Address: 112/89, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur 302020

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया है कि हमारे पूजनीय

श्री रामधन विजयवर्गीय

पुत्र स्व.श्री कल्याण बक्स का स्वर्गवास 01/10/2026 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक 03/10/2026 शनिवार सायं 4 से 5 बजे सामुदायिक केन्द्र, महेश नगर जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- शांति देवी (धर्मपत्नी), रामकिशोर, सत्यनारायण, कैलाशचंद्र, गिर्राज प्रसाद (भाई), शंकर, दीपक (पुत्र), राजमल, मदन गोपाल, विष्णु, केदार, ओमशंकर, शिवप्रकाश, गोविन्द, आयुष (भतीजे), C.A. अर्पित, C.A. आदित्य, यमन, द्रोन, गर्वित (पौत्र) एवं समस्त खूटेंटा विजयवर्गीय परिवार (कोटखावदा वाले), निवास-290, सूर्य नगर महेश नगर, जयपुर

9828911806, 6375754320

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित एजुकेशनल इनस्टिट्यूट्स प्रोजेक्ट ''एकेडमिक कैंपस'' खसरा नं. 467, 469, 474, 468/1, 473, 475, 542 एवं 544 गांव देहमी कलां तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान को जिसका भूखंड क्षेत्र 2,69,803.80 वर्ग मीटर तथा निर्मित क्षेत्र 2,76,189.86 वर्ग मीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या No:RJ/25/SEAC2(06)/INFRA2/TOR/0890 दिनांक 11/08/2026 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।

मनिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट ''स्टूडेंट सपोर्ट सर्विसेज एंड हाउसिंग'' खसरा नं. 416, 417, 452, 453, 459, 460, 461 एवं 462 गांव देहमी कलां तहसील सांगानेर जिला जयपुर राज्य राजस्थान जिसका भूखंड क्षेत्र 2,22,475.72 वर्ग मीटर तथा निर्मित क्षेत्र 3,35,916.22 वर्ग मीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या No:RJ/25/SEAC2(06)/INFRA2/TOR/0891 दिनांक 11/08/2026 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।

मनिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

गांव वालों के लिए मैं सरपंच पहले, मुख्यमंत्री बाद में हूं :भजनलाल शर्मा

पंचायतीराज जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गांवों के समग्र विकास की बात कही

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के तक्षशिला ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायतीराज जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम में कहा कि, ''गांव वालों के लिए मैं सरपंच पहले हूं, मुख्यमंत्री बाद में हूं। उन्होंने अपने सरपंच कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि गांव के व्यक्ति की उम्मीद और समस्या के समाधान का पहला केंद्र सरपंच होता है। ग्रामीण छोटी-छोटी समस्याएं लेकर सरपंच के पास आते हैं, इसलिए किसी भी समस्या को छोटा समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत सबसे छोटी, लेकिन सबसे मजबूत इकाई है। सरकार ''मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान'' के माध्यम से गांवों के सर्वांगीण विकास का रोडमैप तैयार कर रही है। पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी, ऑनलाइन कोचिंग और ई-मित्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के तक्षशिला ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायतीराज जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंचों को सम्मानित किया।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि, ''पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से हमें खंडहर राजस्थान मिला था, भ्रष्टाचार का आलम था और युवा रो रहे थे।''**
- **सरकारी नौकरियों का आंकड़ा रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा ''अगर कांग्रेसियों की गणित कमजोर हैं तो ट्यूशन लगवा दूंगा।''**

मुख्यमंत्री ने कहा कि, पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि करीब ढाई साल पहले जब हमारी सरकार बनी तो हमें खंडहर जैसा राजस्थान मिला था। जैसे कोई पुराना मकान जगह-जगह से टूटा-फूटा हो और उसे संभालने से पहले यह देखना पड़े कि काम कहां से शुरू किया जाए, वैसी ही स्थिति प्रदेश की थी। भ्रष्टाचार का आलम था, युवा रो रहे थे और किसानों की हालत खराब थी। हमने सभी से चर्चा की और सबसे पहले पानी तथा बिजली के क्षेत्र में काम शुरू किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने वर्षों से अटके चार महत्वपूर्ण जल समझौतों और परियोजनाओं को आगे बढ़ाया है। इनमें पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना समझौता, किशाऊ और नर्मदा परियोजना शामिल हैं। इसके अलावा देवास, आईजीएनपी, गंगनहर, ब्राह्मणी नदी-बीसलपुर और सोम कमला अंबा-जवाई जैसी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। वर्तमान में 26 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2027 तक पूरे प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी नौकरियों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि जब उन्होंने चार लाख सरकारी नौकरियां देने की बात कही थी, तब कांग्रेस नेताओं ने इसे असंभव बताया था। अब तक करीब 1.94 लाख युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। करीब 1.22 लाख पदों के लिए परीक्षाएं हो चुकी हैं और 1.25 लाख नौकरियों की प्रक्रिया चल रही है। सवा लाख पदों का भर्ती कैलेंडर भी जारी किया गया है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि वे डायरी और पेन लेकर आंकड़े नोट करते जाएं और जोड़ लगाते रहें। यदि उनकी मैथेमेटिक्स कमजोर है तो वे मैथ का ट्यूशन भी लगवा देंगे, ताकि रोज गुणा-भाग करके उन्हें बताया जा सके कि कितनी भर्तियां पूरी हो चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि किसान सम्मान निधि बढ़ाकर 9 हजार रुपए की गई है। इससे 76 लाख से अधिक किसानों को 14400 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। प्रदेश में 150 बीज बैंक भी स्थापित किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 1450 रुपए प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 3 लाख 82 हजार आवास बनाए जा चुके हैं और 4 लाख 53 हजार आवास निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 10 हजार किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कें बनाई गई हैं। करीब 327 अटल प्रगति पथों के लिए 813 करोड़ रुपए स्वीकृत हैं, जिनमें से 282 कार्य पूरे हो चुके हैं। जल जीवन मिशन के माध्यम से 15 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत 7 लाख से अधिक गतिविधियां आयोजित हुई हैं और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत करीब 9 हजार रिचार्ज शाफ्ट बनाए गए हैं। घुमंतू, अर्द्धघुमंतू और विमुक्त आवासहीन परिवारों को 52 हजार से अधिक पट्टे तथा स्वामित्व योजना के तहत 15 लाख से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 41 हजार से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल गांव घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों के मानदेय में लगातार तीन वर्षों में 10-10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रदेश में 8 नई जिला परिषदें, 94 नई पंचायत समितियां और 3,467 नई ग्राम पंचायतें बनाई गई हैं। सरकार 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' के संकल्प को भी पूरा कर रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए देवलिया की स्वरूप चौधरी, रूण्डल की मोहिनी देवी, बोराज के सुरेन्द्र सिंह मीणा, आसलपुर की सरला कुमावत और साईवाड़ के राजेन्द्र बुनकर को संदेश पत्र देकर सम्मानित किया।

वहीं धौबलाई के रमेश चन्द शर्मा, दुर्जनियावास के नारायण लाल जाट, बस्सी की नीतू मीणा सहित अन्य सरपंचों ने प्रत्यक्ष और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने अनुभव एवं नवाचार साझा किए। इस अवसर पर पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, शत्रुघन गौतम, महेन्द्रपाल मीणा, कुलदीप धनकड़, सरपंच संघ अध्यक्ष बंशीधर गढवाल सहित प्रदेशभर के पंचायतीराज जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

हरित ऊर्जा प्रसारण को मिलेगा 1.86 लाख करोड़ रु. का सहारा

- **राजस्थान में 13255 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकासी के लिए 5963 सर्किट किमी. लाइन और 35090 एमवीए उपकेन्द्र क्षमता का प्रस्ताव**

जयपुर। देश में बढ़ती अक्षय ऊर्जा क्षमता को विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-3 (जीईसी-3) के तहत 1 लाख 86 हजार 405 करोड़ रुपए की योजना मंजूर की है। इसके तहत देशभर में 135 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकासी, 51126 सर्किट किलोमीटर प्रसारण लाइन, 2 लाख 28 हजार 903 एमवीए उपकेन्द्र क्षमता और 50 गीगावाट घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की जाएगी। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से राजस्थान इस योजना के प्रमुख लाभार्थी राज्यों में रहेगा। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की प्रसारण योजना में राजस्थान के लिए 13255 मेगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा निकासी, 5963 सर्किट किलोमीटर प्रसारण लाइन और 35090 एमवीए उपकेन्द्र क्षमता प्रस्तावित है। इसमें 765 केवी के 7400 केवी के 3 और 220 केवी के 5 जीएसएस तथा संबंधित लाइनों का निर्माण होगा। इनकी अनुमानित लागत 22000 करोड़ रुपए है, जिसमें करीब 6000 करोड़ रुपए केन्द्र की वित्तीय सहायता होगी। नागर ने कहा कि भड़ला, रामगढ़, फतेहगढ़, पूगल (बीकानेर), जैसलमेर-बाड़मेर सहित पश्चिमी राजस्थान में विकसित हो रही सौर एवं पवन परियोजनाओं की बिजली को राज्य के विभिन्न हिस्सों और राष्ट्रीय ग्रिड तक पहुंचाने में यह तंत्र महत्वपूर्ण होगा। इससे प्रसारण क्षमता, ग्रिड की विश्वसनीयता और भविष्य की नवीकरणीय परियोजनाओं को जोड़ने की सुविधा बढ़ेगी। बैटरी भंडारण से सौर ऊर्जा का बेहतर उपयोग और ग्रिड संतुलन भी संभव होगा।

उन्होंने बताया कि जीईसी-2 के तहत राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा पहले ही 659 सर्किट किलोमीटर प्रसारण लाइन और 2191 एमवीए उपकेन्द्र क्षमता के जरिए 2478 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकासी की व्यवस्था की जा रही है। केन्द्र-राज्य समन्वय से राजस्थान में हरित ऊर्जा के प्रसारण ढांचे को और गति मिलने की उम्मीद है।

'पंचायती राज योजनाओं का लाभ पात्रों तक समय पर पहुंचाएं'

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में प्लास्टिक मुक्त राजस्थान के लिए बर्तन बैंक, विधायक कोष और अन्नपूर्णा रसोई की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। पंचायती राज भवनों में घटिया निर्माण मिलने पर इंजीनियर, संबंधित अधिकारी और ठेकेदार की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए। ग्राम सभाओं को प्रभावी बनाने, नए ग्राम सभा रजिस्टर का नमूना तैयार करने तथा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत कार्मिकों को प्रशिक्षण देने को कहा। मंत्री ने गांवों में निर्मित शौचालयों की कार्यशीलता, सामुदायिक शौचालय, स्वच्छता और तालाबों से जुडे कार्यों की समीक्षा करते हुए खुले बोरवेल ढकने का अभियान चलाने के निर्देश दिए। श्मशान स्थल, खेल मैदान और मृत पशुओं के निस्तारण के लिए नोडल अधिकारी तय करने तथा आबादी एवं चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की समीक्षा भी की।

गांवों में शीघ्र लगेंगी स्ट्रीट लाइट : दिलावर

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट/रोड लाइट व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने रात्रिकालीन आवागमन को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए स्ट्रीट लाइट लगाने का काम प्राथमिकता से चरणबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में मुख्य बस्तियों, प्रमुख मार्गों, बाजार, बस स्टैंड, पंचायत भवन, विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र और स्वास्थ्य केन्द्र सहित महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कच्ची बस्तियों तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की बस्तियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जहां बिजली उपलब्ध नहीं है अथवा नियमित आपूर्ति संभव नहीं है, वहां आवश्यकता के अनुसार सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट लगाने को कहा गया। उन्होंने स्वीकृति, जियो-टैगिंग, फोटो अपलोड और ऑनलाइन निगरानी सहित पूरी प्रक्रिया ई-पंचायत पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी रखने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाए तथा जिला एवं राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा कर निर्धारित समय में लक्ष्य पूरे किए जाएं।

असम के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने किया सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का भ्रमण

जनसम्पर्क आयुक्त राकेश शर्मा ने राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं व नवाचारों की जानकारी दी

जयपुर। असम से राजस्थान भ्रमण पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के दल ने गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा से मुलाकात की।

इस दौरान शर्मा ने इन्फ्लुएंसर्स के राजस्थान भ्रमण के अनुभवों की जानकारी ली तथा उनके सुझाव आमंत्रित किए। शर्मा ने राज्य और केन्द्र सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के राज्य में क्रियान्वयन, सफलता और नवाचारों की जानकारी दी।

आयुक्त राकेश शर्मा ने विभाग के प्रमुख कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं उपलब्धियों की जानकारी विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए आमजन तक पहुंचाने का कार्य किया जाता है।

इस दौरान इन्फ्लुएंसर्स से राजस्थान की कला-संस्कृति, विरासत, पर्यटन एवं स्थानीय विशिष्टताओं के अनुभवों पर भी चर्चा की गई। साथ ही, उन्होंने असम की संस्कृति, कला एवं वहां की विशिष्टताओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

असम से राजस्थान भ्रमण पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के दल ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा से मुलाकात की।

इन्फ्लुएंसर्स के दल ने इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण किया तथा विभागीय कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

ज्ञात रहे कि यह दल 27 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक राजस्थान के विभिन्न संभागों एवं जिलों का भ्रमण कर रहा है। इस अवसर पर सहायक निदेशक कौशल्या, सहायक निदेशक पूनम खंडेलवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले युवक को 20 साल की सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर प्रथम ने नाबालिग को अपने साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त सुरेश को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने 23 साल के इस अभियुक्त पर डेढ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की आरे से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के पिता ने 19 अगस्त, 2025 को बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अभियुक्त ने उसकी पन्द्रह साल की बेटी से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती की थी। जनवरी, 2024 में पीडिता अपनी बहन के साथ गोपालपुरा इलाके में रहती थी। इस दौरान अभियुक्त ने पीडिता की सोशल मीडिया आईडी के पासवर्ड और मोबाइल नंबर बदल दिए और उस आईडी से रिश्तेदारों को मैसेज करने लगा। इस दौरान अभियुक्त 27 जून, 2025 को पीडिता को अपने साथ होटल ले गया और उसके साथ संबंध बनाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो दिन बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत में घटना दोहराते हुए कहा कि अभियुक्त ने पास उसकी बहन और कई सहेलियों के नंबर भी थी। अभियुक्त ने यह नंबर कई लडकों को दे दिए। जिससे उन सभी के पास फोन आने लगे। जब तक पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार नहीं किया तब तक उसने उसकी बहन का फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट भी बना लिया और उसकी कई फोटो वायरल कर दी। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से अपने बचाव में कहा गया कि पीडिता की बडी बहन के साथ अभियुक्त की शादी की बात चली थी, लेकिन रिश्ता नहीं हो पाने की वजह से उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक:-एफ ()/ न.नि.ज./ मा0 न0 जोन /2026/3389

सार्वजनिक सूचना दिनांक : 01/10/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 34, योजना सुदामा नगर सोसायटी दी राज इम्प्रुवमेन्ट ट्रस्ट जयपुर का पट्टा विलेख जिसका कुल क्षेत्रफल 557.17 वर्गगज का श्री मोहन लाल सैनी पुत्र श्री छित्तर मल सैनी के नाम से दिनांक 06.04.2002 को जारी किया गया है। मूल पट्टेधारी श्री मोहन लाल सैनी पुत्र श्री छित्तर मल सैनी का स्वर्गवास दिनांक 16.12.2002 को हो गया है। आवेदक के द्वारा न्यायालय जिला न्यायधिश जयपुर नगर जयपुर के द्वारा जारी विविध उत्तराधिकार प्रमाण पत्र क्रमांक 231/2013 श्रीमती गुलाब देवी पत्नि श्री मोहन लाल सैनी बनाम श्री दिनेश चन्द सैनी पुत्र श्री मोहन लाल सैनी प्रस्तुत किया गया है। श्री मोहन लाल सैनी पुत्र श्री छित्तर मल सैनी की पत्नि श्रीमती गुलाब देवी के द्वारा जरिये पैतृक सम्पत्ति का रजि0 हक त्याग दिनांक 02.09.2019 के द्वारा भूखण्ड संख्या 34 क्षेत्रफल 533.33 का अपने 1/2 हिस्से का हक त्याग श्री दिनेश चन्द सैनी पुत्र श्री मोहन लाल सैनी के पक्ष में किया गया। आवेदक श्री दिनेश चन्द सैनी पुत्र श्री मोहन लाल सैनी के द्वारा दिनांक 02. 09.2019 को निष्पादित पैतृक सम्पत्ति का रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र के आधार पर नाम हस्तानान्तरण चाहा गया है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार भूखण्ड संख्या 34, योजना सुदामा नगर सोसायटी दी राज इम्प्रुवमेन्ट ट्रस्ट जयपुर का नाम हस्तान्तरण नगर निगम जयपुर के द्वारा श्री दिनेश चन्द सैनी पुत्र श्री मोहन लाल सैनी के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर

सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा प्लाट श्री श्योजी राम जाट पुत्र श्री हरबक्स जाट के नाम, प्लाट नं. 8, हनुमान नगर पांच योजना, ग्राम निमेड़ा, सिरसी रोड़, जयपुर में है, जो143वर्ग गज का है। जिसके मूल दस्तावेज हमारे खो गये है, जिसके संबंध में FIR LR No. 3299054/2026 दिनांक 30/09/2026 भी दर्ज करवाई गई है।
यदि किसी व्यक्ति को मिले तो सूचित करें। मेरे द्वारा दी सांगोनर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि किस आपत्ति है तो कोई मुझे और सोसाइटी में संपर्क करें तों 7 दिन मे प्रस्तुत करे.
नामःगजेंद्र राजोरिया पुत्र प्रभू लाल राजोरिया
मो.:9784547694

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फ्लैट नम्बर जी-1, प्लॉट नम्बर 73, वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिस पर श्री संदीप जैन ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त फ्लैट के असल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखे हैं तथा एक फ्लैट नम्बर 201, फर्स्ट फ्लोर, प्लाट नम्बर 55, इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिस पर मुस्कान जैन एवं श्री संदीप जैन ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त फ्लैटस् के असल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखे हैं। यह कि संदीप जैन का दिनांक 19.08.2026 ईस्वी को स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त फ्लैटस् के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब उक्त दोनों फ्लैटस् के असल दस्तावेजों को मुस्कान जैन पुत्री स्वर्गीय श्री संदीप जैन प्राप्त करना चाहती हैं यदि इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथी से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, सी-25, भगवन्त दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर, राजस्थान में सम्पर्क करें। सूचित रहें, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जावेगी।

दिनांक-02/10/2026
स्थान- जयपुर
48277 R/751/2007
Adv. Shashank Tikkiwal, 9166400777

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी को सुचना
(आदेश 41 के नियम 14)
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम 04, कोटपूतली, जिला कोटपूतली बहरोड
बउनवान- भैरू सिंह वगैरह बनाम ओमप्रकाश वगैरह
मुकदमा न. 01/2021 (9/2026) CIS No. न. 18/2026
आगामी तारीख पेशी 17.10.2026
यह कि प्रत्यार्थीगण / प्रतिवादीगण-1. गोविन्द गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश महाजन
2. मनोज गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश महाजन निवासीयान मैड हाल कैलाशपुरी ए 41 जलमहल के सामने, दरबार होटल के पास जयपुर जिला जयपुर।
उक्त अपीलाण्टगण/वादीगण 1. भैरू सिंह 2. हनुमान सिंह 3. सुरज्ञान सिंह
4. अवण सिंह पुत्रान गोपाल सिंह 5. भूमिका कंवर पुत्री जीवन सिंह 6. साक्षी कवंर पुत्री जीवन सिंह 7. कर्ण सिंह 8. रेवत सिंह पुत्रान अमर सिंह 9. सोहन कंवर पत्नी अमर सिंह निवासीयान छीड तन मैड तहसील विराटनगर, ने इस न्यायालय में उक्त याचिका जेर प्रार्थना दीवानी प्रथम नियमित अपील अंतर्गत धारा 96 आदेश 41 नियम 1 सपठित धारा 151 सीपीसी विरूद्ध निर्णय व डिकी विराटनगर न्यायालय बउनवान भैरूसिंह बनाम ओमप्रकाश वगैरह मुकदमा न0 21/2007 आदेश दिनांक 02.12.2020, के निष्पादन हेतु आवेदन किया है।
अतः आपको आदेश चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 17.10.2026 को समय 10.30 ए.एम में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटरा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
आदेश आज दिनांक 26.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
मोहर अदालत
डॉ. सुरेश कुमार
अपर जिला न्यायाधीश क्रम-04
कोटपूतली, जिला-कोटपूतली-बहरोड

''इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान में डेटा का महत्व एवं भूमिका'' पर चर्चा

आयुर्वेद सभी चिकित्सा पद्धतियों की जननी : राज्यपाल बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महात्मा गांधी सत्य को ईश्वर का सर्वोच्च रूप मानते थे। सत्याग्रह का उनका दर्शन यह था कि अन्याय के खिलाफ बिना हिंसा के नैतिकता के बल पर प्रतिकार किया जाए। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन की चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्र के लिए समर्पित उनका जीवन नैतिकता से ओतप्रोत था। उन्होंने गांधी और शास्त्री जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आ ान किया। उन्होंने इन दोनों की जयंती पर शोध पर आधारित इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धित में डेटा के महत्व से जुड़े आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

बागडे शुक्रवार को महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस में ''इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान में डेटा का महत्व एवं भूमिका'' विषयक संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इलेक्ट्रोपैथी को भी पेड़ पौधों के अर्क से तैयार पैथी बताते हुए कहा कि आयुर्वेद ही सभी चिकित्सा पद्धितयों का जननी है। उन्होंने बख्तियार खिलजी द्वारा नालंदा के पुस्तकालय को आग लगाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे महान आयुर्वेद के ज्ञान से जिस खिलजी का इलाज किया गया, उसने उसी को नष्ट करने का प्रयास किया। राज्यपाल ने लाल बहादुर शास्त्री के जीवन की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वह घर खर्च के लिए पत्नी को पचास रुपये देते थे। एक बार कोई उनके पैसे मांगने के लिए आया। पत्नी ने अपनी बचत में से यह रूपये उपलब्ध कराए। शास्त्री जी ने बाद में यह बचत के पैसे भी अपनी तनख़ाह से लेना बंद कर दिया। शास्त्री जी राष्ट्र के प्रति सदा समर्पित रहे। उन्होंने गांधी के सत्याग्रह और अहिंसा की संस्कृति को राष्ट्र की निधि बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने पर जोर दिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

हरिजन सेवक संघ, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव संजय राय ने मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी के जीवन दर्शन आलोक में कहा कि सत्य अंतिम नहीं होता। उन्होंने कहा कि समय और नवीन संदर्भों में व्यक्ति सदा नया होता है, उसका कल का सत्य और बेहतर बनने की प्रक्रिया में आगे बढ़ता है। विधायक गोपाल शर्मा ने गांधी और शास्त्री जी के जीवन आलोक को अनुकरणीय बताया तथा कहा कि भारतीय संस्कृति में सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, ईमानदारी और नैतिकता के पावन संदेशों का प्रवाह उन्होंने किया। इससे पहले हेमन्त सेठिया ने कहा कि इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धित को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की सादगी के जीवन की प्रेरणा से प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2018 में इस पद्धित को सरकारी मान्यता मिली। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से हर्बल पद्धित है और इससे अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए इसके डेटा के महत्व पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। राज्यपाल ने इससे पहले महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

संख्या प्रशासन-12011 (16)/6/2024-ईऑफिस
भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
(प्रशासन अनुभाग)

मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, सेंट्रल ड्रग्स टेस्टिंग लेबोरेटरी, मुंबई में नीचे दी गई पोस्ट को डेप्युटेशन (शॉर्ट टर्म कॉन्ट्रैक्ट सहित) से भरने के लिए एलिजिबल कैंडिडेट्स से एप्लीकेशन मंगा रहा है। इंटरेस्टेड कैंडिडेट्स से रिक्वेस्ट है कि वे एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ में इस एडवर्टाइजमेंट के पब्लिश होने की तारीख से 60 दिनों के अंदर सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO), FDA भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली-110002 पर नीचे साइन करने वाले को एप्लीकेशन पूरे बायो-डेटा के साथ जमा करें।

2. अधिक जानकारी के लिए कृपया मंत्रालय की वेबसाइट https://www.mohfw-dohfw.gov.in या CDSCO की वेबसाइट https://cdsco.gov.in देखें।

क्रम संख्या	पद का नाम	7वें CPC के अनुसार वेतन	पदों की संख्या	जिस ऑफिस के लिए पोस्ट भरी गई है,
1	उप निदेशक	7वें सीपीसी का वेतन स्तर-12 (रु.78,800/--2,09,200/-)	सी 1	सीडीटीएल, मुंबई

CBC 17194/11/0019/2627
(रंजन डोलै)
उप निदेशक (प्रशासन)

भारत के लिए टेस्ट खेलने का सपना अब पूरा होना मुश्किल है, लेकिन उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह एकदिवसीय और टी20 प्रारूप में देश के लिए फिर खेलने का मौका हासिल करने की कोशिश जारी रखेंगे। – युजवेंद्र चहल

भारतीय गेंदबाज, वनडे क्रिकेट में संन्यास लेने का फैसला किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरू धांडा

भारतीय ट्रैप निशानेबाज नीरू धांडा को एशियाई खेलों के समापन समारोह में भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। समापन समारोह 4 अक्टूबर को मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। नीरू ने इन एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है। वह इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत की प्रमुख पदक विजेताओं में शामिल रही हैं। नीरू ने महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा और एशियाई खेलों में ट्रैप निशानेबाजी की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता है और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले 1982 में भारत ने गोल्ड जीता था।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने खत्म किया 44 साल का सूखा

चीन को हराकर जीता स्वर्ण

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफिकेशन भी हासिल किया

आइची-नागोया, 2 अक्टूबर। 44 साल का इंतजार खत्म हुआ और भारतीय महिला हॉकी ने एशियाई खेलों में इतिहास रच दिया। भारतीय महिला टीम ने फाइनल में मौजूदा एशियाई चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने सीधे लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

भारतीय टीम के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि महिला हॉकी में भारत ने आखिरी बार 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों में पदक जीता था। इसके बाद 44 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारतीय बेटियों ने फिर एशियाई खेलों के मंच पर स्वर्णिम इतिहास रचा और तिरंगा शान से लहराया। फाइनल में भारत के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने 10वें मिनट में किया। साक्षी से मिले पास को हासिल करने के बाद लालरेमसियामी ने शानदार अंदाज में घूमकर तेज टॉमहॉक शॉट लगाया, जो चीनी गोलकीपर को छकाते हुए गोल के कोने में जा पहुंचा। यही गोल अंत तक भारत की जीत का आधार बना।

पहले हाफ के अंत तक भारत 1-0 से आगे था। दूसरे हाफ में चीन ने गेंद पर अपना कब्जा बढ़ाया और भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। 33वें मिनट में चीन को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय खिलाड़ियों ने गोललाइन पर शानदार बचाव किए और चीन के हर प्रयास को नाकाम किया। आखिरी 15 मिनट में चीन ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी। अंतिम चरण में चीन ने अपना गोलकीपर भी बाहर बुलाकर एक अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी उतारा, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने हर हमले को नाकाम कर दिया। भारत ने आखिरी मिनटों में गेंद को सुरक्षित रखते हुए समय निकाला और आखिरकार अंतिम हूटर बजते ही ऐतिहासिक जीत पर मुहर लग गई।

इस स्वर्ण के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने न केवल 44 साल बाद एशियाई खेलों में पदक जीता, बल्कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन भी हासिल कर लिया। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद भारतीय महिला हॉकी के लिए यह वापसी बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले भारतीय महिला हॉकी टीम ने 1982 के दिल्ली एशियन खेलों में स्वर्ण जीता था।

टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा गोल दीपिका ने किए। उन्होंने 21 गोल दागे। नवनीत कौर 10 गोल के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि चीन की जियाकी झोंग ने 9 गोल किए। भारत की इस ऐतिहासिक जीत ने एशियाई खेलों में देश के लिए एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया।

स्वर्ण पदक के लिये आमने-सामने होगी भारत-पाक की क्रिकेट टीमें

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। एशियाई खेलों के क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारत और पाकिस्तान की टीमें स्वर्ण पदक के लिए आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें शनिवार को करोगी स्पोर्ट्स पार्क में पुरुष क्रिकेट के स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगी। भारत की नजर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने पर होगी।

हांगझोउ 2023 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का यह एशियाई खेलों में क्रिकेट का दूसरा अभियान है। अब तक खेले गए पांच मुकाबलों में भारत और पाकिस्तान का सामना नहीं हुआ था। महिला क्रिकेट में भी दोनों टीमें इस संस्करण में आमने-सामने नहीं आईं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम ने हाल ही में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता है।

दोनों टीमों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले बारिश के कारण धुल गए थे और सेमीफाइनल ही एशियाई खेलों में उनका पहला मुकाबला था। अब भारत और पाकिस्तान पहली बार एशियाई खेलों में एक-दूसरे के खिलाफ उतरेंगे और मुकाबले में स्वर्ण पदक दांव पर होगा।

भारतीय टीम: वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन, अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, विप्रज निगम।

पाकिस्तान टीम: साहिबजादा फरहान (कप्तान), माज सदाकत, उस्मान खान (विकेटकीपर), साइम अयूब, हसन नवाज, अब्दुल समद, अराफात मिन्हास, अहमद दानियाल, मोहम्मद वसीम जूनियर, अबरार अहमद, सुफयान मोकिम, साद मसूद, अली रजा, आकिफ जावेद, हैदर अली।

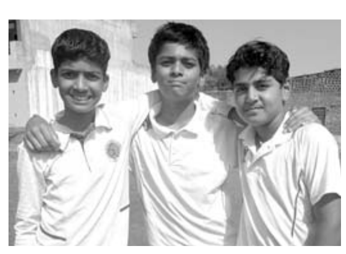

केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 2 अक्टूबर। अंडर-12 डीएसए कप में केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 347 रन 6 विकेट का नुकसान किया। राजवंश ने 198, जयजयन्त ने 47 और हिमांश ने 35 बल्लेबाजों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से आरुष भारद्वाज ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए शास्त्री क्रिकेट अकादमी 24 ओवर में 42 रन पर ऑल आउट हो गई। केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी की ओर से हिमांशु ने 4 और मोनिका जाट ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच राजवंश को चुना गया।

ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन

राजस्थान के 10 खिलाड़ी आगे बढ़े

जयपुर, 2 अक्टूबर। मेजबान राजस्थान के खिलाड़ियों का ऑल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता क्वालिफाइंग मुकाबलों के दूसरे दौर में भी प्रदर्षन संतोषजनक रहा। शुक्रवार को राजस्थान के आठ खिलाड़ियो ने अपने मुकाबले जीतकर मुख्य ड्रॉ की ओर कदम बढ़ा लिए। यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम के 20 कोर्टा पर चल रही प्रतियोगिता में राजस्थान के सात्विक अग्रवाल, उत्कर्ष सिंह राठौड़, सिद्धांत देव, लक्ष्यराज सिंह नाथावत, मानस परमार, आर्यन प्रजापत, आराध्या सोनी, खुषी शर्मा, रिद्धी बत्रा, काव्या चौधरी ने दूसरा दौर पार कर लिया।

लड़को के अंडर-17 आयु वर्ग में सात्विक अग्रवाल ने गुजरात के विषाग्र को 15-8, 15-9 से, मानस ने चंडीगढ़ के आर्यदेव सिंह को 15-5, 15-10 से, आर्यन प्रजापत ने मध्य प्रदेष के सिद्धांत गुर्वे को 15-12, 10-15, 15-6 से हराया। लड़को के अंडर-15 आयु वर्ग में उत्कर्ष सिंह राठौड़ ने हरियाण के उत्कर्ष चौहान को 15-10, 15-5 से, सिद्धांत ने उत्तराखंड के ओम को 15-9, 15-13 से, लक्ष्यराज सिंह नाथावत ने तेलंगाना के निष्चय गार्गी को 17-15, 15-8 से पराजित किया।

लड़कियों के अंडर-15 आयु वर्ग में खुषी शर्मा ने महाराष्ट्र की साइना को 15-7, 15-9 से, रिद्धि बत्रा ने महाराष्ट्र की रिषिका रासल को 15-2, 15-3 से, आराध्या सोनी ने अरूणाचल प्रदेष की डिचूम लिखा को 15-8, 15-11 से हराया। काव्या चौधरी को तेलंगाना की मान्या एमपी से वॉक ओवर मिला। राजस्थान की नविष्टि माहेष्वरी तेलगांना की सितु साइ केएन से 13-15, 8-15 से हार गई। इसके अलावा राजस्थान के ही आरव अग्रवाल, अरीन, सान्वी अग्रवाल, खुषी राठी, आराध्या बिष्नोई, आदित्य नारायण, बुरहानुद्धीन हसन, माही सैनी, विवान दत्ता, रूद्र देवंदा, तुहीन बादल, मिराया फगेरिया, देविना शर्मा, शुगन टोंक, लक्ष्य देवंदा, साक्षी सिंह, स्वराज तकसाली की चुनौती एकल में समाप्त हुई। समाचार लिखे जाने तक मुकाबले देर रात तक जारी थे। शनिवार को सुबह 8.30 बजे से लगभग 500 मैच खेले जाएंगे।

// एशियाई खेल //

भारत के लिए ऐतिहासिक रहा शुक्रवार का दिन, जीते 6 स्वर्ण सहित 10 पदक

पदक तालिका में भारत 5वें स्थान पर, भारत के 76 पदक है जिनमें 16 स्वर्ण, 25 रजत और 35 कांस्य पदक

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। एशियाई खेल 2026 में शुक्रवार का दिन भारत के लिए पदकों की बारिश लेकर आया। भारत ने शुक्रवार को 6 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने तीरंदाजी, नौकायन, मुक्केबाजी, कुश्ती, सेपकटकरा और हॉकी में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। दिन की शुरुआत तीरंदाजी में स्वर्ण से हुई और हॉकी में चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ भारत का दिन यादगार बन गया। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत के नाम अब 76 पदक हैं, इनमें 16 स्वर्ण, 25 रजत और 35 कांस्य पदक शामिल हैं।

भारत को तीरंदाजी में स्वर्ण व रजत

भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में इतिहास रच दिया। कीर्ति, अंकिता भकत और कुमकुम मोहद की भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर महिला रिकर्व टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। यह इस स्पर्धा में एशियाई खेलों का भारत का पहला स्वर्ण है। भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर ऐतिहासिक स्वर्ण अपने नाम किया। इसके अलावा भारत ने रिकर्व मिश्रित टीम और पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते। इस ऐतिहासिक जीत के साथ कीर्ति, अंकिता भकत और कुमकुम मोहद ने महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में भारत को एशियाई खेलों का पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

भारतीय मुक्केबाज अंकुश ने 80 किग्रा. वर्ग में जीता स्वर्ण

भारत के अंकुश पंघाल ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा मुक्केबाजी वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में अंकुश ने दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 के विभाजित फैसले से हराया। इसके साथ ही भारत ने एशियाई खेलों में अपनी मुक्केबाजी प्रतियोगिता 3 स्वर्ण और 3 कांस्य समेत कुल 6 पदकों के साथ समाप्त की। अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने शुरुआती दौर में राइट हुक और अपरकट के जरिए किम पर दबाव बनाया। दक्षिण कोरियाई मुक्केबाज दूरी बनाए रखने और काउंटर अटैक की कोशिश करता रहा, लेकिन अंकुश के लगातार प्रहारों के सामने वह ज्यादा प्रभावी नहीं दिखा। पहले राउंड में अंकुश ने 4-1 से बढ़त हासिल की।

नौकायन में कांस्य

नौकायन में नेत्रा कुमानन ने शुक्रवार को एशियाई खेलों की महिला डिंगी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। चेन्नई की 29 वर्षीय ओलंपियन ने कुल 14 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि सिंगापुर की जेनिया आंग ने 13 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नेत्रा ने फाइनल और क्वालिफिकेशन रेस में सात-सात अंक हासिल किए। इस तरह भारत ने नौकायन में दो और पदक जोड़ लिए, जिसमें नेत्रा कुमानन का कांस्य और पुरुष स्किफ में मनु फ्रांसिस व कुरिसिंकल नोबल का रजत शामिल है।

लवलीना को 75 किग्रा. वर्ग में स्वर्ण

भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक दिलाया। लवलीना ने शुक्रवार को फाइनल में चीन की बाओ ज़ीई को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली लवलीना ने इस बार अपने प्रदर्शन में एक कदम आगे बढ़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वह 2014 के बाद एशियाई खेलों में महिला मुक्केबाजी का स्वर्ण जीतने वाली मैरी कॉम के बाद दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज भी बन गई हैं। लवलीना का यह एशियाई खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने रजत पदक जीता था। वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीत चुकी हैं और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी हासिल कर चुकी हैं। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता था।

परवीन को 65 किलो. वर्ग में स्वर्ण

भारत की परवीन हुड्डा ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 की महिला 65 किलोग्राम मुक्केबाजी स्पर्धा के फाइनल में चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को 3-2 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही परवीन एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की तीसरी महिला मुक्केबाज बन गईं। उनसे पहले मैरी कॉम ने 2014 और लवलीना बोरगोहेन ने इसी टूर्नामेंट में आज 75 किग्रा वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कुश्ती में सुजीत को स्वर्ण

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने शुक्रवार को एशियाई खेल-2026 में पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में सुजीत ने ताजिकिस्तान के अब्दुल मजीद कुडिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय 2-9 से पीछे चल रहे सुजीत ने लगातार 8 अंक हासिल करते हुए शानदार वापसी की। 23 वर्षीय सुजीत के लिए यह पहला एशियाई खेल स्वर्ण पदक है। वह एशियाई खेलों में पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में स्वर्ण जीतने वाले भारत के तीसरे पहलवान बन गए हैं। उनसे पहले योगेश्वर दत्त ने 2014 और बजरंग पूनिया ने 2018 में इस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह 2026 एशियाई खेलों में कुश्ती में भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है।

सेपकटकरा में कांस्य

भारतीय पुरुष क्वाड्रेंट टीम ने एशियाई खेलों में सेपकटकरॉ का कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत को शुक्रवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम का कांस्य पदक सुनिश्चित हो गया था। भारतीय क्वाड्रेंट में मालेमंगनबा सिंह सोरोखैबम, राम कुमार शर्मा, बॉबी कुमार और आकाश युमनाम शामिल थे, जबकि लोखोन सिंह एलांगबम और टेकोंग अरुण स्थानापन्न खिलाड़ी थे। जापान की टीम में युकी सातो, रयोता हारुहारा, वातरु नारावा और योता इचिकावा शामिल थे। मुकाबला बेहद करीबी रहा। जापान ने पहला गेम 15-12 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारत ने कड़ी चुनौती दी, लेकिन जापानी टीम ने 15-13 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली।

धीरज व कुमकुम ने रचा इतिहास, मिश्रित रिकर्व टीम में भारत को रजत

भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद ने एशियाई खेलों में मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में भारत को पहली बार रजत पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी को शुक्रवार को फाइनल में चीन के झू जिंगयी और ली मेंगची के खिलाफ 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे का मतलब यह भी था कि भारत मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा से मिलने वाले लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक क्वालिफिकेशन कोटे से चूक गया। वहीं, चीन की जोड़ी ने एशियाई खेलों की इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा स्थान भी हासिल कर लिया। 17 साल की कुमकुम शुक्रवार को स्वर्ण जीतने वाली महिला टीम और रजत जीतने वाली मिक्स्ड टीम की जोड़ी, दोनों का हिस्सा थीं, जिससे वह इन खेलों में रिकर्व आर्चरी में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक बन गईं।

पदक तालिका

चीन 162 स्वर्ण, 81 रजत और 73 कांस्य समेत कुल 316 पदकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि जापान 71 स्वर्ण, 83 रजत और 85 कांस्य सहित 239 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया 33 स्वर्ण, 39 रजत और 62 कांस्य के साथ कुल 134 पदक जीतकर तीसरे स्थान पर है। उज्बेकिस्तान 20 स्वर्ण, 23 रजत और 22 कांस्य समेत 65 पदकों के साथ चौथे स्थान पर है। भारत के बाद ईरान 15 स्वर्ण, 17 रजत और 13 कांस्य सहित कुल 45 पदकों के साथ 6वें स्थान पर है।

अंडर-19 महिला टी-20 नेशनल चैम्पियनशिप के लिए राजस्थान टीम घोषित

जयपुर, 2 अक्टूबर। यू-19 महिला टी-20 नेशनल चैंपियनशिप के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ ने पहले चरण के मुकाबलों के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमानमैना सियोलको सौंपी गई है, जबकिप्रियांशी चौधरीउपकप्तान होंगी। टीम में अजमेर, अलवर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, डूंगरपुर, जयपुर, जोधपुर, कोटा, सीकर और उदयपुर जिलों की खिलाड़ियों को जगह मिली है।

राजस्थान टीम - अक्षिता बराला - अजमेर, ऋषिता यादव - अलवर, श्री चौधरी - बाड़मेर (बैटर/विकेटकीपर), ईशा गजराज - भीलवाड़ा (विकेटकीपर/बैटर), मुस्कान बिश्नोई - बीकानेर, शहनाज़ - डूंगरपुर, अंशिका चौधरी - जयपुर, मैना सियोल - जोधपुर (कप्तान), धृति माथुर - जोधपुर, वंशिका सिंह सिंदल - जोधपुर, पलक बिश्नोई - जोधपुर, प्रतीक्षा सिंह - कोटा, प्रीति कपूर - सीकर, वृंदा शर्मा - सीकर, प्रियांशी चौधरी - उदयपुर (उपकप्तान), **स्टैंडबाय खिलाड़ी -** निष्ठा सोती, मोनिका और अनुष्का शर्मा (अलवर), मानसी (बीकानेर), गौरवी खंगारौत (डूंगरपुर), आरती बिश्नोई (हनुमानगढ़), अलीना खान (जयपुर) तथा अंशिका भंडारी (उदयपुर) को स्टैंडबाय में रखा गया है।

सपोर्ट स्टाफ - हेड कोच:एकता प्रमोद सिंह (जयपुर), **कोच :** नीतू वैद (अजमेर), **फिजियो :** कोनिका भोजक (जयपुर), **ट्रेनर :** मृदुलता दीप (यूपी), **परफॉर्मेंस :** प्रतीक छाबड़ा (जयपुर), **मैनेजर :** ज्वाला देवी जाट (जयपुर)

चयनित खिलाड़ियों का कैंप 3 से 5 अक्टूबर 2026 तक एकेडमी, जयपुर में आयोजित होगा। इसके बाद राजस्थान टीम 6 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होगी। राजस्थान को एलीट लीग में मिजोरम, मुंबई, कर्नाटक, केरल और छत्तीसगढ़ के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। सभी लीग मैच पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन, न्यू चंडीगढ़ में होंगे।

9 अक्टूबर - मिजोरम बनाम राजस्थान
10 अक्टूबर - राजस्थान बनाम मुंबई
12 अक्टूबर - राजस्थान बनाम कर्नाटक
14 अक्टूबर - राजस्थान बनाम केरल
16 अक्टूबर - राजस्थान बनाम छत्तीसगढ़

इसके बादनॉकआउट चरण के मुकाबले 20 से 26 अक्टूबर तक विदर्भ क्रिकेट एसो., नागपुर में प्रस्तावित हैं।

जयपुर ने अलवर को 118 रन से हराकर जीता राज्य स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट खिताब

उदयपुर, 2 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में जयपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अलवर को 118 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। उदयपुर के शिकारबाड़ी मैदान पर खेले गए फाइनल में जयपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 326 रन बनाए। जयपुर की ओर सेप्रणव चौधरी ने 107 और बृजेश यादव ने 100 रनकी शतकीय पारियां खेलीं। आदित शर्मा ने 40, कुमार वासुदेव ने 23 और मनवीर सरावगी ने 20 रन बनाए। अलवर की ओर से नमन यादव ने 63 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अलवर की टीम 208 रन पर ऑलआउट हो गई। कृष्णा चौधरी ने 30, अल्फेज़ ने 29, पुनीत ने 25 और नमन ने 22 रन बनाए। जयपुर की ओर सेहंस चौधरी ने 21 रन देकर 4 विकेट, कुमार वासुदेव ने 33 रन देकर 3 तथा समर्थ सचदेवा ने 46 रन देकर 2 विकेट लिए। इस अवसर पर जिला संघ के सचिव मनोज चौधरी, डिप्टी प्रेसिडेंट मनोज भटनागर, उपाध्यक्ष शाहिद शेख एवं विनोद राठौर, सह सचिव अनीस इकबाल व मुकेश कुमावत तथा किशन चौधरी उपस्थित रहे।

नाइट पोलो में आज होगा टूर्नामेंट का फाइनल

अभिनेत्री डायना पेंटी और लारिसा बोनेसी करेगी शिरकत

मेफेयर 84 पहुंची फाइनल में, टीम मेफेयर पोलो के साथ होगा फाइनल मुकाबला

जयपुर, 2 अक्टूबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल्स) के लिए शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। टीम नेवी पोलो और टीम मेफेयर 84 के बीच हुए इस मुकाबले में टीम मेफेयर 84 ने जीत हासिल की। टीम मेफेयर 84 ने 12-7.5 के स्कोर से जीतकर फाइनल में अपनी जगह बनाई । विजेता टीम मेफेयर 84 के लिए शमशीर अली ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अकेले 8 गोल दागे। वहीं, प्रताप सिंह कानोता और हुर्र अली ने 2-2 गोल किए। टीम में अनय शाह भी शामिल रहे। दूसरी ओर, टीम नेवी पोलो की ओर से नवीन सिंह ने 3 गोल, जबकि सलीम आज़मी और आर्यामान सिंह ने 2-2 गोल हासिल किए। टीम से कैप्टन एपी सिंह भी खेले। यहां, टीम नेवी पोलो को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

आज नाइट पोलो में होगा टूर्नामेंट का फाइनल

भावनगर पोलो ट्रॉफी के लिए फाइनल मुकाबला शनिवार को शाम 7 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा। फाइनल के लिए टीम मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर 84 आमने-सामने होंगी। मैच में अभिनेत्री डायना पेंटी और लारिसा बोनेसी भी शिरकत करेंगी।

रणजी संभावितों के अभ्यास मैचों में बल्लेबाजों का दबदबा

जयपुर, 2 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा रणजी टीम के संभावित खिलाड़ियों के चयन के लिए आयोजित तीन दिवसीय अभ्यास मैचों का तीसरा एवं अंतिम दिन बल्लेबाजों के नाम रहा। **टीम डी बनाम टीम बी -** टीम डी की पहली पारी के 470 रन के जवाब में टीम बी ने576 रन पर पारी घोषित/समाप्तकी। टीम बी की ओर सेकार्तिक शर्मा ने 107, कार्तिकेय चौधरी ने 80, अनिरुद्ध सिंह ने 73 और विशाल हर्ष ने 32 रनबनाए। **टीम डी** की ओर से कन्हैया लाल स्वामी ने 104 रन देकर 5 विकेट तथा हनी प्रताप ने 109 रन देकर 2 विकेट लिए। **टीम ए बनाम टीम सी -** टीम ए ने पहली पारी में573 रनबनाए। इसके जवाब में टीम सी ने 5 विकेट पर466 रनबना लिए। टीम सी की ओर सेअमोल चेलानी 203 और सुमित गोदारा 116 रन बनाकर नाबादरहे, जबकि कुणाल सिंह राठौर ने 94 रन की पारी खेली। तीन दिवसीय अभ्यास मैचों में बड़ी पारियों के साथ कई खिलाड़ियों ने चयनकर्ताओं के सामने अपनी दावेदारी मजबूत करने का प्रयास किया।

भारत-पाक गोल्ड मेडल मैच में नहीं दिखेंगे नकवी

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों में होने वाले बहुप्रतीक्षित पुरुष क्रिकेट फाइनल से पहले एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के जापान नहीं पहुंचने की पुष्टि हो गई है। शनिवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान के बीच स्वर्ण पदक का मुकाबला खेला जाना है, लेकिन नकवी इस मुकाबले के दौरान वहां मौजूद नहीं होंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि उसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी आइची-नागोया 2026 के अंतिम दिन होने वाले मुकाबलों में शामिल नहीं हो पाएंगे।

नशे से दूर रह कर युवा अपनी ऊर्जा देश निर्माण में लगाएं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने युवा संवाद कार्यक्रम में 3025 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित ''सपनों की उड़ान, युवा सशक्त युवा संवाद'' कार्यक्रम में भाग लिया।

■ भवानी निकेतन परिसर में कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपने अनुभव व सुझाव साझा किए तथा युवा कल्याण योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

जयपुर, 2 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जावान, सामर्थ्यवान और संस्कारवान युवा असली पूंजी हैं। सरकार युवा प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने का काम कर रही है। शिक्षा से लेकर खेल, कौशल से लेकर रोजगार तक युवाओं के सपनों को साकार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित 'सपनों की उडान, युवा सशक्त युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2029 तक नशामुक्त भारत का संकल्प लिया है। इसी राष्ट्रीय संकल्प को राजस्थान में धरातल पर उतारने के लिए 'नई किरण' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। उन्होंने युवाओं से आ ान किया कि वे नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग प्रदेश और देश के निर्माण में करें तथा प्रतिभा के दम पर देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाएं।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से आव्हान किया कि वे केवल नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें। उन्होंने कहा कि राजस्थान में रोजगार और उद्यम के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। प्रोसेसिंग यूनिट, कोल्ड चेन और गोदाम सहित, अनेक क्षेत्रों में युवा अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि राजस्थान में कोई भी प्रतिभाशाली युवा अवसर से वंचित न रहे। इसी क्रम में खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए प्रतिभा योजना प्रारंभ की गई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर, हनुमानगढ , श्रीगंगानगर, बारां, बूंदी, झालावाड़ एवं कोटा जिलों के 3 हजार 75 करोड़ के 668 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मूल निवास प्रमाण पत्र सेवा के साथ-साथ, नशा मुक्त राजस्थान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नई किरण: नशा मुक्ति केन्द्र पोर्टल, प्रतिभा पोर्टल, खेल मित्र पोर्टल एवं खेलो राजस्थान गेम्स पोर्टल का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने मुख्यमंत्री से अपने अनुभव और सुझाव साझा किये। साथ ही, युवा कल्याण की योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। इस अवसर पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर प्रदेश की गौरव बढ़ ाने वाले अनंतजीत सिंह नरूका को 60 लाख रुपये एवं कुशाग्र सिंह राजावत को एक करोड रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा निर्मित नशामुक्त युवा मानव श्रृंखला का अवलोकन किया और युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, खेल एवं युवा मामलात राज्य मंत्री के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग एसआईआर में छूटे व नये मतदाताओं के नाम जोड़ेगा

■ आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को इसके लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मुख्य चुनाव अधिकारियों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरा होने के बाद, छूटे हुए, पहली बार वोट देने वाले और युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाएं, ताकि यह पक्का किया जा सके कि सभी योग्य वोटर मतदाता सूची में शामिल हों।

चुनाव आयोग ने मुख्य चुनाव अधिकारियों से यह पक्का करने को कहा है कि यह पहल जनता तक पहुंचे। सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखे एक पत्र में, चुनाव आयोग ने एसआईआर होने के बाद छूटे हुए, पहली बार वोट देने वाले और युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को सीईओ के साथ बैठक के बाद यह निर्देश जारी किया। इसमें कहा गया है कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत, गिनती के फेज में, हर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट (एसडीडी) मतदाताओं की एक सूची तैयार की थी, जिसमें उनके नाम शामिल न करने का संभावित कारण भी बताया गया था। यह सूची संबंधित पंचायत भवनों/शहरी स्थानीय निकाय और बीडीओ/पंचायत अधिकारियों/ यूएलबी अधिकारी के ऑफिस के नोटिस बोर्ड पर लगाई गई, बीएलए और राजनीतिक पार्टियों के साथ शेयर की गई और सीईओ वेबसाइट पर भी अपलोड की गई।

उत्तराखंड को मिला नीली आँखों वाला दुर्लभ वाइट टाइगर

टाइगर एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत इसे ग्वालियर ज़ूलॉजिकल पार्क से लाया गया है

■ तेजस नाम का यह सफेद बाघ अपनी नीली आँखों व काली धारियों के लिए विख्यात है। तेजस के बदले में रॉयल बंगाल टाइगर प्रजाति का एक बाघ ग्वालियर भेजा गया है।

■ फिलहाल तेजस को पशु चिकित्सकों की निगरानी में क्वारंटीन में रखा गया है, जब वह इस नए माहौल से अनुकूलन कर लेगा, तब उसे डिस्प्ले एरिया में भेजा जाएगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। देहरादून चिड़ियाघर में वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक नया आकर्षण जुड़ गया है। बाघों के आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत सफेद बाघ ''तेजस'' को ग्वालियर ज़ूलॉजिकल पार्क से देहरादून लाया गया है। अपने सफेद शरीर, गहरी धारियों और चमकदार नीली आंखों के कारण तेजस उत्तराखंड का पहला सफेद बाघ बन गया है।

चिड़ियाघर के अधिकारियों का मानना है कि तेजस के आने से वन्यजीवों की विविधता बढ़ेगी तथा और अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे। लेकिन कुछ समय तक बाघ को लोगों से दूर रखा जाएगा, ताकि वह नए वातावरण में आसानी से ढल सके, और उसकी स्वास्थ्य जांच हो सके।

तेजस को देहरादून चिड़ियाघर तथा ग्वालियर ज़ूलॉजिकल पार्क के बीच हुए बाघों के आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत देहरादून लाया गया है। इसके बदले, देहरादून चिड़ियाघर के लगभग पांच साल के रॉयल बंगाल टाइगर ''भोला'' को ग्वालियर भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस आदान-प्रदान का उद्देश्य दोनों चिड़ियाघरों में वन्यजीवों की विविधता बढ़ाना और संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देना है।

बाघ ने ग्वालियर से देहरादून तक सड़क मार्ग से लगभग 556 किलोमीटर की यात्रा की। देहरादून चिड़ियाघर की रेंजर और प्रभारी दीक्षा भट्ट के अनुसार, तेजस को एक विशेष रूप से तैयार किए गए रेस्क्यू वाहन में लाया गया। इस यात्रा में 12 से 14 घंटे लगे। पूरे रास्ते विशेषज्ञों की एक टीम बाघ के साथ रही। 13 सदस्यों वाली इस टीम में पशु चिकित्सक और वन विभाग के अधिकारी शामिल थे।

देहरादून पहुंचने के बाद, तेजस को सीधे दर्शकों के लिए बनाए गए बाड़े में नहीं रखा गया। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने बताया कि किसी दूसरे चिड़ियाघर या केन्द्र से लाए गए जानवरों को कुछ समय तक क्वारंटीन और निगरानी में रखना जरूरी होता है।

बाघ को लगभग 20 दिनों तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। इस दौरान, केवल बाड़े की केयर टेकर और पशु चिकित्सक ही उसके पास जा सकेंगे। उसके स्वास्थ्य, भोजन, व्यवहार और नए वातावरण में ढलने की क्षमता पर लगातार नज़र रखी जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने सवाल किया कि लोकतंत्र में प्रदर्शन करने के लिए अनुमति की जरूरत क्यों है, जबकि जंतर-मंतर एक निर्धारित प्रदर्शन स्थल है।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने करीब एक सप्ताह पहले प्रदर्शन की अनुमति मांगने के लिए पत्र दिए थे। भारद्वाज ने कहा, हम अपनी समस्याओं और सरोकारों को उठाने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर के पास कई मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सबसे नजदीकी खुले मेट्रो स्टेशन तक जाएं और, अगर संभव हो तो, वहां से पैदल प्रदर्शन स्थल तक पहुंचें।

दिल्ली मेट्रो ने 12 स्टेशनों पर प्रवेश और निकास बंद कर दिया है। इनमें राजीव चौक, केन्द्रीय सचिवालय और जंतर-मंतर शामिल हैं।

'मैंने जियो हॉटस्टार के वाइस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के बजाय उन्होंने खुद फोन करके काम मांगा। स्मृति ईरानी ने बताया कि उन्होंने उदय शंकर को फोन किया था, जो अब ''जिओ हॉटस्टार'' और ''स्टार'' के वाइस-चेयरमैन हैं।

जब ''क्योंकि सास भी कभी बहू थी'' सीरियल बंद हुआ था, उस समय उदय शंकर टीवी से जुड़े हुए थे। उस बातचीत को याद करते हुए ईरानी ने ''टाइम्स नाओ'' से कहा, मैंने फोन उठाया और मीडिया और एन्टरटेनमैंट के क्षेत्र में काम मांगा। मैंने कहा कि मैं बेरोजगार हूं, क्या आप मुझे कोई काम दे सकते हैं? उनकी वजह से ही मनोरंजन की दुनिया में मेरी नौकरी गई थी। फिर मेरे दोबारा लौटने की वजह भी वही बने।

बताया जाता है कि ईरानी के फोन ने शंकर को चौंका दिया, खासकर इसलिए, क्योंकि उस समय वे विदेश में थे। उन्होंने जानना चाहा कि क्या ईरानी सच में राजनीति में कई साल बिताने के बाद दोबारा मनोरंजन की दुनिया में लौटने और टीवी सैट पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, ईरानी के लिए काम मांगना न तो अजीब था और न ही शर्म की बात। उन्होंने इसे अपने करियर के अगले दौर की शुरुआत के लिए एक व्यावहारिक कदम माना।

शंकर ने यह भी सुनिश्चित किया कि ईरानी को पता हो कि टीवी पर लौटने का क्या मतलब होगा। राजनीति में कई साल बिताने के बाद उन्हें फिर से लंबे समय तक काम करने और सेट की व्यस्त दिनचर्या के अनुसार खुद को ढ ालना होगा।

ईरानी ने याद करते हुए कहा, ''जो लोग इस काम को जानते हैं, वे इसे समझते हैं। आप 12 घंटे तक की शिफ्ट में काम कर सकते हैं और असल में कभी पूरी तरह काम से फ्री नहीं होते। इसलिए उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं एक कर्मचारी के रूप में सैट पर जाकर काम करने को लेकर पूरी तरह तैयार हूं। इसमें कोई बुराई नहीं है। मुझे लगता है कि सैट पर मौजूद हर कोई थोड़ा हैरान था। लोग सोच रहे थे कि मैं दिहाड़ी मजदूर की तरह कैसे काम करूंगी?''

आखिरकार ईरानी ''क्योंकि सास भी कभी बहू थी'' के दूसरे सीजन के साथ फिर से इस सीरियल की दुनिया में लौटीं, जिससे सालों बाद उनकी टीवी पर वापसी हुई।

''क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2'' का पहला एपिसोड 29 जुलाई 2025 को ''स्टार प्लस'' पर प्रसारित हुआ और इसे ''जिओ हॉटस्टार'' पर भी स्ट्रीम किया गया। इस शो के जरिए स्मृति ईरानी ने तुलसी विरानी के रूप में टीवी पर वापसी की। यही वह प्रसिद्ध किरदार था, जिसने 2000 के दशक में उन्हें पूरे भारत में घर-घर में पहचान दिलाई थी। उनकी वापसी के साथ अमर उपाध्याय भी फिर से उनके साथ नज़र आए, जिन्होंने दोबारा मिहिर विरानी की भूमिका निभाई।

अभिनेता डीनो मोरिया गिरफ्तार

मुंबई, 02 अक्टूबर। फिल्म अभिनेता डीनो मोरिया को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शुक्रवार को मीठी नदी में गाद निकालने और सफाई के काम में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच के दौरान, मोरिया के वित्तीय लेन-देन और मुख्य आरोपी केतन कदम के साथ उनके कथित वित्तीय संबंध सामने आए थे। इस मामले की गहन छानबीन ईओडब्ल्यू की टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले डीनो मोरिया और उनके भाई सैंटिनो मोरिया से कई घंटे पूछताछ की गई थी। जांच एजेंसी ने दोनों से जुड़े वित्तीय लेन-देन के दस्तावेज और बैंक खातों की जानकारी भी खंगाली है। इसके बाद मीठी नदी से गाद निकालने के काम में करीब 65 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय धोखाधड़ी होने का पता लगा है।

आराधना मिश्रा उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष नियुक्त

इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष तथा देवेन्द्र निषाद व आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया

■ अनुराधा मिश्रा मोना रायपुर खास सीट से विधायक हैं तथा उत्तर प्रदेश के दिग्गज नेता प्रमोद तिवारी की पुत्री हैं। इस नियुक्ति से कांग्रेस ने महिलाओं व ब्राह्मण मतदाताओं को मनाने की कोशिश की है।

लखनऊ, 01 अक्टूबर। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से ठीक पहले, कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन में एक बड़ा और रणनीतिक फेरबदल किया है। कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, पार्टी हाईकमान ने वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को उनके पद से मुक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की है, और उनकी जगह प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से विधायक व वरिष्ठ नेत्री आराधना मिश्रा मोना को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

कांग्रेस के इस कदम को बेहद सोची-समझी राजनीतिक रणनीति माना जा रहा है। पार्टी ने इसके जरिए एक साथ महिला और ब्राह्मण मतदाताओं (सोशल इंजीनियरिंग) को साधने की पुरजोर कोशिश की है। आराधना मिश्रा कांग्रेस के दिग्गज नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी की पुत्री हैं और विधानसभा में पार्टी की एक बेहद मुखर और मजबूत आवाज मानी जाती रही हैं। कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा प्रदेश संगठन को और अधिक धार देने के लिए अन्य कई अहम पदों पर भी तत्काल प्रभाव से नियुक्तियां की गई हैं।

वरिष्ठ नेता इमरान मसूद को उत्तर प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। संगठन को मजबूती देने के लिए देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही, पार्टी ने चौधरी वीरेंद्र सिंह को उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नया नेता नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

'हमले के दौरान मैं हनुमान चालीसा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करनी होगी। मैंने खुद को कॉकपिट का दरवाजा खोलने के लिए तैयार किया और जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, बाकी सभी लोग अंदर आ गए। जो कुछ हुआ, उसमें सभी ने समान भूमिका निभाई।''

बातचीत के दौरान स्मित ने बताया कि जब भी वह किसी मुश्किल में होते हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार को हमले के दौरान भी वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पायलट से कहा कि उन्होंने उनकी मां गीता से भी बात की है और कहा कि उन्होंने उन्हें भगवद् गीता के मूल्यों और शिक्षाओं के साथ पाल-पोसकर बड़ा किया है। प्रधानमंत्री ने स्मित से कहा कि देश गर्व के साथ कह सकता है कि भारतीय वे लोग नहीं हैं जो दूसरों की जान लेते हैं, बल्कि वे लोग हैं जो दूसरों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार रहते हैं। इज़रायल के रक्षा मंत्री इज़रायल काट्ज ने फ्लाईदुबई की घटना को जिहादी आतंकवादी हमला बताया। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ओमानी सह-पायलट को आतंकवादी कहा। हालांकि, इन दावों को साबित करने के लिए इज़रायल को घटना की पूरी तरह जांच करनी होगी और सह-पायलट से पूछताछ करनी होगी। अब सह-पायलट को सऊदी अरब द्वारा संयुक्त अरब अमीरात को सौंपे जाने के बाद इज़रायल के उस तक पहुंचने की संभावना पैदा हो गई है।

इज़रायल के सऊदी अरब के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं, लेकिन यूएई के साथ उसके संबंध काफी मधुर हैं। यूएई ने 2020 में अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर कर इज़रायल को मान्यता दी थी। वहीं, सह-पायलट का देश ओमान इज़रायल को मान्यता नहीं देता और उसके साथ उसके कोई औपचारिक संबंध नहीं हैं।

30 सितंबर को ओमानी सह-पायलट ने फ्लाई दुबई की उड़ान एफज़ैड1073 के भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर हमला किया और कथित तौर पर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश की। विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें ज्यादातर इज़रायली थे। घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। तेल अवीव जाने वाली उड़ान को सऊदी अरब के तबुक में उतारा गया। पूरे मामले की जांच के लिए सह-पायलट और कॉकपिट में मौजूद रिकॉर्डिंग उपकरणों तक पहुंच जरूरी है। जब तक ओमानी सह-पायलट सऊदी अरब में था, तब तक इज़रायल के पास उस तक पहुंच का कोई रास्ता नहीं था। हालांकि, रियाद द्वारा सह-पायलट को अबू धाबी को सौंपे जाने के बाद स्थिति बदल गई है।

अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट को तीन नये जज मिलेंगे

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह तीन नए जजों की नियुक्ति होने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 29 सितंबर को हाई कोर्ट के तीन मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष न्यायालय में पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों के अनुसार, गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल, दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया जा सकता है।

गांधी जयंती पर सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मुंबई में प्रदर्शन किया

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा तथा सेवानिवृत लोग नजर आये

मुंबई, 02 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को महात्मा गांधी जयंती के मौके पर मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। मुंबई पुलिस ने पहले शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और आयोजकों को वैकल्पिक स्थल का सुझाव दिया था। इसके बावजूद सीजेपी ने आंदोलन जारी रखा।

प्रदर्शन के दौरान शिवाजी पार्क की ओर जाने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग की गई और यातायात को नियंत्रित किया गया। सेना भवन से दादर स्टेशन तथा बांद्रा से सीएसटी की ओर जाने वाले मार्ग खुले रखे गए। अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, गायक ददलानी, अभिनेत्री शबाना आजमी, अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा तथा राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी सहित भारी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन स्थल पर सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके से मुलाकात की और दीपके के प्रति अपना समर्थन जताया। प्रदर्शन में युवाओं के अलावा सेवानिवृत्त लोग भी नज़र आए। ठाणे से पहुंचे बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक राधिका कृष्णन परिवार ने कहा कि वे अपने बच्चों और पोते-पोतियों के भविष्य के लिए आंदोलन में शामिल हुए हैं।

पंजाब में कांग्रेस की आंतरिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए उनसे करीब 15 मिनट मुलाकात हुई थी और उसके बाद उनकी पायलट से कोई मुलाकात नहीं हुई। वड़िंग ने कहा कि उन्होंने अपनी यह बात गांधी तक पहुंचा दी, क्योंकि पार्टी के पदानुक्रम में ऐसा कोई दूसरा व्यक्ति नहीं था, जिसके सामने वे अपनी बात रख सकते।

वड़िंग का इस्तीफा, 5 सितंबर को भूपेश बघेल की जगह पायलट को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने के बाद, तथा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच गंभीर मतभेद की खबरों के दौरान आया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राज्य इकाई में गुटबाजी को लेकर पायलट की एक फीडबैक रिपोर्ट ने चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन का रास्ता साफ किया। वड़िंग ने कहा कि उनसे किसी ने इस्तीफा देने को नहीं कहा और उन्होंने आने वाले बदलाव को भांपने के बाद खुद ही पद छोड़ा है।

दूसरी ओर, भाजपा ने पंचकूला के रेड बिशप रिज़ॉर्ट में पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र पूरा किया। इसकी अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष ने की। जिला अध्यक्षों, प्रभारियों और सह-प्रभारियों की मीटिंग बुलाई गई और इसमें पार्टी की 13 दिवसीय 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' की समीक्षा की गई। इस यात्रा में राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए, करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी। बैठक में 2027 के चुनाव के लिए जिम्मेदारियां भी तय की गईं।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि बैठक में नशा विरोधी अभियान और चुनावी रणनीति की समीक्षा की गई और पार्टी सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से चुनाव लडेगी। चर्चा में संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के साथ ही, उन ग्रामीण इलाकों में संगठनात्मक विस्तार पर खास तौर से विचार किया गया, जहां भाजपा कमज़ोर रही है। इसके अलावा, इस बात पर भी चर्चा हुई कि पार्टी को आगे चलकर शिरोमणि अकाली दल या किसी अलग हुए अकाली धड़े के साथ गठबंधन करना चाहिए, या फिर अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। पंजाब का प्रभार संभाल रहे वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया भी बैठक में मौजूद थे।

यह बैठक, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 30 सितंबर को जालंधर में यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित रैली में शामिल होने के बाद हुई। शाह ने अपने भाषण में नशामुक्त पंजाब को पार्टी के मुख्य चुनावी मुद्दे के रूप में पेश किया था। भाषण के बाद शाह राज्य भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड से मिलने के लिए रुके, उनका हाथ पकडा और रवाना होने से पहले उनसे कुछ देर बातचीत की। इस मुलाकात के बाद ऐसी अटकलें तेज हो गई हैं कि विधानसभा चुनावों से पहले जाखड को पार्टी में कोई बड़ी भूमिका दी जा सकती है।

कैप्टन स्मित मच्छार को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार दें

■ फैडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा।

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर। ''फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स'' ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर फ्लाईदुबई के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार या उपयुक्त नागरिक सम्मान देने पर विचार करने की अपील की है। पत्र में जानकारी दी गई है कि 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान में गंभीर घटना हुई थी। हमले में घायल होने के बावजूद कैप्टन ने विमान पर नियंत्रण बनाए रखा और उसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा।

यूक्रेन ने रूस की और ईरान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने उनकी मुश्किल स्थिति को भी उजागर कर दिया। नाटो अब एक मजबूत गुट के रूप में एकजुट हो चुका है और रूस के खतरनाक प्रॉक्सी हमलों के बीच पूर्ण युद्ध से कम स्तर की कार्रवाई की धमकी दे रहा है।

इस तीखी बयानबाजी की वजह यह है कि पुतिन को अब लग रहा है कि नाटो ने उन्हें घेर लिया है। साथ ही, करीब पांच साल पहले यूक्रेन में शुरू किए गए उनके विशेष सैन्य अभियान के कारण रूसी अर्थव्यवस्था और आम रूसी नागरिकों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा।

पुतिन ने अपने संबोधन में स्वीकार किया कि यूक्रेन द्वारा रूस की तेल सुविधाओं और निर्यात ढांचे पर बार-बार किए गए ड्रोन हमलों से रूस की जीडीपी के कम से कम एक प्रतिशत का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, पुतिन के अनुसार, काला सागर बेड़े पर यूक्रेनी हमलों के कारण रूस को कम से कम 100 जहाजों का नुकसान हुआ है।

रूस की अर्थव्यवस्था, राजस्व और विदेशी मुद्रा आय की रीढ़ माने जाने वाले तेल उद्योग पर पड रहा भारी दबाव अब आम लोगों को भी प्रभावित कर रहा है। रूस में अब कारों और वाणिज्यिक वाहनों में तेल भराने वालों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। युद्ध की तपिश अब रूसी जनता तक पहुंच रही है और घरेलू जनमत पर भी इसका प्रतिकूल असर पड रहा है।

जब पुतिन ने बडे पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया था और आज की स्थिति की तुलना करें तो उनकी लगभग सभी गणनाएं गलत साबित हुई हैं और हालात बेहद खराब हो गए हैं। पुतिन ने यह मानकर विशेष सैन्य अभियान शुरू किया था कि यह कुछ ही हफ्तों में खत्म हो जाएगा और रूसी सेना यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जा कर लेगी। इसके बजाय रूस अब भी डोनबास क्षेत्र में संघर्ष कर रहा है और यूक्रेन के क्षेत्र के छोटे-छोटे हिस्सों पर धीरे-धीरे कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

हाल के दिनों में रूसी सेना ने यूक्रेन की राजधानी पर भीषण हवाई हमला किया। यह हमला रूस के भीतर यूक्रेनी ड्रोन हमलों के जवाब में किया गया यूक्रेन ने रूस के अंदर तक भीषण ड्रोन हमले किए थे। इन घटनाओं ने उस रूसी धारणा को कमज़ोर कर दिया है कि युद्ध का आम रूसी लोगों पर कोई असर नहीं पड़ रहा। रूस के भीतर यूक्रेनी हमले अब इस धारणा को पूरी तरह बदल रहे हैं।

जमीनी स्तर पर पुतिन की गणना पूरी तरह गड़बड़ा गई है और किसी को भी, यहां तक कि यूक्रेन के लोगों को भी, यह उम्मीद नहीं थी कि यूक्रेन रूसी सैन्य ताकत के सामने इतनी मजबूती से डटा रहेगा। यूक्रेन के सैन्य अभियानों ने रूसी शक्ति से जुडे मिथक को तोड़ दिया है, ठीक उसी तरह जैसे ईरान के अभियानों ने अमेरिकी सैन्य शक्ति की सीमाओं को उजागर किया है।

हालांकि, रूसी हमलों ने यूक्रेन को भी उतनी ही गंभीर क्षति पहुंचाई है और अब नागरिक सुविधाएं भी निशाना बन रही हैं। इससे यूक्रेन के रक्षकों के मनोबल और युद्ध जारी रखने के संकल्प पर भी असर पड़ रहा है और एक तरह से यूक्रेनी लोग युद्ध समाप्त होने की कामना कर रहे हैं।

जयपुर पुलिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाएं खारिज करते हुए राज्य सरकार व पुलिस विभाग को साल 1989 के नियमों के अनुसार पदोन्नित प्रक्रिया आगे बढ़ ाने के लिए कहा था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में राज्य सरकार व पुलिस विभाग की, साल 2013-14 के खाली पदों पर की गई पदोन्नित प्रक्रिया को सही करार दिया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908